राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

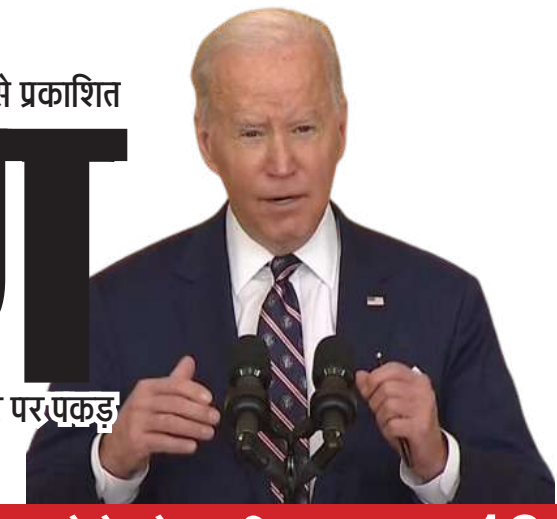

11 धोनी के आईपीएल करियर के 5 सबसे बडे विवाद.....

जब उम्र को लेकर मजाक के मूड में दिखे बाइडन, बोले- मेरा करियर 280..... 12

वर्ष : 13 | अंक : 352 | नई दिल्ली, मंगलवार, 09 मई, 2023 | कृष्णा पक्ष, तृतीया, विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

धर्मांतरण के भयावह नेक्सस का पर्दाफाश करती है केरला स्टोरी: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने केरला स्टोरी फि ल्म देखने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए इसे धर्मांतरण के भयावह नेक्सस का पर्दाफाश करने वाली फि ल्म बताते हुए वैश्विक आतंकवाद के खतरनाक षड्यंत्र से बचने के लिए हर बहन-बेटी को यह फि ल्म देखने की बात कही है। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा ह्ल केरला स्टोरी सच्चाई को सामने रखने का एक प्रयास है. ये फिल्म हमे झकझोरने वाली है. जब आपके सामने ये सच्चाई आती है की कैसे भारत की मासूम बेटियों को प्यार के जाल में फंसा कर आतंकवादी संगठनों के लिए रिक्रूटमेंट किया जाता है. इस फिल्म के माधयम से देश के खिलाफ वर्षों से चल रहे षड़यंत्र का पदार्फाश हुआ है. पहली बार किसी फिल्म ने केरल में चल रहे वैश्विक आतंकवाद के खतरनाक षड्यंत्र को इतने मुखरता से साथ पूरे भारत और विश्व को दिखाया है। पिछले एक दशक से कांग्रेस और वामपन्थ जिस सच को देश से झुठला रहे हैं वह आज हमारे सामने आ चुका है। यह महज एक फिल्म नहीं है यह एक दस्तावेज है जो हमें भारत के विरुद्ध वैश्विक आतंकी संगठन क्रक्र जैसे संगठनों के नापाक साजिशों का पर्दाफाश करती है। हमें आगाह करती है की कैसे हम अपने बहन बेटियों, बच्चों को आतंकवाद के

इस राक्षस से बचाएं आगे बोलते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, ह्लतुष्टिकरण की राजनीति करते करते कांग्रेस और वामपंथी इस हद तक नीचे गिर गए हैं की वह केरल में दशकों से चल रहे आतंकी साजिशों के बचाव में दुष्प्रचार उतर गए और कोर्ट तक भी गए। कांग्रेस और वामपंथी बताएं की भारत के मासूम बच्चियों के साथ खड़े हैं या विरोध में हैं? आतंकवादी संगठनों को एक्सपोज करने के इस प्रयास के साथ खड़े हैं या विरोध में हैं? क्या भविष्य में ऐसे रिक्रूटमेंट ड्राइव ना हों, बच्चियों को अपने जाल में ना फसाया जाए, उसके साथ खड़ी हैं या खिलाफ खड़ी हैं? धर्मांतरण के माध्यम से केरल की अनगिनत मासूम बहन बेटियों को आतंकवाद के दलदल में फेंक दिया गया।यह महज उनकी, उनके माँ-बाप और परिवार की कहानी नहीं है यह उन ऐसे भारतियों की कहानी है जो अपने देश से प्यार करते हैं देश को आतंकवाद से बचाना चाहते हैं। ये फिल्म वास्तविकता पर प्रकाश डालती है कि कैसे भारत की बेटियों को बहलाकर-फुसलाकर, प्यार के जाल में फंसाकर ऐसे रास्ते पर ले जाया जाता है, जहां से मुड़कर नहीं देखा जाता। कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ने इस पर पर्दा डालने का काम किया है। अनुराग ठाकुर ने सवाल पूछते हुए कहा कि क्या आप आतंकवादी संगठनों के साथ हैं, जो ऐसी सोच रखते हैं श्री अनुराग ठाकुर ने कहा पश्चिम बंगाल में फिल्म को बैन कर ममता बनर्जी ने वहां की बहन बेटियों के साथ अन्याय किया है. ममता बनर्जी के राज्य में एक मासूम बच्ची के साथ बलात्कार कर जिस तरह से घसीट कर उसे ले जाय जाता है वो हमे शर्मसार करता है. ऐसी ही सोच से उन आतंकवादियों को बल मिलता है. आतंकवाद के खिलाफ तो कम से कम पूरे देश को एक साथ आना चाहिए. यह समझ से परे है की इनकी हमदर्दी आतंकवाद का शिकार हुए केरल की इन मासूम बच्चियों से न होकर आतंकी संगठनों से क्यों है। आज सारा देश एक स्वर में इनसे पूछना चाहता है की आतंकवाद पर केंद्रित एक फिल्म से इन्हें इतनी दिक्क्त क्यों है? जिन्हें यह फिल्म अजेंडा-प्रोपोगंडा लगता है आतंकवाद के ऐसे पैरोकारों से मैं कहना चाहता हूँ आज देश का बच्चा-बच्चा केरल की कहानी जानना चाहता है जिसे आप छुपाते रहे हो।

मौसम

अधिकतम तापमान 29.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	63,455
चांदी	76,800
सेंसेक्स	61,749
निफ्टी	18,256

केरल में हाउसबोट पलटने से 20 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने शोक जताया

नई दिल्ली, एजेंसी

केरल में मलप्पुरम जिले के तानुर इलाके में थूवलथीरम समुद्र तट के निकट रविवार शाम एक हाउसबोट पलटने से महिलाओं और बच्चों समेत 20 लोगों की मौत हो गयी। हाउसबोट में 30 से अधिक लोग सवार थे। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी। खेल मंत्री वी अब्दुर्रमान ने बताया कि विभिन्न अस्पतालों से मिली सूचना के आधार पर हादसे में 20 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि चार लोगों को गंभीर हालत में यहां कोट्टाकल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्री ने बताया कि 20 में से 15 शव की शिनाख्त कर ली गयी है। उन्होंने कहा, नौका को तट पर लाया जा रहा है तथा उसमें से और शव बरामद होने की आशंका है। अब्दुर्रहमान ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जो स्कूल की छुट्टियों के दौरान घूमने आए थे। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा एक

ट्वीट में मोदी के हवाले से कहा गया है, केरल के मलप्पुरम में नौका दुर्घटना में लोगों के जान गंवाने से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं हैं। प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हादसे में लोगों की मौत पर शोक जताया। उन्होंने ट्वीट किया, केरल के मलप्पुरम में एक हाउसबोट के डूबने की खबरों से व्यथित हूं। अपने प्रियजनों को गंवाने वाले लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मैं कांग्रेस कार्यकताओं से बचाव अभियान में प्राधिकारियों की मदद करने की अपील करता हूं। राज्य सरकार ने एक बयान में बताया कि स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने हादसे के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए एक आपात बैठक बुलायी है। बयान के मुताबिक जॉर्ज ने घायलों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम तेजी से करने का आदेश दिया ताकि उन्हें यथाशीघ्र उनके परिजनों को सौंपा जा सके। बयान के मुताबिक पोस्टमॉर्टम त्रिशूर व कोझिकोड जिले के तिरुर, थिरुरंगडी, पेरिनथालमन्ना अस्पतालों और मनचेरी मेडिकॉल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम किया जाएग। स्वास्थ्य मंत्री ने सख्त निर्देश दिया है कि पोस्टमॉर्टम सुबह छह बजे शुरू कर दिया जाए। इससे पहले पत्रकारों से बातचीत में अब्दुर्रमान ने कहा था, और लोगों के नौका के नीचे फंसे होने की आशंका है तथा उन्हें बाहर निकाला जाना है। नौका पलट गयी थी। इसकी वजह अभी पता नहीं चली है। पुलिस इसकी जांच करेगी। वह पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास के साथ बचाव अभियान में समन्वय कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने एक बयान जारी कर हादसे में लोगों की मौत पर शोक जताया और मलप्पुरम के जिलाधिकारी को एक समन्वित आपात बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि दमकल और पुलिस दल, राजस्व तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और तानुर तथा तिरुर इलाकों के स्थानीय लोग बचाव अभियान में शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह भी बताया कि विजयन सोमवार को घटनास्थल का दौरा करेंगे। बयान के अनुसार, सोमवार को शोक दिवस घोषित किया गया है और मृतकों को श्रद्धांजलि के रूप में सभी सरकारी कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया गया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के विधायक पीके कुन्हालीकुट्टी ने बताया था कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि बचाव अभियान अभी जारी है। पूर्व मंत्री कुन्हालीकुट्टी ने कहा, यह बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। तानुर के निकट एक सरकारी अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि माना जा रहा है कि नौका के डूबने की वजह क्षमता से अधिक लोगों का उसपर सवार होना है। उन्होंने बताया कि नौका शाम छह बजे के बाद सवारी लेकर नहीं जाती है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि इस मामले में नियम का उल्लंघन किया गया। पुलिस के अनुसार यह हादसा शाम लगभग सात बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों को पानी से बाहर निकाला गया है, उन्हें नजदीकी निजी तथा सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे की वजहों की जानकारी अबतक नहीं मिली है।

हनुमानगढ़ में मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन महिलाओं की मौत, पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायुसेना का लड़ाकू मिग-21 विमान सोमवार सुबह हनुमानगढ़ जिले के एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। विमान का पायलट सुरक्षित है। वायुसेना के अनुसार यह विमान नियमति प्रशिक्षण उड़ान पर था और पायलट 'सुरक्षित रूप से निकल गया।' बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया, ₹घटना में तीन महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।₹ उन्होंने कहा कि विमान के पायलट का सूरतगढ़ सैन्यन अस्परताल में इलाज चल रहा है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की जानकारी देते हुए ट्वीट किया, ह्यह्यभारतीय वायुसेना का एक मिग-21 विमान आज सुबह नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सूरतगढ़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित रूप से विमान से निकल गया। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच बैठाई गई है। सूरतगढ़ वायु सेना स्टेशन गंगानगर जिले में है। यह कस्बास हनुमानगढ़ जलि की सीमा के पास है। विमान हनुमानगढ़ जलि के बहलोलनगर गांव के बाहरी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हनुमानगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि लड़ाकू विमान रत्ती राम के घर पर गरि जिसमें उनकी पत्नी और दो अन्य महिलाओं की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शुरूआती रिपोर्ट के अनुसार रत्ती राम का घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और पास के घर को भी नुकसान पहुंचा है। मृतक महिलाओं की पहचान लीला देवी पत्नीह रामप्रताप, बंतो कौर पत्नी लाल सिंह और बाशो कौर पत्नीव रत्ती राम के रूप में हुई है। बहलोलनगर के एक स्थानीय नागरिक ने कहा कि उसने तेज आवाज सुनी और पैराशूट नीचे आते देखा। उसने बताया कि चंद ही सैकंड में विमान रत्ती राम के घर पर गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसके बाद घर में रखी लकड़ियों में आग लग गई। उसने घटनास्थगल पर मौजूद मीडिया को बताया, ₹स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी और रेत से आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। दमकल और पुलिस मौके पर पहुंच गई और महिलाओं को अस्पताल ले जाया गया।₹ घटना के तुरंत बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई।

संक्षिप्त खबरें

अमित शाह मंगलवार को पश्चिम बंगाल की यात्रा पर जाएंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को एक दिन की पश्चिम बंगाल यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह रवींद्रनाथ टैगोर जयंती समारोह में हिस्सा लेंगे और कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गृह मंत्री कोलकाता में जोरासांको ठाकुरबाड़ी में टैगोर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद शाह उत्तर 24 परगना जिले में एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) पेट्रापोल में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। दोपहर में गृह मंत्री ह्यलुमिनरीज ऑफ बंगालह्न फिल्म को रिलीज करेंगे और कोलकाता में साइंस सिटी में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। शाम में शाह शहर में टैगोर के जयंती समारोह में शिरकत करेंगे।

कर्नाटक में सघन चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 3,000 लोगों से किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पिछले सात दिनों में डेढ़ दर्जन जनसभाओं को संबोधित किया और आधा दर्जन के करीब रोड शो किए, लेकिन उनके इस चुनाव प्रचार एक कम ज्ञात पहलू यह रहा कि उन्होंने इस दौरान लगभग 3,000 लोगों के साथ मुलाकात भी की, जिनमें पार्टी के पुराने व नए कार्यकताओं के साथ समाज के प्रबुद्ध लोग भी शामिल थे। सूत्रों ने कहा कि उन्होंने रविवार को अपने प्रचार अभियान के अंतिम दिन लगभग 430 लोगों से मुलाकात की, जबकि एक दिन पहले उन्होंने लगभग 450 लोगों के साथ संवाद किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने रैलियों और उड़ान यात्राओं से पहले और बाद में लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का कार्यक्रम बनाया। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने 5 मई को 300 से अधिक लोगों के साथ संवाद किया। कुल मिलाकर, मोदी ने दक्षिणी राज्य में 18 रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने 27 अप्रैल को डिजिटल माध्यम से पार्टी कार्यकताओं से संवाद किया था। प्रधानमंत्री ने छह रोड शो का भी नेतृत्व किया, जिसमें तीन बेंगलुरु में और एक-एक मैसूर, कलबुर्गी और तुमकुरु में हुए। सूत्रों ने कहा कि प्रचार के दौरान उनसे मिलने वाले लोगों का चयन पार्टी कार्यकताओं, पेशेवरों और शहर के प्रमुख नागरिकों के अच्छे मिश्रण को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक किया गया था। उन्होंने अपनी एक ऐसी ही बातचीत के दौरान पद्म पुरस्कार विजेताओं से भी मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, ये बातचीत काफी निजी होती है। पार्टी के सदस्यों के साथ उनकी बातचीत भी बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत से लोग उन्हें उनके साथ अपनी पिछली बातचीत के बारे में बताते हैं। कुछ लोग उन्हें बताते हैं कि उनके पिता उनके साथ काम करते थे। अगर कोई पुराना सदस्य है, जिसे प्रधानमंत्री पहचानते हैं, तो उन्होंने उसके परिवारों के बारे में पूछताछ भी की। सूत्रों ने कहा कि जब अनुभवी कार्यकर्ता मोदी के साथ अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं, तो इससे पार्टी के साथ उनके बंधन को और मजबूत करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत रूप से मिलने वाले लोगों की तस्वीरें उस शहर में अक्सर वायरल होती रहती हैं। मोदी ने भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया है, क्योंकि वह राज्य में सत्ता बरकरार रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक में 1985 के बाद से कोई सत्ताधारी पार्टी सत्ता में वापसी करने में विफल रही है। भाजपा ने इस मिथक को तोड़ने का भरोसा जताया है, जबकि विपक्षी कांग्रेस ने भी सत्ता में वापसी के लिए सघन प्रचार अभियान चलाया है। कर्नाटक विधानसभा के 224 सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान 10 मई को होगा और मतगणना 13 मई को होगी।

मैं कर्नाटक का 'भूमिपुत्र', हूं, आखिरी सांस तक गरीबों के लिए लड़ता रहूंगा : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को यहां मतदाताओं से समर्थन की भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता इस बात पर गर्व कर सकती है कि राज्य के भूमि पुत्र के रूप में वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के एक उम्मीदवार द्वारा उन्हें जान से मारने की कथित तौर पर धमकी दिए जाने का हवाला देते हुए कहा कि वह 81 वर्ष के हो चुके हैं और अगर कोई उन्हें मारना चाहता है तो मार सकता है, लेकिन वह अपनी अंतिम सांस तक गरीबों के लिए लड़ाई जारी रखेंगे और उनके हितों की रक्षा का प्रयास करते रहेंगे। कांग्रेस ने हाल ही में एक ऑडियो क्लिप जारी कर आरोप लगाया था कि कलबुर्गी जिले के चित्तापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार मणिकांत राठौड़ ने खरगे और उनके परिवार की हत्या करने की धमकी दी है। आडियो में राठौड को कन्नड़ में यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह खरगे, उनकी पत्नी और बच्चों का सफाया कर देंगे। राठौड़ ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। खरगे ने यहां चुनावी सभा में कहा, ऐसा लगता है कि भाजपा नेताओं के दिमाग में यह बात आ गई है कि वो मुझे खत्म कर दें। अगर ऐसा नहीं है तो फिर यह कहने की हिम्मत कैसे हो गई कि वह खरगे और परिवार को मारना चाहता है? कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अगर मणिकांत राठौड ने उन्हें मारने की धमकी दी है तो उसके पीछे भाजपा का कोई नेता है। उन्होंने कहा, मेरे पास बाबासाहेब का संविधान है जो मेरी रक्षा करेगा। कलबुर्गी और कर्नाटक के लोग मेरे पीछे हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद देश की जनता मेरे साथ है। आप मुझे और मेरे परिवार को खत्म कर सकते हैं अगर मैं जाता हूं तो कोई और उठ खड़ा होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने बचपन में अपने पूरे परिवार को खोने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मैं अब भी जीवित हूं और लोगों के आशीर्वाद से जीवित रहूंगा। खरगे का कहना था, ह्यह्यउन्हें जो कहना है, कहने दीजिए, मैं मजबूत हूं। कोई व्यक्ति 100 साल या 90 साल जी सकता है, लेकिन भारत में औसत आयु 70 या 71 साल है। मैं पहले ही बोनस पीरियड में हूं। मैं 81 साल का हूं। अगर मैं आगे जीता हूं तो आठ या नौ साल जीवित रहूंगा। कोई चिंता नहीं है। अगर मुझे खत्म करने से आपकी समस्याएं हल हो जाएंगी तो मैं तैयार हूं। खरगे ने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में खुद को भूमि पुत्र कहा था, उसी तरह वह कर्नाटक के भूमि पुत्र हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे इस क्षेत्र की सभी सीटों पर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करें।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों के समर्थन में पहुंचे किसान, किया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को किसानों का समर्थन मिला है। आज किसान बड़ी संख्या में जंतर-मंतर पहुंचे हैं। इस दौरान किसानों ने वहां पर लगे बैरिकेड्स को भी गिरा दिया और खिलाड़ियों के बीच पहुंच गए। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) से जुड़े एक पदाधिकारी ने कहा कि पहलवानों के समर्थन में किसान संगठन से जुड़े लोग आज जंतर-मंतर आए पहुंचे हैं। किसान संगठन देश के खिलाड़ियों के साथ हैं। किसान संगठन भी चाहते हैं कि बृजभूषण शरण सिंह को सभी पदों से हटाया जाए और उनकी फौरन गिरफ्तारी हो। इसी बीच जंतर-मंतर पर किसानों ने आक्रोश का प्रदर्शन भी किया। बीकेयू सिद्धूपुर संगठन के किसानों ने बैरिकेड तोड़कर बड़ी संख्या में प्रदर्शन किया। इस दौरान रैपिड एक्शन फोर्स भी मौके पर मौजूद रही । हालांकि प्रशासन ने किसी प्रकार के बल का प्रयोग नहीं किया। बीकेयू सिद्धूपुर संगठन के लोगों ने मोदी, योगी और शाह के खिलाफ नारेबाजी भी की। उल्लेखनीय है कि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। ऐसे में सिंह को सभी पदों से हटाने के लिए खिलाड़ी बीते कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में अब किसान संगठन भी एकत्र हो रहे हैं। एसकेएम से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर खिलाड़ियों की बात नहीं मानी गई तो किसान संगठन देशव्यापी आंदोलन करेंगे।

वायुसेना राजनाथ सिंह ने चंडीगढ़ में वायुसेना विरासत केंद्र का उद्घाटन किया.....

वायु सेना की विरासत को संरक्षित रखना जरूरी: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां अपनी तरह के पहले वायुसेना विरासत केंद्र का उद्घाटन किया। सिंह ने कहा कि यह बल में सेवा करने वाले सभी लोगों के साहस और समर्पण का प्रमाण है और राष्ट्र की रक्षा में उनके अमूल्य योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल भारतीय वायुसेना की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने में मदद करेगी और युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी। केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ और भारतीय वायु सेना ने पिछले साल एक सहमति-पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये थे जिसके तहत यह केंद्र स्थापित किया गया है। उद्घाटन समारोह में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी और चंडीगढ़ की सांसद किरण खेर उपस्थित थीं। इस मौके पर रक्षामंत्री सिंह केंद्र में

प्रदर्शन के लिए रखे मिग-21 विमान में बैठे। वह फ्लाइंग सिमुलेटर में भी बैठे। अधिकारियों ने कहा कि यह विरासत केंद्र 17,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि यह विरासत केंद्र भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और भारतीय वायुसेना की अदम्य भावना को प्रदर्शित करेगा। सिंह ने ट्वीट किया, ह्यह्ययह केंद्र उन सभी लोगों के साहस और समर्पण का प्रमाण है, जिन्होंने भारतीय वायुसेना में सेवा दी है और यह राष्ट्र की रक्षा में उनके अमूल्य योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा, ह्यह्ययह पहला ऐसा केंद्र है जो 1965, 1971 के युद्धों और करगिल युद्ध तथा बालाकोट हवाई हमले सहित विभिन्न युद्धों में निभाई गई वायुसेना की भूमिका को भित्तिचित्रों और स्मृति चिह्नों के जरिये बयां करता है। यह केंद्र न केवल चंडीगढ़ के लोगों के लिए बल्कि अन्य राज्यों में रहने वाले लोगों के लिए भी एक बड़ा आकर्षण होगा। सिंह ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि यह अद्भुत पहल भारतीय वायुसेना की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने में मदद करेगी और युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी। मंत्री ने सेंटर फॉर साइबर ऑपरेशन एंड सिक्योरिटी (सीईएनसीओपीएस) के लिए एक पट्टिका का भी अनावरण किया। बाद में एयर चीफ मार्शल चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए हेरिटेज सेंटर के उद्घाटन पर कहा, यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमुझे यकीन है कि एक बार यहां आने के बाद यह बहुत सारे युवाओं को भारतीय वायुसेना में शामिल होने के लिए आकर्षित करेगा। विभिन्न वर्गों में विभाजित, विरासत केंद्र में कई आकर्षण हैं जैसे कि विमान के मॉडल, एयरो इंजन और हथियार। केंद्र में फ्लाइंग सिमुलेटर भी हैं जो आगंतुकों को उड़ान का अनुभव प्रदान करेंगे। विरासत केंद्र के आकर्षणों में पांच पुराने विमान और एसएएम-तीन पिकोरा मिसाइल भी शामिल हैं। केंद्र में एक हिंदुस्तान पिस्टन ट्रेनर-32 प्राथमिक उड़ान प्रशिक्षण विमान प्रदर्शित किया गया है। भारतीय वायुसेना में इसके संचालन की अवधि 1977 से 2009 तक थी। एक मिग 21 एकल सीट लड़ाकू विमान को भी प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा एयर वाइस मार्शल हरजिंदर सिंह द्वारा 1958 में बनाए गए एयरफोर्स कानपुर 1 को प्रदर्शित किया गया है। एक जीएनएटी विमान (सेब्रे स्लेयर) 1971 भी यहां प्रदर्शित है। केंद्र में एक विशेष खंड भी है जो भारतीय वायुसेना में महिला अधिकारियों को राष्ट्र की सेवा में उनके योगदान के लिए समर्पित है। केंद्र में नेत्र विमान, प्रचंड हेलीकॉप्टर, एमआई-26, मिग 29, स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान, सी-130 जे हरक्यूलिस, एमकेआई एरियल रिफ्यूलर, सुखोई एसयू-30 एमकेआई, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर-ध्रुव और एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली वर्कस्टेशन के छोटे मॉडल भी हैं। यह केंद्र भारतीय वायुसेना के गौरवशाली इतिहास को भित्तिचित्रों की मदद से प्रदर्शित करता है, जो 1948 के भारत-पाक युद्ध में बल की भूमिका से शुरू होकर इसके विभिन्न युद्ध अभियानों को दशार्ते हैं। एक दृश्यश्रव्य दीर्घा भारतीय वायुसेना की यात्रा को प्रदर्शित करेगी।

हर महीने बीमारी से सवा सौ लोगों को खून चढ़ाने की पड़ती जरूरत

हल्द्वानी, एजेंसी। थैलेसीमिया रोग से पीड़ित को हर महीने और कुछ को दो बार रक्त चढ़ाने की मजबूरी से गुजरना पड़ता है। बेस अस्पताल में करीब 120 थैलेसीमिया रोग पीड़ित रक्त की जरूरत के लिए पहुंचते हैं। इसी तरह करीब 25 लोग मेडिकल कालेज के सुशीला तिवारी अस्पताल के रक्त बैंक में पहुंचते हैं। डॉक्टरों के अनुसार थैलेसीमिया एक रक्त संबंधी आनुवांशिक बीमारी है जो माता-पिता के माध्यम से बच्चे में पहुंचती है। चिकित्सकों के अनुसार थैलेसीमिया पीड़ित व्यक्ति के रक्त में हीमोग्लोबीन नहीं बनता है। इससे कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसमें संबंधित मरीज का शारीरिक विकास भी प्रभावित होता है। जीवन रक्षा के लिए हर महीने खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। बेस अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. उषा भट्ट कहती हैं कि उनके यहां 120 थैलेसीमिया पीड़ित जुड़े हैं। इसमें कई को महीने में दो बार भी हीमोग्लोबीन कम होने की स्थिति में खून चढ़ाने की नौबत आती है। बेस अस्पताल से प्रत्येक माह 150 यूनिट तक ब्लड थैलेसीमिया पीड़ित को दिया जाता है। सुशीला तिवारी अस्पताल की ब्लड बैंक की डॉ. तनुजा कहती हैं कि उनके यहां हर महीने 25 यूनिट ब्लड थैलेसीमिया रोगियों को दिया जाता है। थैलेसीमिया रोगियों का हीमोग्लोबीन नहीं बनता है, इससे उन्हें कई शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। निशुल्क खून देने का है नियम्र हल्द्वानी। बेस अस्पताल की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. उषा भट्ट कहती हैं कि थैलेसीमिया पीड़ित को रक्त उपलब्ध कराने के लिए कई व्यवस्थाएं हैं। इसमें पीड़ित व्यक्ति को डोनर लाने की जरूरत नहीं होती है। इसके अलावा कोई भी राशि नहीं ली जाती है।

26 हजार की भारतीय मुद्रा नेपाल ले जाने वाला पकड़ा

बनबसा (चंपावत), एजेंसी। बड़ी संख्या में प्रतिबंधित पांच सौ रुपये की भारतीय करेंसी नेपाल ले जाने वाले यूपी निवासी एक युवक को बार्डर पर पकड़ा गया। बनबसा शारदा बैराज पुलिस चौकी कर्मियों ने उसे कस्टम के सुपुर्द कर दिया। कस्टम ने करेंसी जब्त कर युवक पर फेमा एक्ट में केस दर्ज कर छोड़ दिया है। रविवार को शारदा बैराज पुलिस चौकी प्रभारी एसआई हेमंत सिंह कठैत अपनी टीम के साथ भारत-नेपाल सीमा पर सघन चेकिंग पर थे। संदिग्धावस्था में नेपाल जा रहे एक युवक की तलाशी लेने पर उसके पास 26000 रुपये की भारतीय करेंसी मिली। सभी नोट पांच सौ के थे। वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। थानाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह जगवाण ने बताया कि पीलीभीत (यूपी) के अमरिया वार्ड संख्या तीन निवासी दिनेश कुमार (35) को कस्टम के सुपुर्द किया गया। भारत से नेपाल को पच्चीस हजार रुपये की भारतीय मुद्रा ही ले जाई जा सकती है। पांच सौ एवं दो हजार के नोट नेपाल ले जाना प्रतिबंधित है। पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बनबसा पुलिस भारतीय मुद्रा लेकर नेपाल स्थित कैसीनो जाने वालों पर पैनी नजर रख रही है।

सप्ताह भर से रुका खुटानी हाइड्रो प्रोजेक्ट का कार्य शुरू

गणाईगंगोली (पिथौरागढ़), एजेंसी। सिरसोली गांव के कुछ लोगों ने सड़क जाम कर खुटानी हाइड्रो प्रोजेक्ट कार्य रोक दिया गया था। अब प्रशासन की पहल और प्रोजेक्ट के अधिकारियों एवं ग्रामीणों की सहमति के बाद बंद पड़े कार्य को शुरू कर दिया गया है। सिरसोली के कुछ लोग परियोजना का विरोध कर रहे हैं वहीं कुछ लोग परियोजना के पक्ष में हैं। रविवार को उपजिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में सिरसोली गांव के लोगों और खुटानी हाइड्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों की बैठक तहसील में हुई। एसडीएम ने दोनों पक्षों की बात सुनकर ग्रामीणों से कार्य में बाधा नहीं डालने की अपील की। प्रोजेक्ट मेनेजर अशोक सिंह ने कहा कि ग्रामीणों को प्रोजेक्ट से कोई नुकसान नहीं हो रहा है। गांव के अधिकतर लोग प्रोजेक्ट के समर्थन में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग निजी स्वार्थ के चलते ग्रामीणों को गुमराह कर विरोध करा रहे हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रोजेक्ट बनने में किसी का कोई भी नुकसान नहीं होगा। प्रधान प्रतिनिधि हेमंत कुमार ने कहा कि कार्य में कोई व्यवधान नहीं किया जाएगा। तय किया गया कि शीघ्र ही एक बैठक गांव में की जाएगी जिसमें एसडीएम और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान तहसीलदार कुंदन सिंह नयाल, थानाध्यक्ष प्रभात कुमार, कानूनगो रमेश गिरी गोस्वामी, मदन मोहन जोशी, विरेंद्र डसीला, प्रधान कविता देवी, पूर्व प्रधान दीपक कुमार आदि उपस्थित रहे।

चंपावत में 508 अभ्यर्थियों ने दी सहायक लेखाकार की परीक्षा

चंपावत/लोहाघाट, एजेंसी। राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सहायक लेखाकार की परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। नियंत्रण कक्ष प्रभारी सीईओ आरसी पुरोहित ने बताया कि परीक्षा में 801 अभ्यर्थियों में से 508 (63.42 प्रतिशत) ने परीक्षा दी। 293 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। चंपावत की एसडीएम रिंकू बिष्ट ने बताया कि सभी तीनों केंद्रों में नकल रोकने के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। सभी केंद्रों में सुरक्षा का बंदोबस्त था। 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगाई गई थी।

बच्चों के चारों ओर घूम रहा था गुलदार, आठ साल की नाजिया ने दिखाई हिम्मत, ऐसे बचाई तीन भाइयों की जान

देहरादून, एजेंसी।
देहरादून के विकासनगर में ढलती शाम और घर के आंगन में खेलते पांच चचेरे भाई-बहन...सभी की उम्र चार से आठ साल के बीच। अचानक जंगल से एक गुलदार आया और बच्चों के चारों ओर गोल-गोल चक्कर लगाने लगा।

माजरा समझ में आते ही उनमें सबसे बड़ी आठ साल की नाजिया ने हिम्मत से काम लिया और डरकर भागने के बजाय तीन भाइयों को मौत के मुंह से खींच ले गई। हालांकि, चार साल के एक मासूम को गुलदार उसकी नजरों के सामने से उठा ले गया।

सहसपुर की शंकरपुर ग्राम पंचायत की महमूदपुर बस्ती में शनिवार देर शाम गुलदार के हमले की चश्मदीद नाजिया के चेहरे पर अब भी खौफ बरकरार है। बात करते-करते बीच-बीच में वह रोने लगती है। घर वाले चुप कराते

हैं तो बताती है कि किस तरह घर में गुलदार आया और उसके साथ खेल रहे मामा के चार साल के बेटे अहसान को उठाकर ले गया।

उस समय मृतक अहसान की मां अर्जिना, पिता जोशिन और आसपास रहने वाले रिश्तेदार घर की तारबाड़ से सटे खेत में थे। चचेरे भाई-बहन अहसान, वसीम, नदीम, नाजिया और नसीम घर के आंगन में खेल रहे थे। इसी दौरान नाजिया की नजर गुलदार पर पड़ी, जो अचानक सामने आकर खड़ा हो गया था। वह चारों ओर गोल-गोल घूमने लगा जिससे बच्चे सहम गए। लेकिन, नाजिया ने हिम्मत दिखाते हुए अपने पास खेल रहे वसीम, नदीम और नसीम को दोनों हाथों से पकड़कर घर के भीतर की तरफ खींचना शुरू किया। उनको अंदर करने के बाद पीछे मुड़कर देखा तो गुलदार ने अहसान के पेट को अपने मुंह में जकड़ा हुआ था। नाजिया बताती है कि तुरंत गुलदार ने अहसान को जमीन पर पटका और उसकी गर्दन पकड़कर बाग की तरफ भाग खड़ा हुआ। सामने मौजूद घर के सदस्य गुलदार के पीछे दौड़े लेकिन कुछ पता नहीं चला। मृतक अहसान की मां अर्जिना ने बताया कि तीन महीने पहले सुबह लगभग साढ़े छह बजे वह आंगन में चूल्हे पर चाय बना रही थीं। इस दौरान उसके पति और भाई भी मौजूद थे। अचानक गुलदार आया और उनके ऊपर झपट पड़ा। उन्होंने चूल्हे से आग निकालकर उसके ऊपर फेंका और जलती लकड़ी दिखाकर जंगल की तरफ भगा दिया था। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद न तो क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया और न ही उसकी तलाश की गई। मौके पर मौजूद शंकरपुर ग्राम पंचायत के निवासी सलीम, फुरकान, आदिल, अयान ने बताया कि क्षेत्र में गुलदार लगभग आठ-नौ महीनों से लगातार दिखाई दे रहा है। इसकी सूचना वन विभाग को ग्रामीण देते रहे हैं। लेकिन, वन विभाग इस मामले में लापरवाह बना रहा। घटना के बाद वन विभाग ने गुलदार की मौजूदगी से सावधान रहने की चेतावनी देने के लिए क्षेत्र में एनाउंसमेंट शुरू कर दिया है। इसके अलावा गुलदार की मौजूदगी के संभावित स्थानों पर तीन पिंजरे भी लगाए जा रहे हैं। डीएफओ अमरेश कुमार ने बताया कि गुलदार को ट्रैंकुलाइज करने की कोशिश भी की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उसे आदमखोर भी घोषित किया जाएगा।

पुलिस ने मेट्रोपोल क्षेत्र में 45 लोगों को नोटिस थमाए

नैनीताल, एजेंसी। जिला प्रशासन की ओर से मल्लीताल के मेट्रोपोल कंपाउंड क्षेत्र में 128 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने रविवार को 45 लोगों को नोटिस थमाए। चेतावनी दी है कि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया तो जिला प्रशासन बलपूर्वक अतिक्रमण हटाएगा। जिलाधिकारी धीराज गर्ब्याल के निर्देश पर नगर पालिका और राजस्व की संयुक्त टीम ने बीते दिनों मल्लीताल मेट्रोपोल कंपाउंड में सर्वे और सीमांकन किया था। सर्वे रिपोर्ट में मेट्रोपोल क्षेत्र में अतिक्रमण पाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद एसडीएम राहुल साह ने मेट्रोपोल क्षेत्र में 128 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर दिए। प्रशासन के निर्देश के बाद पुलिस ने रविवार को रेट्रोपोल क्षेत्र में जाकर लोगों को नोटिस बांटे। कोतवाल धर्मवीर सोलंकी ने बताया कि रविवार को लगभग 45 लोगों को नोटिस दे दिए गए हैं।

कुमाऊनी गीत का वीडियो एलबम रिलीज हुआ

हल्द्वानी, एजेंसी। कुमाऊनी गीत यस छ उत्तराखंड हमारो, चांदनी इंटरप्राइजेज के गीत को रविवार को हुए एक कार्यक्रम में लांच किया गया। गीत लिखा और गाया डॉ. गुंजन जोशी ने है। नवीन टोलिया के निर्देशन में बने गीत का कुमाऊनी रूपांतरण उत्तराखंड राज्य गीत के लेखक हेमंत बिष्ट ने किया है। संगीत युवा संगीतकार नितेश बिष्ट का है। वीडियो एलबम में अभिनय रुचिता रावत ने किया है। गीत का वीडियो निर्देशन गोविंद नेगी ने किया है। गीत में उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, जीवनशैली, देवभूमि की गरिमा का वर्णन किया गया है। डॉ. गुंजन जोशी ने कहा कि गीत उत्तराखंड राज्य की लोकप्रियता का सार है। इस मौके पर उत्तराखंड की लोकप्रिय गायिका वीना तिवारी ने सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जगदीश जोशी, व्यापक जोशी, प्रहलाद मेहरा, संदीप सोनू, गोविंद दिगारी, जगमोहन परगाई, धीरज उप्रेती, पवन कार्की, नीरज, सुनंदा जोशी, शांति जीना, प्रतिभा जोशी, विमला जोशी, बीना जोशी, अमृता बिष्ट, हेमा हरबोला मौजूद रहे।

स्वास्थ्य जांच के लिए पहली बार किलपारा गांव में पहुंचीं विशेषज्ञ डॉक्टर

बागेश्वर, एजेंसी। हंस फाउंडेशन की ओर से खाती में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की बदौलत पिंडर घाटी के लोगों को पहली बार विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. गीता रेवाड़िया की सेवाएं मिलने लगीं हैं। पहले इन दूरस्थ गांवों की स्वास्थ्य सुविधाएं सीएचओ, फार्मासिस्ट, एएनएम के भरोसे ही चलतीं थीं। कपकोट क्षेत्र के किलपारा गांव में पहली बार विशेषज्ञ डॉक्टर पहुंचीं तो ग्रामीण जांच कराने के लिए उमड़ पड़े।

खाती गांव के अस्पताल में एक अप्रैल को वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गीता रेवाड़िया की तैनाती हुई है। राजस्थान के अलवर जिले की निवासी डॉ. गीता ने अप्रैल में ही दूरस्थ गांव बदियाकोट में पहला स्वास्थ्य शिविर लगाया। इसके बाद उन्होंने शनिवार को किलपारा गांव में शिविर लगाया। इसमें जुकाम, बुखार, खांसी, बदन दर्द से पीड़ित 46 मरीजों की जांच और उपचार किया गया। डॉ. गीता ने महिलाओं में होने वाली बीमारियों से बचाव, गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानी, मासिक धर्म की परेशानी और महिला रोगों के बारे में बताया।

बागेश्वर। किलपारा की ग्राम प्रधान हिम्मती देवी दावा करतीं हैं कि उनके गांव में इससे पहले कभी विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं आए। कई महिलाओं को पहली बार स्त्री रोग विशेषज्ञ से जांच कराने का मौका मिला है। डॉ. गीता ने महिलाओं को जागरूक करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

बागेश्वर। डॉ. गीता ने बताया कि क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य के प्रति कम जागरूक हैं। खासतौर पर महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख रहीं हैं। इसलिए उनकी प्राथमिकता है कि गांवों में शिविर लगाकर महिलाओं को जागरूक करें ताकि सभी लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देकर सेहतमंद और खुशहाल जीवन जी सकें।

हाई वोल्टेज से कई घरों के बिजली उपकरण फुंके

नैनीताल, एजेंसी। खुर्पाताल में 25 केवीए ट्रांसफार्मर के न्यूट्रल का तार जल जाने से बिजली लाइन में हाई वोल्टेज आ गया। जिस वजह से क्षेत्र के करीब एक सौ घरों में लोगों के बिजली उपकरण फुंक गए। हाई वोल्टेज से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। बिजली उपकरण फुंकने और हाई वोल्टेज आने से लोग सहमे हुए हैं। क्षेत्रवासियों ने ऊर्जा निगम से शीघ्र बिजली लाइन में आए फाल्ट को ठीक कराने की मांग की है। ऊर्जा निगम ने ट्रांसफार्मर को ठीक कर बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि बीती शाम यहां बिजली लाइन में फाल्ट आने से अधिकतर लोगों के एलसीडी, फ्रिज, बिजली के बल्ब, ट्यूब, मीटर और अन्य उपकरण फुंक गए हैं। विभाग में शिकायत करने के बाद रविवार को बिजली आपूर्ति सुचारु हो गई है, मगर इस घटना से ग्रामीण सहमे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक खुर्पाताल, पातीखेत, छपराखेत, होली गांव में बीती सायं छह बजे बिजली लाइन में एकाएक हाई वोल्टेज आने से 100 से अधिक घरों में जल रहे बिजली के बल्ब, ट्यूब लाइट खराब हो गई। एलसीडी, टीवी, फ्रिज आदि उपकरण और कई घरों के मीटर फुंक गए हैं। क्षेत्र के समाजसेवी दीवान का कहना है कि लगभग दो वर्ष पूर्व भी गांव में ऐसा हुआ था। बिजली विभाग के अधिकारियों ने मौके पर ग्रामीणों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया था, लेकिन उन्हें छला गया।

उत्तरकाशी, कालाढूंगी और टिहरी में पैक हाउस को मिली मंजूरी

रुद्रपुर, एजेंसी।
वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पंतनगर के एनेक्सी अतिथि गृह में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सभी जिलों में एपीडा की टीम बेहतर कार्य कर रही है। उत्तरकाशी, टिहरी एवं कालाढूंगी में उद्यान की फसलों से संबंधित पैक हाउस की मंजूरी मिल चुकी है। इसका कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इसमें किसान फल, सब्जी की आसानी से धुलाई, ग्रेडिंग और पैकेजिंग कर सकेंगे। कहा कि अधिकारियों ने एनएबीएल (राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन) प्रयोगशाला का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया है और इसकी संस्तुति मिलते ही कार्य शुरू हो जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय के तहत एपीडा एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट के बढ़ावे के लिए बेहतर कार्य कर रही है। उत्तराखंड में भी विभिन्न प्रकार के कृषि एवं उद्यान के उत्पाद

है, जिनको चिह्नित कर उनके निर्यात को बढ़ावा देना चाहते है। एफपीओ के माध्यम से छोटे-छोटे किसानों का समूह बनवाकर उनके उत्पाद की क्षमता को बढ़ाया गया है। एफपीओ और किसानों की आय दोगुनी करने में एपीडा अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि एपीडा के माध्यम से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे एवं गुणवत्ता उन्नयन विकास की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी ली। वहां पर एसडीएम प्रत्युष सिंह, उप महाप्रबंधक एपीडा भारत सरकार डॉ. सीबी सिंह, निदेशक रिसर्च पंतनगर डॉ. एएस नयन, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, प्राध्यापक डॉ. जेपी पूर्वार, सहप्रध्यापक डॉ. रेनू पांडे सहित अनेक मौजूद रहे।

खराब मौसम के कारण रद्द हो रही हेली सेवा, दूसरे दिन भी नहीं मिल रहा टिकट, यात्री परेशान

देहरादून, एजेंसी।
केदारनाथ धाम में लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिस कारण हेलीकॉप्टरों की उड़ान भी बाधित हो रही है।

खराब मौसम के कारण केदारनाथ हेली सेवा रद्द होने पर तीर्थयात्रियों के टिकट भी रद्द कर दिए जा रहे हैं। उन्हें उसी टिकट पर दूसरे दिन हेली यात्रा का मौका नहीं दिया जा रहा है, इसकी जगह टिकट का पैसा रिफंड कर दिया जा रहा है, जिससे उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

केदारनाथ यात्रा के लिए राजस्थान से आए राजेंद्र पपटान ने 6 मई के लिए हेली टिकट बुक किया था। उन्हें हेलीकॉप्टर से जाने के लिए शाम को 3 से 6 बजे का स्लॉट दिया गया। वह यात्रा के लिए तीन दिन पहले ही गुप्तकाशी पहुंच गए थे।

मौसम खराब होने से उड़ान रद्द हो गई, जिससे टिकट भी रद्द हो गया। राजेंद्र का कहना है कि वह केदारनाथ की पैदल यात्रा नहीं कर सकते हैं, जिससे उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। वहीं, दिल्ली की प्रियंका सिंह के साथ भी ऐसा ही हुआ। उन्हें भी 6 मई का ही टिकट मिला था, लेकिन उड़ान रद्द होने पर टिकट भी रद्द हो गया।

12 मई तक सभी हेली टिकट बुकत्न केदारनाथ धाम में लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिस कारण हेलीकॉप्टरों की उड़ान भी बाधित हो रही है। फिलहाल 12 मई तक हेली सेवा के सभी टिकट बुक है। ऐसे में जिन यात्रियों का टिकट रद्द किया जा रहा है, उन्हें दोबारा टिकट मिलना आसान नहीं है। अब तक थी बैकलॉग व्यवस्था पिछले साल तक हेलीकॉप्टर की उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को अगले दिन ले जाया जा रहा था। लेकिन इस बार यूकाडा ने बैकलॉग की व्यवस्था खत्म कर दी। उड़ान रद्द होने पर टिकट रद्द किया जा रहा है। जिससे कई तीर्थयात्री खासे परेशान हो रहे हैं। अब तक हेलीकॉप्टर से 8619 यात्री पहुंचे केदारनाथ केदारनाथ धाम के लिए 25 अप्रैल से हेली सेवा शुरू हुई थी। गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा से सात कंपनियों की ओर से हेली सेवा का संचालन किया जा रहा है। अब तक सात कंपनियों की कुल 1557 शटल हुई हैं। जिसमें 8619 यात्री हेलीकॉप्टर से केदारनाथ गए। जबकि 7552 यात्री केदारनाथ से वापस लौटे।

विश्व शांति स्थापित करने का मूलमंत्र है योग

हल्द्वानी, एजेंसी। गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रविवार को योगोत्सव का आयोजन किया गया। भारी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग कर योग किया और इससे होने वाले फायदों के बारे में जाना। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और एमबीपीजी कॉलेज के आयोजन में योगोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर डॉ. जोगेंद्र रौतेला और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने किया। योग विभाग के शिक्षक डॉ. राजेंद्र मलिक, ममता पंत और डॉ. आरती चौधरी ने योग की क्रियाओं का अभ्यास कराया। डॉ. नवीन भट्ट और डॉ. भानू प्रकाश जोशी ने अपने विचार रखे। मेयर डॉ. जोगेंद्र रौतेला ने कहा कि योग के जरिए हम अपने भीतर की नकारात्मकता को दूर कर स्वस्थ होते हैं। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. सीडी सूंठा ने कहा कि योग मनुष्य के भीतर की चेतना को जाग्रत करता है और उच्च शिक्षा के अंतर्गत 119 महाविद्यालयों में योग को पाठ्यक्रम के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। चयन करने के लिए राष्ट्रीय योग संस्थान का आभार जताया।

सुद्धोवाला में पकड़ी नशे की दवाओं की खेप, 68 हजार प्रतिबंधित कैप्सूल-गोलियों के साथ दो भाई गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी।
क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले दिनों सूचना मिली थी कि सुद्धोवाला में एक मेडिकल स्टोर पर नशे की दवाएं बेची जा रही हैं।

देहरादून के सुद्धोवाला में पुलिस ने दो मेडिकल स्टोर से नशे की दवाओं की बड़ी खेप पकड़ी है। इन दवाओं को बेचने के आरोप में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से नशे के करीब 68 हजार कैप्सूल और गोलियां बरामद हुई हैं। आरोपी इन दवाओं को बिना डॉक्टरों के पर्चे के छात्रों और स्थानीय मजदूरों को बेचते थे। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। यहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले दिनों सूचना मिली थी कि सुद्धोवाला

में एक मेडिकल स्टोर पर नशे की दवाएं बेची जा रही हैं। मेडिकल स्टोर संचालक सामान्य दवाओं की आड़ में युवाओं को ये दवाएं बेच रहा है। एसओ पीडी भट्ट के नेतृत्व में सुद्धोवाला चौक के पास वंश मेडिकल स्टोर पर शनिवार देर रात छापा मारा गया। संचालक कृष्ण कुमार निवासी बल्लूपुर फ्रेंड्स कॉलोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसके पास मेडिकल स्टोर संचालन के लिए वैध लाइसेंस नहीं था। स्टोर से हजारों प्रतिबंधित गोलियां और कैप्सूल बरामद हुए।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसका भाई विनय कुमार भी इसी तरह आयुष मेडिकल स्टोर चलाता है। वह भी प्रतिबंधित दवाएं बेचता है। दोनों जगहों से पुलिस ने 56,4,48 कैप्सूल और 11,400 गोलियां जब्त कीं। आरोपियों ने बताया कि दवाएं रेसकोर्स निवासी इंद्रजीत से लेकर आते थे। वह धर्मपुर में दवाओं का डिस्ट्रीब्यूटर है। एसएसपी ने बताया कि इंद्रजीत को भी आरोपी बनाया गया है। उसके खिलाफ सुबूत इकट्ठा कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली में आज से एंटी डस्ट अभियान शुरू :गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में आज से एंटी डस्ट कैंपेन शुरू हो गया है` यह कैंपेन अगले एक महीने यानी 8 जून तक चलाया जाएगा` इस कैंपेन के तहत पूरी दिल्ली में निगरानी के लिए 13 विभागों की 629 कर्मियों की 235 पेट्रोलिंग टीम और 433 कर्मियों की 165 पेट्रोलिंग टीम रात में तैनात की गई है` साथ ही सीएंडडी पोर्टल पर 500 वर्ग मीटर से अधिक के सभी निर्माण साइट्स का सेल्फ रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है` सभी विभागों को सीएंडडी साइट्स की लगातार निरीक्षण करने और कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण संबंधी 14 नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए है` डस्ट प्रदूषण को रोकने के लिए 84 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों , 609 वॉटर स्प्रिंकलर और 185 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन की तैनाती गई है और 70 नई एकीकृत मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों और 250 एकीकृत वाटर स्प्रिंकलर मशीनों की जल्द खरीद के लिए आज सभी विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई`

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एंटी डस्ट कैंपेन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की वजह से दिल्ली में वायु प्रदूषण में लगातार सुधार हो रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमो के कारण 2016 से 2022-23 तक दिल्ली के वायु प्रदूषण में 30 फीसद की भी कमी देखी गई है। जब से दिल्ली सरकार द्वारा रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी को शुरू किया गया है, तब से यह अनुभव किया गया है कि सर्दियों में प्रदूषण के कारण अलग हैं और गर्मियों में प्रदूषण के कारण अलग हैं। सर्दियों में प्रदूषण अधिकतर मौसम में बदलाव के कारण होता है। इसमें पराली जलाने, पटाखों, गाड़ियों से होने वाले धुंए और खुले में आग जलाना शामिल है। वहीं, गर्मियों में मुख्य रूप से धूल, कूड़े के पहाड़ों व झाड़ियों में आग लगने की वजह से प्रदूषण होता है। इसी कारण गर्मियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 1 मई को सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा 14 फोकस प्वाइंट पर आधारित समर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थीं` दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए समर एक्शन प्लान के तहत हमारी सरकार 8 मई यानी आज से अगले एक महीने के लिए दिल्ली में एंटी डस्ट कैंपेन शुरू कर रही है`

टीमों का गठन :

एंटी डस्ट कैंपेन के तहत पूरी दिल्ली में निगरानी को लेकर 13 विभागों की 629 कर्मियों की 235 पेट्रोलिंग टीम और 433 कर्मियों की 165 पेट्रोलिंग टीम रात में तैनाती की गई है` यह टीमें 24 घंटे दिल्ली में डस्ट प्रदूषण की घटनाओ की निगरानी और उसे रोकने का काम करेंगी` जिसकी रिपोर्ट समय-समय पर पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के साथ साझा की जाएगी`

एंटी स्मोग गन्स/ एमआरएस/ वॉटर स्प्रिंकलर की तैनाती :

उन्होंने बताया कि डस्ट प्रदूषण को रोकने के लिए 84 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों , 609 वॉटर स्प्रिंकलर और 185 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन की पूरी दिल्ली में तैनाती की गई है` धूल प्रदूषण को लेकर पहले केवल 20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर के निर्माण साईट पर ही एंटी स्मोग गन लगाने का नियम था। अब नए नियम के आधार पर 5 हजार वर्गमीटर से लेकर उससे अधिक के एरिया के निर्माण साइट पर एंटी स्मोग गन लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।

- 5 हजार से 10 हजार वर्ग मीटर के निर्माण साईट पर 1 एंटी स्मोग गन
- 10 हजार से 15 हजार वर्ग मीटर के निर्माण साईट पर 2 एंटी स्मोग गन
- 15 हजार से 20 हजार वर्ग मीटर निर्माण साइट पर 3 एंटी स्मोग गन और
- 20 हजार वर्ग मीटर से ऊपर के निर्माण साईट पर कम से कम 4 एंटी स्मोग गन होनी चाहिए।

सभी 13 हॉटस्पॉट्स पर चलाया जाएगा विशेष अभियान :

श्री गोपाल राय ने बताया कि विशेष अभियान के जरिये सभी 13 हॉटस्पॉट में रोजाना वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले स्त्रोतों का रियल टाइम अपोर्शनमेंट स्टडी के आधार पर पता लगाया जाएगा और वहाँ के नोडल अधिकारियो को उनके एरिया में होने वाले प्रमुख प्रदूषण के कारको की जानकारी साझा की जाएगी ताकि उसपर त्वरित कार्रवाई कर सके`

इंटीग्रेटेड एएसजी-एमआरएसएस-डब्ल्यूएस मशीनों की जल्द खरीद के लिए की गई समीक्षा बैठक :

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इसके तहत सड़क से जो प्रदूषण होता है, उसके लिए 70 एकीकृत मैकेनिकल रोड स्वीपिंग (एमआरएस) मशीनों और 250 एकीकृत वाटर स्प्रिंकलर मशीनों की जल्द खरीद की जाएगी ताकि सड़कों से होने वाले प्रदूषण को रोका जा सके। इसके लिए आज दिल्ली सचिवालय में सभी सम्बंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई` बैठक के दौरान पर्यावरण विभाग , डीपीसीसी , दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्लूडी आदि के अधिकारी मौजूद रहे पर्यावरण मंत्री ने बताया की इस एंटी डस्ट कैंपेन से गर्मियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से दिल्ली के लोगो को काफी हद तक राहत मिलेगी` और यह दिल्ली के पर्यावरण सुधार और प्रदूषण नियंत्रण में एक एहम भूमिका निभाने का कार्य करेगा ।

सी एन्ड डी साइट्स का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट्स से पैदा होने वाला धूल प्रदूषण लोगो के स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक साबित होता है` इसी दिशा में कार्य करने के लिए कंस्ट्रक्शन एन्ड डेमोलिशन पोर्टल को लांच किया गया था` इस पोर्टल पर 500 स्क्वायर मीटर से अधिक सभी साइट्स का सेल्फ रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है` अभीतक 750 साइट्स का इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जा चूका है` इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सक्रिय सी एंड डी साइटें पोर्टल पर पंजीकृत हो जाएं और डीपीसीसी द्वारा पोर्टल पर रजिस्टर्ड सभी पंजीकृत साइट्स की सेल्फ अस्सेस्मेंट रिपोर्ट की समीक्षा का कार्य किया जाएगा` साथ ही सभी कंस्ट्रक्शन साइटों पर निर्माण संबंधी 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसके लिए विभागों को निर्माण साइट्स की लगातार निगरानी करने के निर्देश जारी किए गए है` कंस्ट्रक्शन साइटों पर नियम उल्लंघन होने पर एनजीटी की निर्देश के मुताबिक विभाग द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी`

दिल्ली उच्च न्यायालय का स्कूलों में कानूनी पढ़ाई से संबंधित याचिका पर विचार करने से इनकार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सभी स्कूलों में कानूनी पढ़ाई को विषय के तौर पर शुरू किए जाने संबंधी आग्रह करने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि स्कूली बच्चों को कानूनी पढ़ाई कराने का निर्णय लेना सरकारी अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आता है क्योंकि यह नीतिगत मामला है और याचिका मंच का सरासर दुरुपयोग है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि कानूनी शिक्षा एक मूल विषय और संविधान की आत्मा है, तथा सीबीएसई की इस घोषणा के बाद कि उसने कानूनी अध्ययन को एक विषय के रूप में शामिल किया है, इस संबंध में गंभीर कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ बातचीत के दौरान याचिकाकर्ता को पता चला कि वे कानून सीखना चाहते हैं, लेकिन वर्तमान में इसे पढ़ाने के लिए कोई संकाय नहीं है। पीठ ने हालांकि वकील से उस अधिकार के बारे में बताने के लिए कहा जिसने याचिकाकर्ता को स्कूल में इस तरह के विषय को पढ़ाने की मांग करने का अधिकार दिया। अदालत ने कहा, यह मांग करने का अधिकार कहां है कि इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए? यह सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। इसने कहा, केंद्र पहले से ही अच्छा काम कर रहा है। नई शिक्षा नीति अस्तित्व में है। याचिका खारिज की जाती है। दिल्ली सरकार के वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सरकार छात्रों को उपयुक्त शिक्षा प्रदान कर रही है और एक नया विषय शुरू करने का मुद्दा अकादमिक विशेषज्ञों के दायरे में आता है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि कानूनी शिक्षा के संबंध में स्कूलों में अपने संविधान को जानिए अभियान पहले ही शुरू किया जा चुका है।

सिसौदिया तो झांकी है, केजरीवाल अभी बाकी है: भाजपा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी(आप) के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार का पर्याय और शराब घोटाले का किंगपिन करार दिया है और कहा है कि श्री केजरीवाल भी जल्द ही कानून के शिकंजे में आएंगे।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री केजरीवाल बहुत घबराए हुए हैं। इतने घबराए हुए हैं कि झूठी प्रेस कॉन्फ्रेंस करवा रहे हैं। वह भ्रष्टाचारी तो हैं ही। इसके साथ ही जनता को भ्रमित करने के लिए झूठी प्रेस कॉन्फ्रेंस करवा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल शराब के घोटाले में इस कदर डूब रहे हैं कि वह इधर-उधर की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मनीष सिसौदिया तो झांकी है। अरविंद केजरीवाल अभी बाकी है।

उन्होंने कहा कि गत छह मई को एक सह-आरोपी की जमानत मंजूर होती है और आप के सारे प्रवक्ता बाहर आकर कह देते हैं कि कोई सबूत नहीं है।

श्री भाटिया ने कहा कि किसी भी अभियुक्त की जमानत का आदेश उन्हीं के लिए होता है, ये कोई अंतिम फैसला नहीं होता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राजेश जोशी किसी मीटिंग में नहीं गए, इसलिए और उन्होंने मनीष सिसोदिया को कोई पे-बैक नहीं दिया... इसलिए यह जमानत मंजूर की गई। इस पर आप के सांसद संजय सिंह ने कहा कि- श्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है और इसीलिए राजेश जोशी की जमानत मंजूर की गयी है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आप न्यायालय का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय को संज्ञान लेना चाहिए कि एक लंबित मामले में मनीष सिसोदिया, जो खुद मुख्य आरोपी हैं, उनकी पार्टी कहती है कि इस मामले में कुछ है नहीं जबकि उनकी जमानत अभी लंबित है। उच्चतम न्यायालय, केन्द्रीय जांच ब्यूरो, न्यायालय और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अदालत, सबने मनीष सिसौदिया की जमानत अर्जी खारिज की है।

श्री भाटिया ने कहा कि श्री केजरीवाल की पूरी राजनीति भ्रष्टाचार, झूठ बोलना और गुमराह करने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का पर्याय और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा कोई है तो श्री केजरीवाल है। कट्टर बेईमान कोई है तो श्री केजरीवाल है और जिनकी नाक के नीचे शराब घोटाला हुआ है, वह श्री केजरीवाल हैं। उन्होंने कहा कि लोग आज कह रहे हैं कि श्री केजरीवाल शराब में इतना डूब गए हैं कि पूरे देश को शर्मसार कर रहे हैं।

शादी का झांसा देकर अमेरिकी महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक अमेरिकी महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में आगरा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान गगनदीप (32) के तौर पर की गई है जो आगरा में होमस्टे की सुविधा मुहैया कराता है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता (62) ने अपनी शिकायत में कहा कि 2017 में वह भारत आई थी और गगनदीप के होमस्टे में ठहरी थी, बाद में दोनों के बीच मित्रता हो गई और संबंध भी बने।

पुलिस ने बताया कि शिकायत में महिला ने आरोप लगाए हैं कि पिछले कुछ वर्षों में वह गगनदीप से मिलने भारत आती रही और शादी का झांसा देकर कई मौकों पर गगनदीप ने कथित तौर पर उसके साथ संबंध बनाए। पुलिस ने कहा कि महिला का आरोप है कि एक बार आरोपी उसे शाहदरा के सूरजमल विहार गया और वहां भी उसके साथ संबंध बनाए। इसके अलावा आरोपी उसे अमृतसर तथा अन्य स्थानों पर भी ले गया। पुलिस ने कहा कि शिकायत में महिला ने कहा कि व्यक्ति का परिवार दोनों के संबंधों के बारे में जानता था। बाद में महिला को पता चला कि वह उसे धोखा दे रहा है। विवेक विहार पुलिस थाने के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार मई को आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने कहा, मामला दर्ज किया गया और जांच के आधार पर गगनदीप को छह मई को आगरा से गिरफ्तार किया गया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में सीएम भूपेश बघेल और राहुल गांधी की भूमिका की हो जांच- सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले के पदार्फाश पर भाजपा की नरमी को लेकर सवाल खड़ा किया है। सोमवार को आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर इस मामले में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका की भी जांच करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आबकारी विभाग की मिली भगत से तीन पैटर्न पर शराब घोटाले को अंजाम जा रहा था। ऐसे कैसे हो सकता है कि इतने बड़े सिंडिकेट को चलाने के लिए सीएम का आशीर्वाद नहीं रहा होगा। सुनने में आ रहा है कि घोटाले का पैसा उपर तक जाता था। भाजपा को बताना चाहिए वो कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में हुए दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले पर इतनी नरम क्यों है?

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में ईडी द्वारा दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले पर कहा कि रायपुर में कांग्रेस के मेयर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर को सात बार ईडी ने समन किया। इसके बाद भी वे ईडी के सामने पेश नहीं हुए। इनके यहां कई बार छापेमारी हुई और वो होटल से भाग कर गायब हो गए। अंत में ईडी ने इन्हें पकड़ लिया है और कोर्ट ने चार दिन के लिए ईडी की कस्टडी में भेज दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ में शराब का कारोबार प्राइवेट नहीं, बल्कि सरकारी रूप से चलता है। यहां 800 सरकारी दुकानें और छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) है जो शराब को केंद्रीय रूप से प्राप्त करता है। इस सरकारी कॉर्पोरेशन के ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं। जिसमें कहा गया है कि वहां जो शराब का सिंडिकेट और भ्रष्टाचार चल रहा है, उसे मैं जनता के सामने लाना चाहता हूं। इस घोटाले को अंजाम देने के लिए आबकारी विभाग में ऐसे अफसरों को लगाया गया, जिन्हें डराकर काम करवाना आसान हो। इस बात को स्पष्ट रूप से अधिकारियों के नामों के साथ मीडिया रिपोर्ट्स में भी लिखा गया है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी का सवाल है कि क्या कोई मेयर का भाई किसी आबकारी आयुक्त (कमिश्नर) को बदलवा सकता है? क्योंकि एक पूर्ण राज्य में आबकारी कमिश्नर को बदलने की शक्ति तो सिर्फ मुख्यमंत्री के पास होती है। एक पूर्ण राज्य में कौन आबकारी कमिश्नर और पीडब्ल्यूडी सचिव बनेगा, बड़े पदों पर किसकी नियुक्ति होगी, यह मुख्यमंत्री ही तय करते हैं। छत्तीसगढ़ के मामले में एक ऐसे अफसर को आबकारी कमिश्नर बनाया गया जो आसानी से बात सुन सकें और फिर उनकी देख-रेख के अंदर एक ऐसा सिंडिकेट चलाया गया जिसके अंदर प्राइवेट शराब की भट्टी (डिस्टिलरी), एफएल-10 लाइसेंट होल्डर, राज्य स्तर व जिले स्तर के आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बोतल व होलोग्राम बनाने वाले लोग शामिल थे। इन लोगों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया गया, जो इस घोटाले में शामिल था।

इस सिंडिकेट के जरिए गड़बड़ी करने के पैटर्न को बताते हुए आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शराब का जितना भी कारोबार होता है, वो इस चीज पर आधारित होता है कि जितनी ज्यादा शराब बिकेगी उसके ऊपर सरकार को उतना ही ज्यादा उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) मिलेगी। अगर 100 रुपए की शराब बिकेगी तो सरकार को उस पर 60-70 रुपए का उत्पाद शुल्क मिलेगा। आमतौर पर

हर्ष विहार में डॉ. लाल अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के हर्ष विहार में एक नई स्वास्थ्य सुविधा डॉ. लाल अस्पताल का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सुंदर कांड पाठ से हुई। जिसमें अस्पताल के निदेशक डॉ. ब्रह्मानंद लाल व उनकी पत्नी डॉ. राखी शर्मा उनके पुत्र मानस सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। भव्य उद्घाटन के मौके पर डॉ. लाल के अलावा न्यूजपेपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. विपिन गौर और इसी संस्था के उपाध्यक्ष ओ.पी. शर्मा, आर के शर्मा, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. भास्कर, डॉ. लोकेश, डॉ. दिनेश, डॉ. विवेक, डॉ. बी के शर्मा, निगम पार्षद पंडित संजीव शर्मा भी अतिथि के रूप में मौजूद थे. उनकी उपस्थिति सभी को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अस्पताल के मिशन के महत्व का प्रमाण थी। डॉ. लाल ने सभी को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अस्पताल के मिशन के बारे में बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि अस्पताल बड़ी या छोटी सभी प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों की मदद करने के लिए समर्पित है।

शराब घोटाला भाजपा का राजनैतिक षड़यंत्र : केजरीवाल

आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को तथाकथित शराब घोटाले को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए देश के सामने सारा सच व तथ्य रखा। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला भाजपा का मात्र एक राजनैतिक षड़यंत्र है। यह केवल केजरीवाल और आप को बदनाम करने की साजिश है। तथाकथित शराब घोटाले की स्क्रिप्ट प्रधानमंत्री कार्यालय में लिखी गई और फिर इस कहानी को ईडी-सीबीआई को देकर उसे सबूत बनाने के लिए कहा गया। भाजपा कह रही है कि अगला नंबर केजरीवाल का है। इससे साफ हो जाता है कि ईडी-सीबीआई को भाजपा ही चला रही है। वरना भाजपा यह कैसे कह सकती है कि अगला नंबर केजरीवाल का है। उन्होंने कहा कि पूरा देश देख रहा है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदारी पर बहुत बड़े-बड़े प्रश्न खड़े हो रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री को केजरीवाल की ईमानदारी बर्दाश्त नहीं हो रही है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान तथाकथित शराब घोटाले को पूरी तरह से फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि हम शुरू से ही कह रहे थे कि दिल्ली में किसी भी तरह का कोई शराब घोटाला नहीं हुआ है। आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है। पूरे देश को आम आदमी पार्टी और उसके नेतृत्व की कट्टर ईमानदारी पर पूरा भरोसा है। देश के लोगों के इस भरोसे तो तोड़ने और आम आदमी पार्टी की ईमानदार छवि को खराब करने के लिए यह पूरा षड़यंत्र रखा गया और इन्होंने इसका नाम दिल्ली शराब घोटाला दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने तथाकथित दिल्ली शराब घोटाले में आरोप लगाया कि साउथ लॉबी ने आम आदमी पार्टी के लोगों को 100 करोड़ रुपए की रिश्वत दी। सीबीआई-ईडी ने भी कोर्ट में यह माना है कि 100 में से 70 करोड़ रुपए का उनके पास कोई सबूत नहीं है। सीबीआई-ईडी ने आरोप लगाया है कि कोई राजेश जोशी नामक व्यक्ति साउथ लॉबी से 30 करोड़ रुपए लाया और उसने ये 30 करोड़ रुपए दिल्ली में आप के नेतृत्व को दिए। इनके पास सिर्फ इतना ही सबूत है कि किसी ने गवाही दी है कि राजेश जोशी ने 30 करोड़ रुपए आप को दिए। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 6 मई को आए राउस एवेन्यू कोर्ट के आदेश में लिखा है कि राजेश जोशी के खिलाफ एक भी सबूत नहीं है कि वो साउथ लॉबी से एक भी पैसा लेकर दिल्ली आया। 30 करोड़ रुपए तो बड़ी दूर की बात है। जब राजेश जोशी एक भी पैसा लेकर नहीं आया, साउथ लॉबी ने कोई पैसा दिया नहीं है और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व को पैसा मिला ही नहीं है तो सारा केस खत्म हो गया। न रिश्वत ली गई और न तो दी गई, तो केस ही क्या बचता है? राजेश जोशी को जमानत इसी आधार पर मिली है कि राजेश जोशी साउथ लॉबी से कोई पैसा लेकर आया, इसका कोई भी सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरा आरोप लगाया कि रिश्वत में ली गई 100 करोड़ रुपए गोवा चुनाव में खर्च किए गए। गोवा में आम आदमी पार्टी ने जितने लोगों से काम कराया, उन सभी वेंडर्स के यहां सीबीआई- ईडी ने पिछले छह महीने में रेड मार ली और सबको गिरफ्तार कर लिया। गोवा चुनाव की सारी जांच करने के बाद ईडी इस नतीजे पर पहुंची है कि मात्र 19 लाख रुपए आम आदमी पार्टी ने कैश में खर्च किए। यह तो हमारे लिए बहुत बड़ा ईमानदारी का सर्टिफिकेट है। सीबीआई-ईडी का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने पूरे गोवा के चुनाव में केवल 19 लाख रुपए कैश में खर्च किए और बाकी चेक में किए। 100 करोड़ तो बहुत दूर की बात है। पूरे देश में ऐसी कौन सी पार्टी है, जो केवल 19 लाख रुपए किसी राज्य के चुनाव में खर्च करती है। सीबीआई-ईडी ने तो आम आदमी पार्टी को ईमानदारी का सबसे बड़ा सर्टिफिकेट दे दिया है। ईडी-सीबीआई को गोवा में भी कुछ नहीं मिला। न रिश्वत आई और न तो रिश्वत खर्च की गई। न रिश्वत ली गई और न दी गई।

दिल्ली लौट कर आये सकुशल हिमाचल के विद्यार्थी: मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखु

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली मणिपुर में कई दिनों से चल हिंसक घटनाओ के मद्देनजर हिमाचल सरकार द्वारा 5 बच्चों को सकुशल हवाई रास्ते द्वारा मणिपुर से कोलकाता होते हुए दिल्ली लाया गया जिसमें तीन विद्यार्थी एन आई टी और दो विद्यार्थी नेशनल स्पोर्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, इन सभी विद्यार्थियों का दिल्ली आगमन पर हिमाचल सदन में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखु, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर , ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्य मंत्री राणा अनुरूद सिंह, विधायक सुरेश कुमार और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अक्षय सिंह डढवाल एवं युवा कांग्रेस नेता एडवोकेट विवेक कुमार द्वारा स्वागत किया गया । मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने कहा कि मेरे निजी फोन पर एक विद्यार्थी इम्फाल में फसे रहने का संदेश आया और मदद की गुहार की गई , मैंने तुरंत ही अपने निजी खर्चे से हिमाचल के बच्चों को घर आपसी का आदेश देकर, सकुशल मणिपुर से निकाल कर दिल्ली लाया गया है। खुशी का इजहार करते हुआ कहा कि बचें हुए विद्यार्थियों को भी जल्द जल्द हिमाचल पहुंचाया जायेगा ।

जंतर-मंतर पर किसान यूनियन के कार्यकताओं का हंगामा, बैरिकेड तोड़ धरनास्थल की ओर बढ़े

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर बीते 2 हफ्तों से पहलवानों का प्रदर्शन जारी है। बीते दिनों पहलवानों ने दिल्ली पुलिस पर अपने साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए लोगों से धरनास्थल पर पहुंचने की मांग की थी, जिसके बाद भारतीय किसान यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा का पदाधिकारियों ने अपने-अपने कार्यकताओं से धरनास्थल पर कूच करने का आह्वान किया था। इसके बाद आज सोमवार को किसान यूनियन के कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे हैं, जहां उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। किसान यूनियन के कार्यकताओं का हंगामा पहलवानों की अपील के बाद जंतर-मंतर पहुंचे किसान यूनियन के कार्यकताओं ने हंगामा शुरू कर दिया है और दिल्ली पुलिस के लगाए को भी कार्यकताओं ने तोड़ दिया है और धरनास्थल की ओर कूच करने शुरू कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने जारी किया बयान किसान यूनियन के कार्यकताओं द्वारा बैरिकेड्स तोड़े जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि किसानों के एक समूह को जंतर मंतर ले जाया गया है। वह एंट्री लेकर धरना स्थल पर पहुंचने की जल्दी में थे और इसी वजह से वह बैरिकेड्स पर चढ़ गए जो नीचे गए। अब उन बैरिकेड्स को हटा दिया गया है। पुलिस टीम ने उनके प्रवेश की सुविधा के लिए बैरिकेड्स को पीछे की ओर खींच लिया है।

दिल्ली पुलिस ने कहा, असत्य और भ्रामक खबरों से बचे !जंतर मंतर पर प्रदर्शनकारियों को आवश्यक सहूलियतें दी जा रही है। धरना स्थल पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, आवाजाही DFMD से चेकिंग होने के बाद की जा रही है। कृपया शांति बनाए रखें और कानून का सम्मान करें... जय हिन्द। राकेश टिकैत ने किया पहलवानों का समर्थन बीते दिनों दिल्ली पुलिस से धरना स्थल पर पहलवानों से हुई झड़प के बाद पहलवानों ने किसानों से धरना स्थल पर पहुंचे की अपील की थी, जिसके बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने 7 मई को देशभर में पहलवानों के समर्थन में प्रदर्शन करने का एलान किया था। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के अध्यक्ष नरेश टिकैत और किसान नेता राकेश टिकैत अपने कार्यकताओं के साथ पहलवानों का समर्थन करने जंतर मंतर पहुंचे थे।

दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा पहलवानों की अपील के बाद हरियाणा की कई खाप पंचायतों और संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा पहलवानों को समर्थन देने और दिल्ली आने की घोषणा के बाद से बदरपुर बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिसकर्मियों व अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 23 अप्रैल से प्रदर्शन कर रहे हैं। एक नाबालिग समेत 7 महिला पहलवानों ने उनपर यौन उत्पीड़न का आरोप लगया है। इससे पहले उन्होंने इस साल के शुरूआत में जंतर मंतर पर धरना दिया। तब खेल मंत्रालय के दखल के बाद पहलवानों ने अपना धरना खत्म कर दिया और इस मामले में जांच के लिए एक समिति का गठन किया था, लेकिन अब पहलवानों ने समिति पर ही सवाल उठा दिए हैं।

तिहाड़ मामले में तमिलनाडु के एडीजीपी ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या में तमिलनाडु स्पेशल पुलिस के जवानों की लापरवाही सामने आने के बाद तमिलनाडु के डीजीपी ने घटना के जांच के आदेश दिए हैं। इसी सिलसिले में तमिलनाडु के एडीजीपी सोमवार को तिहाड़ जेल पहुंचे। मली जानकारी के अनुसार, तिहाड़ जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में बंद सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के मामले में जांच समिति का गठन किया जा रहा है। एक तरफ जहां दिल्ली पुलिस ने इस मामले की जांच स्पेशल सेल को सौंप दी है, वहीं मामले की सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद तमिलनाडु स्पेशल पुलिस फोर्स के जवानों की किरकिरी हुई है। इसी को देखते हुए तमिलनाडु के डीजीपी सी. सिलेंद्र बाबू ने तिहाड़ जेल में हुई इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। सुबह जेल में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद डीजीपी वापस लौट गए है। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की तिहाड़ जेल में तेज धारदार हथियार से वार करके हुई हत्या के दौरान तमिलनाडु स्पेशल पुलिस फोर्स के कुछ पुलिसकर्मी मूक

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 09 मई, 2023

दिल्ली: केजरीवाल सरकार लाएंगी प्रीमियम बसें, WiFi की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

अरविंद केजरीवाल दिल्ली में ऐसी प्रीमियम बसों को लाने का प्लान कर रहे हैं, जो अभी देश में कहीं भी नहीं चलती हैं दिल्ली सरकार ने एक स्कीम बनाई है, जिसका नाम दिल्ली मोटर व्हीकल लाइसेंसिंग एग्रीगेटर प्रीमियम बस स्कीम है. इसके तहत प्रीमियम बसों को चलाने की योजना है। आइए जानते हैं डिटेल्स. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ट्रांसपोर्ट सेक्टर को वर्ल्ड क्लास बनाने की कोशिश जारी है. दिल्ली में अधिक संख्या में कार और स्कूटर होने की वजह से ट्रैफिक बहुत ज्यादा है। ऐसे में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करने के लिए सुविधाओं के अपग्रेट करना जरूरी है. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सबसे बड़ा रिवॉल्यूशन मेट्रो थी. दिल्ली में मिडिल क्लास और अपर मिडिल क्लास लोगों ने मेट्रो में सफर करना शुरू किया था. उन्होंने अपनी गाड़ी छोड़ी, जिससे दिल्ली की सड़कों पर गाड़ियों की कमी हुई थी। मेट्रो को आए दिल्ली में 25 साल हो गए और मेट्रो में खचाखच भीड़ होती है. दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक से लेकर मेट्रो तक में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है.

दिल्ली में एसी बसें भी हैं, लेकिन वह लोअर मिडल क्लास तक के लोग इस्तेमाल करते हैं. दिल्ली की केजरीवाल सरकार अब अपर मिडिल क्लास के लिए प्रीमियम बसें लाने की योजना बना रही है. दिल्ली परिवहन निगम यानी डीटीसी बसें कंप्लीट नहीं हैं, जो मिडिल क्लास और अपर मिडिल क्लास मांग करता है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली में ऐसी प्रीमियम बसों को लाने का प्लान कर रहे हैं, जो अभी देश में कहीं भी नहीं चलती हैं. दिल्ली सरकार ने एक स्कीम बनाई है, जिसका नाम दिल्ली मोटर व्हीकल लाइसेंसिंग एग्रीगेटर प्रीमियम बस स्कीम है. इसके तहत प्रीमियम बसों को चलाने की योजना है। आइए जानते हैं डिटेल्स।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज (सोमवार), 8 मई को कहा कि अपर मिडिल क्लास के लिए दिल्ली में प्रीमियम बस सर्विस शुरू करने की तैयारी है. जिसमें सफर से पहले सीट रिजर्व कर पाएंगे। प्रीमियम बसों में वाई-फाई और सीसीटीवी समेत कई आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। प्रीमियम बसों में एयर कंडीशन, वाईफाई, जीपीएस सीसीटीवी, पैनिक बटन की सुविधा होगी.

ट्रेन की तरह मोबाइल ऐप से प्रीमियम बसों में सीट बुक कर सकेंगे. प्रीमियम बसों में खड़े होकर सफर करने की इजाजत नहीं होगी. सीएम केजरीवाल को उम्मीद है कि प्रीमियम बसों के आने से लोग कार छोड़कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट में प्रीमियम बसों का इस्तेमाल करेंगे. जिससे सड़कों पर ट्रैफिक कम होगा।

प्रीमियम बस के तहत एग्रीगेटर को 3 साल से पुरानी बसें दिल्ली की सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं होगी. दिल्ली की सभी प्रीमियम बसें सीएनजी चलित होंगी। 1 जनवरी 2024 के बाद बस का इलेक्ट्रिक होना जरूरी होगा. एग्रीगेटर को ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के द्वारा लाइसेंस दिया जाएगा. सीएनजी बस चालक को लाइसेंस की फीस देनी होगा जबकि इलेक्ट्रिक बस के लिए लाइसेंस फीस मुफ्त होगी। प्रीमियम बस में कितना होगा किराया?

दिल्ली सरकार की ऐप-बेस्ड प्रीमियम बस एग्रीगेटर स्कीम के तहत निजी बस ऑपरेटर्स को प्रीमियम सर्विसेज देने का मौका मिलेगा. प्रीमियम बसें प्राइवेट ऑपरेटर्स चलाएंगे और दिल्ली सरकार मॉनिटरिंग करेगी। अरविंद केजरीवाल ने जानकारी दी कि प्रीमियम बसों के रुट्स और फेयर एग्रीगेटर खुद डिसाइड करेगा. हालांकि, ये साफ है कि इन बसों का किराया डीटीसी बसों से ज्यादा होगा. प्रीमियम बस की सीट सिर्फ ऑनलाइन ही बुक होगी।

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि प्रीमियम बस का एक लोगो और ड्रेस कलर कोड भी लॉन्च किया जाएगा. साथ ही, एग्रीगेटर बस के अंदर मार्केटिंग करके अपना रेवेन्यू कमा सकता है. केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली मोटर व्हीकल लाइसेंसिंग एग्रीगेटर प्रीमियम बस स्कीम की फाइल को दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) को भेजा जा रहा है. अब दिल्ली के उपराज्यपाल को यह तय करना है कि वह असहमत हैं तो इस स्कीम को राष्ट्रपति को भेजेंगे या दिल्ली सरकार को इजाजत देंगे. दिल्ली सरकार ने स्कीम फाइनल तैयार कर ली है. केजरीवाल ने कहा, उम्मीद है कि यह स्कीम पब्लिक वेलफेयर से जुड़ी हुई है तो वह असहमति नहीं जताएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यपाल से अनुमति मिलने के बाद इस स्कीम को पब्लिक फीडबैक के लिए ओपन कर दिया जाएगा. अरविंद केजरीवाल ने बताया कि मोहल्ला बस स्कीम से यह स्कीम बिल्कुल अलग है. प्रीमियम बस योजना प्राइवेट है.

तथाकथित शराब घोटाला निकला हवा-हवाई, प्रधानमंत्री और भाजपा मांगें देश से माफी- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले को लेकर आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली की अदालत के 6 मई के आदेश के बाद भाजपा और पीएम का काला चेहरा देश के सामने आ गया है। इस पूरे मामले में घोटाले जैसी कोई बात ही नहीं है। यह प्रधानमंत्री और पूरी भाजपा की मनगढ़ंत और हवा-हवाई बातें थी। इसके पीछे आरविंद केजरीवाल और आप को बदनाम करने की गहरी साजिश रची गई थी। अदालत ने माना है कि इस पूरे मामले में ईडी और सीबीआई के पास कोई सबूत ही नहीं है। इसी आधार पर कोर्ट ने राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा को जमानत भी दे दी है। उन्होंने कहा कि ऐसी घिनौनी साजिश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरी भाजपा को पूरे देश सहित अरविंद केजरीवाल से माफी मांगनी चाहिए। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को यहाँ पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि 6 मई 2023 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का आदेश आने के बाद पूरी दुनिया के सामने मनगढ़ंत फर्जी शराब घोटाले का सच देश के सामने आ गया है। अब पूरी दुनिया को पता चल गया है कि शराब घोटाले जैसी कोई चीज ही नहीं थी। शराब घोटाले के नाम पर भाजपा, पीएम नरेंद्र मोदी और पीएमओ ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की छवि खराब करने की एक गहरी साजिश रची थी। दिल्ली में कोई शराब घोटाला हुआ ही नहीं है। कोर्ट का आदेश आने के बाद से भाजपा के लोग चुप हैं। यही भाजपा के लोग हवा में शराब घोटाले और उसकी जांच की बात करते थे। उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई ने जांच के दौरान कहा कि 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली गई है। कुछ दिन बाद ईडी-सीबीआई ने कहा कि 100 करोड़ में से 70 करोड़ रुपए का उसके पास कोई सबूत ही नहीं है। ईडी ने 30 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार की झूठी जानकारी अपनी चार्जशीट में रखी। जांच एजेंसी ने कहा कि वेंडर राजेश जोशी को साउथ के शराब कारोबारियों ने 30 करोड़ रुपए की रिश्वत दी। साथ ही इस पैसे को गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। प्रधानमंत्री के निर्देश पर पिछले छह महीने से ईडी-सीबीआई गोवा जाकर जांच कर रही थी। कई लोगों से पूछताछ की और उन्हें डराया-धमकाया। ईडी ने सारी जांच के बाद कोर्ट के सामने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कुल 19 लाख रुपए ही गोवा चुनाव में कैश में खर्च किए हैं। ईडी-सीबीआई का कहना है कि आम आदमी पार्टी दुनिया की अकेली ईमानदार पार्टी है, जिसने गोवा के विधानसभा चुनाव में मात्र 19 लाख रुपए ही कैश में खर्च किए। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि 30 करोड़ रुपए की रिश्वत के संबंध में कोर्ट के मांगने पर ईडी कोई भी सबूत नहीं दे पाई। कोर्ट ने बिना सबूत के गिरफ्तारी पर भी सवाल किए और पूरी जांच को बेबुनियाद और निराधार करार दिया। क्योंकि इसमें कोई तथ्य और सबूत नहीं है।

दिल्ली के गोविंदपुरी में वकील के दफ्तर में फायरिंग, गोली लगने से मुंशी की मौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में एक वकील के दफ्तर पर एक शख्स ने गोली चला दी। गोली लगने से वकील के मुंशी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया है, जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने बताया गोविंदपुरी स्थित टीए-128 प्रथम तल पर अधिवक्ता सुशील गुप्ता के दफ्तर पर फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर देखा तो अधिवक्ता के गोली लगने से अनस अहमद बुरी तरह घायल हो गया, जिसको इलाज के लिए मजीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डॉक्टरों की टीम ने उसको मृत घोषित कर दिया। मौके पर हमलावरों द्वारा इस्तेमाल की गई एक काली हुंडई क्रेटा भी मिली है, जिसको गोलीबारी की घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

शुरूआती जांच में पता चला है कि अधिवक्ता के एक क्लाइंट जफरूल का सैयद मुकीम रजा के साथ 4 हजार रुपये की राशि को लेकर विवाद चल रहा था। जरूफर ने अधिवक्ता सुनील गुप्ता से इस मामले को सुझाने को भी कहा और फिर कथित तौर पर अंकित, मुकीम, वरुण और गुलाम मोहम्मद बातचीत के लिए सुशील गुप्ता के कार्यालय पहुंचे। साथ ही दो अन्य लोगों के साथ उनका परिचित अमित मंदरा भी अधिवक्ता के दफ्तर आया था। इस दौरान अधिवक्ता के दफ्तर में झगड़ा हो गया और हंगामा सुनकर कई स्थानीय लोग वकील के कार्यालय पहुंचे गए। भीड़ को देखकर वरुण बिधूड़ी उर्फ बिन्नू ने कार्यालय में कई गोलियां चलाईं, जिसमें से एक गोली अनस अहमद को लगी। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपितों ने वहां से भागने की कोशिश की और गुलाम मोहम्मद को भीड़ ने पकड़ लिया और उसको बुरी तरह पीट दिया। बाद में उसके एम्स के ट्रॉमा में भर्ती कराया गया है। वहीं, अमित बिधूड़ी और मुकीम रजा छत के रास्ते फरार हो गए।

पुलिस के मौके पर पहुंचे के बाद आरोपितों की तलाश शुरू कर दी और 2 घंटे की मशक्कत के बाद अंकित और मुकीम को एक बिल्डिंग की छत से गिरफ्तार कर लिया है।

लोगो को भ्रमित कर रही हैं दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी : विनीत जैन

नई दिल्ली । दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी तथा मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल लोगो को यह कहकर भ्रमित कर रहे हैं की दिल्ली का शिक्षा सिस्टम सुधारने के बाद अब दिल्ली नगर निगम और दिल्ली की सरकार मिलकर नगर निगम स्कूलों का सिस्टम भी वर्ल्ड लेवल का बनाएगें। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता विनीत जैन का। विनीत जैन कहते हैं यह पार्टी और सरकार वर्ल्ड लेवल से कम कोई बात ही नहीं करती जबकि धरातल पर ये लोग कुछ नहीं करते। विनीत जैन कहते हैं दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने के बाद मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का बयान कि दिल्ली सरकार की तर्ज पर एम.सी.डी. के स्कूलों की तस्वीर बदलेंगे और आधुनिक शिक्षा प्रणाली लागू करना, पूरी तरह से दिल्ली के अभिभावकों को भ्रमित करने वाला है। क्योंकि घोषणा पत्र में वादा अनुसार दिल्ली में सरकारी स्कूलों की संख्या नही बढ़ी और केजरीवाल सरकार ने एक भी नया स्कूल नही बनाया, उल्टा 14 स्कूल बंद कर दिए। 9 वर्षों में सिर्फ स्कूलों में क्लॉस रुमों की मरम्मत के सिवा कुछ नही किया। क्या इस तर्ज पर निगम की सत्ता में आसीन आम आदमी पार्टी एमसीडी के 1535 स्कूलों की आधारभूत संरचना को बदलने सक्षम है। विनीत जैन कहते हैं कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में लगातार गिरते शिक्षा स्तर के लिए उनके तत्कालीन शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया जिम्मेदार है, जिन्होंने दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था में सुधार विज्ञापनों में किया और अपना सारा फोकस नई शराब नीति को लागू करने में लगा दिया, जिसमें हुए भ्रष्टाचार के चलते आप पार्टी को करोड़ो रुपये अनैतिक रुप से मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नई शराब नीति को लागू करने का निर्णय हुआ जिसमें हुए महाघोटाले के कारण सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया जेल में हैं और अरविन्द केजरीवाल व राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जांच के घेरे में हैं। मतलब आम आदमी पार्टी ने अपना पूरा ध्यान शिक्षा नही बल्कि शराब नीति को लागू करने लगाया था।

कोर्ट से सीबीआई को मिला सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करने का समय, एक जून को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार में हुए जमीन के बदले नौकरी घोटाला में सीबीआई जांच कर रही हैं। आज सीबीआई ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती से पूछताछ की है। इसी दौरान दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सीबीआई को जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करने के लिए वक्त दिया है।

अदालत ने पूछे एजेंसी से तीखे सवाल राउज एवेन्यू की विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने सीबीआई पूरक आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा जांच एजेंसी से पूछा कि सप्लीमेंट्री चार्जशीट में वक्त क्यों लग रहा है। अदालत के सवाल पर जवाब देते हुए अधिवक्ता ने कहा कि कुछ औपचारिकताओं के कारण इसमें देरी हो रही है। अब अदालत में इस मामले की सुनवाई एक जून को होगी।

एजेंसी ने कोर्ट से मांगा वक्त

जांच एजेंसी की ओर से पेश हुए अधिवक्ता मनु मिश्रा ने अदालत से सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल करने के लिए 4 हफ्तों का वक्त मांगा।

इसी अदालत ने 15 मार्च को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनकी बेटी और राजद सांसद मीसा भारती और अन्य आरोपियों को नौकरी के लिए भूमि कथित घोटाला मामले में नियमित जमानत दी थी। सीबीआई ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले के संबंध में पहले दायर की गई अपनी चार्जशीट में कहा था कि भर्ती के लिए भारतीय रेलवे के निर्धारित मानदंडों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन करते हुए मध्य रेलवे में उम्मीदवारों की अनियमित नियुक्तियां की गईं।

क्या है जमीन के बदले नौकरी घोटाला लालू यादव द्वारा किए गए इस घोटाले का पूरा मामला रेलवे भर्ती से संबंधित है। मामले में लालू पर वर्ष 2004 से 2009 तक यूपीए सरकार में रेल मंत्री रहते हुए उनके और परिवार द्वारा जमीन के बदले लोगों को नौकरी देने का आरोप है। सीबीआई द्वारा मामले में लालू के साथ उनके परिवार पर भी केस दर्ज किया गया है और आरोप है कि लालू ने परिजनों के नाम पर नौकरी के बदले जमीनें रिश्वत में ली थी। बिना विज्ञापन के दीं नौकरी आरोप है कि उन्होंने रेल मंत्री रहते हुए ही बिना कोई विज्ञापन जारी कर रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरी के लिए कई लोगों की भर्ती की थी। मामले में यह भी साफ हुआ कि जिन लोगों को ये नौकरी मिली उन्हें अपनी जमीन तक देनी पड़ी। कई लोगों को तो आवेदन देने के 3 दिन में ही नौकरी दे दी थी। इसके तहत लोगों को जबलपुर, मुंबई, छत्तीसगढ़ और जयपुर आदि जगहों पर लगाया गया था।

इस घोटाले को लेकर सीबीआई कई बार लालू समेत उनके करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। सीबीआई लालू के बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के गुरुग्राम मॉल, सांसद अशफाक करीम, फैयाज अहमद, टछउ सुनील सिंह और सुबोध राय के ठिकानों पर छापे मार चुकी है। अब राबड़ी देवी से इसी मामले में सीबीआई पूछताछ कर रही है। बता दें कि मामले में राजद के पूर्व विधायक भोला यादव गिरफ्तार भी हो चुके हैं।

बिहार में 5 साल से फरार हत्या का दोषी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पिछले पांच साल से फरार हत्या के 73 वर्षीय एक अपराधी को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान बिहार के समस्तीपुर जिले के कलवारा गांव निवासी रामचंद्र सहनी के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि साहनी को 12 नवंबर, 2018 को दो सप्ताह के लिए रिहा किया गया था, वह तब से फरार चल रहा था। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) रवींद्र सिंह यादव ने कहा कि पैरोल जंप करने वाले साहनी की आवाजाही के संबंध में विशेष इनपुट मिला था, जिसके बाद एक पुलिस टीम का गठन किया गया और उसे पकड़ लिया गया। यादव ने कहा, टीम ने पैतृक गांव में एक तलाशी अभियान चलाया और उसे पकड़ा। पूछताछ के दौरान साहनी ने खुलासा किया कि मई 2009 में वह आनंद विहार थाने के इलाके में अपनी बहन गीता और जीजा राजेंद्र शाह के साथ

दोपहर और शाम का समय सड़क पर चलने के लिए सबसे खतरनाक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

हाल ही में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक सड़क हादसे में यूट्यूबर की मौत हो गई थी। दिल्ली का रहने वाला यूट्यूबर अगस्त्य चौहान यमुना एक्सप्रेस-वे पर 300 की स्पीड पर बाइक चलाते हुए वीडियो बना रहा थे। उसी दौरान बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भारत में ऐसे न जाने कितने ही लोग सड़क हादसे का शिकार हुए है।

2021 में देश में दर्ज किए गए इतने सड़क हादसे सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हाल ही में एक वार्षिक रिपोर्ट- भारत में सड़क दुर्घटनाएं - 2021 जारी किया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2021 के दौरान देश में कुल 4,12,432 सड़क हादसे दर्ज किए गए हैं। वहीं, 1,53,972 लोगों की जान गई और 3,84,448 लोग सड़क हादसे के दौरान घायल हुए। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि सबसे ज्यादा 18-45 वर्ष के लोग सड़क हादसे का शिकार होते है, जो कुल दुर्घटना मृत्यु का लगभग 67 प्रतिशत है।

भारतीय सड़कों पर चलने का सबसे खतरनाक समय सड़क परिवहन की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक भारतीय सड़कों पर सबसे जोखिम भरा समय है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने भारत में सड़क सुरक्षा को लेकर भी एक डेटा रिलीज किया है, जिसमें बताया गया है कि कौन से वाहन सबसे ज्यादा सड़क हादसे का शिकार होते है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय सड़कों पर चलने का सबसे खतरनाक समय दोपहर 3 से 9 बजे होता है। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल भारत में सड़क दुर्घटनाओं की अधिकतम संख्या शाम के समय - शाम 6 बजे से 9 बजे के बीच दर्ज की गई थी, जो देश में कुल दुर्घटनाओं का 20.7 प्रतिशत थी। की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोपहर और शाम का समय सड़क पर चलने के लिए सबसे खतरनाक समय होता है। 2021 में इन वाहनों से हुई सबसे ज्यादा मौतें राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में सड़क दुर्घटना में टू व्हीलर से लगभग 2 लाख लोगों की मौत हुई है। वहीं, थ्री व्हीलर/ऑटो रिक्शा से लगभग 4.9 प्रतिशत मौतें हुई। अन्य गैर मोटर चालित वाहन से 5.2 प्रतिशत, ट्रक/लॉरी/मिनी ट्रक से 9.4 प्रतिशत, पैदल यात्री 12.2 प्रतिशत, अन्य मोटर वाहन जैसे ट्रेक्टर से 5.7 प्रतिशत, बस से 3.0 प्रतिशत और एसयूवी/कार/जीप से 15.1 प्रतिशत मौते दर्ज की गई है।

सड़क हादसे में सबसे ज्यादा मौतें

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2015 तक के आंकड़ों की तुलना में पिछले साल सड़क हादसों के मामले सबसे ज्यादा (1,55,622) थे। आंकड़ों के मुताबिक, 4,03,116 सड़क दुर्घटनाओं में 3,71,884 लोग घायल हुए और 1,55,622 लोगों की मौत हुई। 2021 में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में तमिलनाडु राज्य अन्य राज्यों में सबसे ऊपर है। इसकी संख्या लगभग 55,682 है। वहीं, मध्य प्रदेश दूसरे नंबर (48,219) पर है। सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक जान उत्तर प्रदेश में गई है, इसका आंकड़ा- 21,792 है। इसके बाद तमिलनाडु (15,384), महाराष्ट्र (13,911) और मध्य प्रदेश (12,480) में इतने मौतें दर्ज की गई है। 2021 में अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग के कारण हुई, जिसमें 87,050 लोगों की मौत हुई और 2,28,274 लोग घायल हुए। खतरनाक या लापरवाह ड्राइविंग या ओवरटेकिंग से 25.7 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं हुई, जबकि खराब मौसम की स्थिति के कारण केवल 2.8 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई।

लगातार सुधर रहा है दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम : निर्मल गुप्ता

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम लगातार सुधरता जा रहा है। लोगो को उनके घरों के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं दिल्ली सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही हैं। यह कहना है आर.डब्लू.ए. विवेक विहार के अध्यक्ष निर्मल गुप्ता का। निर्मल गुप्ता कहते हैं आज से कुछ साल पहले तक लोगो को छोटी-मोटी बीमारी के ईलाज के लिए भी अस्पतालों में जाना पड़ता था जहां कई-कई घंटे लाइन में लगने के बावजूद लोगो को दवाएं पर्याप्त मात्र में नहीं मिल पाती थी और लोगो को बाजार से दवाएं खरीदनी पडती थी। लेकिन आज ऐसा नहीं है अब अस्पतालों में सारी दवाएं मिलती हैं। और दिल्ली सरकार नें लोगो के घरो के आस-पास ही बड़ी संख्या में मौहल्ला क्लिनिक खोल दिए हैं। निर्मल गुप्ता कहते हैं औसतन हर विधानसभा में सात से आठ मौहल्ला क्लिनिक वर्तमान में चल रहे हैं करीब स्व पांच सौ मौहल्ला क्लिनिक खुले हुए हैं, और अगले कुछ महीनों में यह संख्या सैट सौ पार कर जायेगी यानी स्वास्थ्य सिस्टम और अधिक मजबूत हो जाएगा। निर्मल गुप्ता कहते हैं इन मौहल्ला क्लीनिकों के माध्यम से अब गरीब लोग चार सौ से अधिक जांच करा सकते हैं। निर्मल गुप्ता कहते हैं अब दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य विभाग पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी में जुटा है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग प्राइवेट सेक्टरअपने अस्पतालों को जगह उपलब्ध करने की योजना बना रहे हैं। ताकि प्राइवेट सेक्टर अपनी लैब और जांच मशीन अस्पताल के भीतर स्थापित कर सकें। इसे जनहित में दिल्ली सरकार का बड़ा निर्णय बताते हुए श्री गुप्ता कहते हैं हैं इस निर्णय से राजधानी दिल्ली के लाखों लोगो को लाभ मिलेगा। अस्पताल में आने वाले सभी ओं पी.डी.मरीजों को निजी लैब की सुविधा मिल सकेगी। जो की अन्य सुविधाओं की तरह मरीजों के लिए फ्री होगी। और प्राइवेट सेक्टर तथा लैब का पूरा भुगतान सरकार किया करेगी।

जांच एजेंसियों को निर्देश देती है भाजपा :केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाले को लेकर अपनी बातें रखीं हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कोई शराब घोटाला नहीं हुआ, आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है। तथाकथित शराब घोटाले के पीछे भाजपा का षड्यंत्र है। शराब घोटाले की कहानी प्रधानमंत्री कार्यालय ने ईडी सीबीआइ को सुनाई और बोला कि इसके इर्द-गिर्द सबूत ढूंढो।

दिल्ली में नहीं हुआ शराब घोटाला

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जारिए मुखातिब होते हुए कहा कि दिल्ली में कोई शराब घोटाला नहीं हुआ है। यह बात हम लोग शुरू से कह रहे हैं, लेकिन भाजपा वाले आरोप लगा रहे हैं कि आम आदमी पार्टी ने साउथ की लॉबी से 100 करोड़ रुपये रिश्वत ली है। इनके इशारे पर ईडी ने भी पहले यही कहा, फिर कहा कि 100 करोड़ में से 70 करोड़ का कोई सुबूत नही मिला है। इसके बाद ईडी ने अपनी चार्जशीट में 30 करोड़ की बात की और कहा गया कि यह पैसा गोवा चुनाव में खर्च किया गया। कहा गया कि यह पैसा राजेश जोशी के माध्यम से गोवा भेजा गया। अदालत को नहीं मिला कोई प्रमाण उन्होंने आगे कहा- मगर अदालत को इस बात का कोई प्रमाण नहीं मिला है। कहा गया कि गोवा चुनाव में यह पैसा खर्च किया गया, पर वहां ईडी को जांच में 30 लाख की जानकारी मिली है। यह हमारी ईमानदारी का सुबूत है कि कोई पार्टी एक राज्य में चुनाव केवल 19 लाख में लड़ लेती है। आज प्रधानमंत्री की ईमानदारी पर सवाल उठ रहे हैं, तो भाजपा हमें निशाना बना रही है, क्योंकि देश में एक ही पार्टी है जो ईमानदारी की बात करती है। आज सीबीआइ और ईडी को भाजपा चला रही है। भाजपा और प्रधानमंत्री जो कहानी बनाकर देते हैं । वही, ईडी सीबीआइ बोलने लगती है।

भाजपा देती है जांच एजेंसियों को स्टोरी अब भाजपा वाले कह रहे हैं कि केजरीवाल को गिरफ्तार करेंगे, तो कर लें, हमे धमकी क्यों दे रहे हैं। बात साफ है ईडी और सीबीआइ को जो करना होता है वह भाजपा पहले से ही बोलने लगती है। इससे भी साफ है भाजपा ही इन्हें स्टोरी बनाकर देती है और जो कहती है ये करने लगते हैं और बाद में सुबूत ढूंढते हैं।

दिल्ली में जल्द चलेंगी प्रीमियर बसें

वहीं, केजरीवाल ने अपनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में आगे दिल्ली के ट्रांसपोर्ट पर बात करते हुए कहा कि दिल्ली में वाहन बहुत ज्यादा हैं, उसका कारण कार और दो पहिया बहुत हैं। इसे कम करने के लिए एक ही रास्ता है कि सार्वजनिक परिवहन बेहतर औरर निर्धारत समय वाला बनाया जाएगा। दिल्ली में बसें हैं, मगर अभी मध्यम और निम्न वर्ग के लोग ही बसों का इस्तेमाल करते हैं। अभी उच्च या मध्यम उच्च वर्ग उपयोग नहीं कर रहा है, अगर वह बसों से आना जाना शुरू कर देंगे तो बसों में सीट मिलेगी या नहीं, इसकी गारंटी नही है। बसों की अनुमति के लिए LG को भेजा पत्र

अब हम प्रीमियम बसें लेकर आ रहे हैं। इसके तहत सीट की गारंटी होगी। सीट पहले ही बुक हो जाएगी। तीन साल से पुरानी बस नहीं होगी। यह सभी बसें सीएनजी की होंगी। खास बात यह है कि बसों के रूट एग्रीगेटर यानी बसों के मालिक तय करेगा। बसों में कोई सवारी खड़ी नही होगी। बसें वातानुकूलित होंगी। आज हम इसे अनुमति के लिए एलजी के पास भेज रहे हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री ने छात्रों से जाना- किस तरह उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप्स के लिए तैयार किया जाए अनुकूल वातावरण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने सोमवार को इंद्रप्रस्थ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी(आईआईआईटी), दिल्ली के इनक्यूबेशन सेंटर का दौरा कर एंत्रप्रेन्योर्स से उच्च शिक्षा संस्थानों में एंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने और स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने को लेकर सुझाव माँगे।

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, उच्च शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, आज की तेजी से बदलती दुनिया में, एंत्रप्रेन्योरशिप एक महत्वपूर्ण स्किल बन गया है जो हर छात्र में होना चाहिए। इसे लेकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना चाहिए जो युवा एंत्रप्रेन्योर्स को आवश्यक संसाधन और समर्थन प्रदान करे। और उनके आइडियाज को सफल उद्यमों में बदल दें। उन्होंने कहा कि मुझे इन युवा एंत्रप्रेन्योर के साथ बातचीत करने में खुशी हो रही है जो विभिन्न सामाजिक समस्याओं के लिए इनोवेटिव समाधान तैयार कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इनके आइडियाज समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि, केजरीवाल सरकार देश के आर्थिक और सामाजिक तरक़्क़ी के लिए अपने उच्च शिक्षा संस्थानों में एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट और उसके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि हमारे देश के आर्थिक विकास और सामाजिक विकास के लिए एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट और उसके लिए जरूरी इकोसिस्टम का होना आवश्यक है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आईआईआईटी दिल्ली का इन्क्यूबेशन केंद्र युवा उद्यमियों के पोषण और उ

संक्षिप्त खबरें

बिना टिकट यात्रा कर रहे पकड़े गये 50 यात्री

गोपालगंज । पूर्वोत्तर रेलवे के थावे जंक्शन पर चलाए गए टिकट चेकिंग अभियान में 50 यात्रियों को बिना टिकट के यात्रा करते हुए पकडा गया। पकड़े गये यात्रियों से करीब 12500 रूपया जुमार्ना वसूला गया। टिकट चेकिंग अभियान से स्टेशन पर हडकंप मच गया। सोमवार को चीफ टीटीआई विनय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में थावे जंक्शन पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच में मुख्य रूप से आरपीएफ इंस्पेक्टर अब्दुस सलाम खां, टीटी अजय कुमार श्रीवास्तव, सुधाकर मिश्रा सहित अन्य जवान मौजूद थे।

13 मई को लगने वाले लोक अदालत के लिए 1285 के विरुद्ध नोटिस जारी

गोपालगंज। गोपालगंज व्यवहार न्यायालय परिसर में 13 मई को लगने वाले लोक अदालत में आपसी सुलह के आधार पर मामले के निपटारे के लिए थाना क्षेत्र के 1285 लोगों के विरुद्ध नोटिस जारी की गई है। जिसकी थाना क्षेत्र के चैकीदारों के माध्यम से संबंधित आरोपितों को नोटिस तमिला कराया जा रहा है। गोपालगंज बिहार न्यायालय परिसर में आगामी 13 मई को सुबह 10रू00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसमें सुलहनीय आपराधिक मामलों, दीवानी मामलों, दुर्घटना बीमा दावा, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूअधिग्रहण, राजस्व एवं मनरेगा, बिजली एवं पानी, वाणिज्य कर, आयकर, वन अधिनियम के वाद, रेलवे दावा, माननीय उच्च न्यायालय में लंबित अपील आदि से संबंधित मामलों का सुलह समझौता के आधार पर निपटारा किया जाएगा। जिसके लिए थाना क्षेत्र के 1285 लोगों के विरुद्ध लोक अदालत में शामिल होकर अपने वाद की सुनवाई के लिए नोटिस जारी की गई है।

बारात करने आए युवक की बाइक चोरी

गोपालगंज ।जिले के भोरे थाना क्षेत्र के खुद ही दक्षिण टोला में बारात में शामिल होने आए एक युवक की बाइक चोरी हो गई। मामले में स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के सेवरही थाना क्षेत्र के तिवारी पट्टी गांव के मनीष शर्मा अपनी बाइक से भोरे थाना क्षेत्र के कई दक्षिण टोला में हरिहर सिंह के यहां बारात करने आए थे। उन्होंने अपनी बाइक उसी गांव के लाल बाबू के दरवाजे पर खड़ी कर दी थी। यहां से बाइक चोरी हो गई। मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर रही है।

मकान निर्माण करने से मना करने पर हुई मारपीट, तीन जख्मी

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर टोला लक्ष्मीपुर में मकान निर्माण करने से मना करने पर हुई मारपीट में 3 लोग जख्मी हो गए। सभी घायलों का इलाज स्थानीय रेफरल अस्पताल में कराया गया। बताया जाता है कि उसे हुस्सेपुर टोला लक्ष्मीपुर गांव निवासी स्व। रमेश भगत की जमीन पर उसी गांव के हरेंद्र भगत, किस्मती देवी, शिवम भगत आदि लोगों के द्वारा जबरन मकान का निर्माण कराया जा रहा था। जिसका विरोध शीला कुंवर द्वारा किया गया, तो उक्त लोगों द्वारा शीला कुंवर और उनके दो पुत्रों बृजेश भगत और दिलीप भगत को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया।

आर्केस्ट्रा के गाना बजाने के विवाद में मारपीट, पांच गिरफ्तार

गोपालगंज । जिले के बरौली थाना क्षेत्र के सिसाई गांव में रविवार रात्री आई बारात में भोजपुरी गाना बजाने का विरोध करने पर दो गुटों में जमकर मारपीट हो गयी। सूचना पाकर पंहुचे थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने लोगो को समझा बुझाकर दोनो पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस की मौजूदगी में ही दोनो पक्ष आपस में भीड गए। जिसके बाद पुलिस ने पांच लोगो को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगो में आनंद कुमार गुप्ता, अनिल कुमार, ददन साह, जयप्रकाश साह व विशाल साह बताए गए है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आर्केस्ट्रा ने गाना बजाने के विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

थावे में मुखिया पद के लिए पांच प्रत्याशियों ने किया नामांकन

गोपालगंज ।जिले के थावे प्रखंड में पंचायत उपचुनाव को लेकर सोमवार को थावे में मुखिया पद के लिए पांच प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि फुलुगनी पंचायत से मुखिया पद के लिए मफूज आलम उर्फ लुडु दिवाना और आकाश कुमार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जबकि धतीवना पंचायत से मुखिया पद के लिए ब्रह्मदेव मुसहर, अच्छयवर मांझी और निर्भय कुमार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बताया जाता है कि फुलुगनी पंचायत से मुखिया पद के लिए अब तक सात और धतीवना पंचायत से तीन प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किए है।

गरीबों के बच्चे शिक्षा से नहीं रहेंगे वंचित

गरीब बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने की शुरू हुई पहल

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का सरकार का सपना अब साकार होगा। इसके लिए मनरेगा मजदूर सतत विकास संगठन के माध्यम से विद्यालयों से बाहर के बच्चों को चिन्हित कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए युद्ध स्तर पर पहल शुरू कर दी गई है।

उक्त बातें मनरेगा मजदूर सतत विकास संगठन के संस्थापक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास कुमार ने हथुआ प्रखंड के बढ़ेंया में शिक्षा केन्द्र का उद्घाटन करते हुए कहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ग्रामीणों को संबोधित कर कहा कि इस संगठन का मुख्य उद्देश्य गरीबों के बच्चों को शिक्षित कर समाज के मुख्य धारा से जोड़ना है। इस शिक्षा केंद्र में मजदूर का बच्चा, झूंगी झोपड़ी में वास करने वाले मेहनत कस परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। जिसमें किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए शिलाई, कटाई व बुनाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही प्रशिक्षित महिला को काम के अनुसार सामग्री भी मुहैया करवाई जाएगी। केंद्र के उद्घघाटन के बाद बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया।

जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं केंद्र पर सिलाई, कढ़ाई व बुनाई का प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं को सिलाई मशीन भी प्रदान किया गया। इस मौके पर संगठन के सचिव सचिन कुमार, संजीव कुमार, सत्येन्द्र कुमार मांझी, जिला निदेशिका नेहा कुमारी, हथुआ प्रखंड प्रभारी नितेश कुमार प्रसाद, प्रखंड सुपरवाइजर सीता देवी, शिक्षिका प्रियंका कुमारी, पंचायत प्रभारी दीपक कुमार श्रीवास्तव, वशिष्ठ लाल श्रीवास्तव, अमर साह, गुलाईची देवी, रोहित श्रीवास्तव, अमर साह, राकेश साह, वैद्यनाथ साह, विजय प्रसाद, रामनाथ पांडेय, सत्यनारायण गुप्ता सहित सभी ग्रामीण आदि थे।

मवेशियों के साथ सात पशु तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के मिश्रबतरहा में सोमवार की सुबह पुलिस ने पशु तस्करों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जहां 3 पिकअप पर क्रूरता से लदे 28 मवेशी को बरामद किया है।

वहीं इसमें शामिल 7 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। श्रीपुर ओपी परिसर में हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को बताया कि राजकीय बुनियादी मध्य विद्यालय मिश्र बतरहा के सामने मुख्य पथ पर मेरे नेतृत्व में श्रीपुर ओपी प्रभारी अशोक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अनिल राम सिपाही शशिकांत कुमार, सिपाही उज्जवल मींज कौशल कुमार के द्वारा शराब बरामदगी और पशु तस्करी की रोकथाम को लेकर सघन वाहन जांच किया जा रहा था। उसी क्रम में भोरे की तरफ से 3 पिकअप गाड़ी आते दिखा। जिसे दल बल के सहयोग से रोका गया। जिसमें कुल 7 व्यक्ति सवार थे तथा तीनों पिकअप के अंदर 28 मवेशी क्रूरता पूर्वक जिनके चारों हाथ पैर बंधे हुए थे। जिसके बाद पिकअप एवं मवेशी को जप्त करते हुए सातों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी गिरफ्तारी हुई है उनमें कलीम अंसारी का पुत्र इमरान अंसारी बली मियां का पुत्र बाबूदीन अंसारी निजामुद्दीन का पुत्र रियाजुद्दीन रजा अंसारी का पुत्र इरफान अंसारी सभी मीरगंज थाना के खैरटिया गांव के रहने वाले हैं। वही कटेया थाना के फुलवरिया निवासी बृजेश राय का पुत्र अभिषेक राय भागी पट्टी निवासी रामाशीष सिंह का पुत्र छोटू सिंह कुशीनगर जिला के तुरपट्टी थाना के बसडीला पांडे निवासी मोती लाल यादव का पुत्र मनु यादव है। उन्होंने बताया कि इनके पास से 6 मोबाइल भी बरामद किया गया है साथ ही सभी को पुलिस अभिरक्षा में न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया गया है।

बिहार में खपाने के लिए लाई जा रही 60 लाख की शराब बरामद

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट के समीप सोमवार की सुबह एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर पुलिस ने अभियान चलाकर हरियाणा से तस्करी कर बिहार में खपाने के लिए लाई जा रही 23421 बोतल शराब बरामद कर लिया। इस दौरान पुलिस ने एक धंधेबाज को भी गिरफ्तार कर लिया। बरामद की गई शराब की कीमत 60 लाख रुपये बताई जा रही है। शराब बरामदगी के बाद कुचायकोट थाने में प्रेस को संबोधित करते हुए सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि हरियाणा से बिहार में खपाने के लिए भारी मात्रा में शराब लाए जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर कुचायकोट थाने के पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में बलथरी चेक पोस्ट के समीप सोमवार की सुबह सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश की तरफ से आ रहे एक ट्रक को रोक कर तलाशी ली गई तो उसमें लकडी की भूसी के बीच छिपाकर रखी गई 752 कार्टन यानी 23421 बोतल शराब मिली। ट्रक सहित शराब को जब्त करते हुए चालक हरियाणा के पानीपत जिले के चांदनी नगर थाना क्षेत्र के हाउस नंबर 1634 एनएचबीसी सेक्टर 11 निवासी विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान इसने बताया कि शराब हरियाणा ये बिहार ले जाई जा रही थी। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार चालक से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारी मिली है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कारवाई करने में जुट गयी है। प्रेसवार्ता में सदर एसडीपीओ प्रांजल, प्रशिक्षु डीएसपी साक्षी राय, सदर इंस्पेक्टर हीरालाल प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे। वही छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, गृहरक्षक सुदामा यादव, विकास कुमार, संतोष कुमार शामिल थे।

फुलवरिया में मुखिया पद के लिए एक प्रत्याशी ने किया नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के फुलवरिया प्रखंड में पंचायत उपचुनाव को लेकर सोमवार को बनाए गए नामांकन काउंटर पर मुखिया पद के लिए एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन दाखिल किया। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी अजीत कुमार रोशन ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच प्रत्याशियों का नामांकन दाखिल किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत राज चुरामन चक के मुखिया पद के लिए पहले ही दो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। तीसरा नामांकन उसी पंचायत से मुखिया पद के लिए ओमप्रकाश सिंह ने भी पर्चा दाखिल किया है। नामांकन कराने पहुंच रहे मुखिया पद के प्रत्याशियों के समर्थन में पंचायतों से हजारों-हजारों की संख्या में लोग भी प्रखंड मुख्यालय परिसर के समीप पहुंच कर अपना-अपना मौजूदगी अपने-अपने मुखिया के नजरों में दिखा रहे हैं। मुखिया पद से नामांकन कराने के बाद समर्थक जमकर नारेबाजी भी कर रहे हैं। सोमवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में लोगों की भारी भीड़ को देखते ही पुलिस पहले ही चैकन्ना हो गई थी। पुलिस मुख्यालय के बाहर ही बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को बाहर ही रोक लिया। पुलिस लोगों को शांत रहने के लिए हिदायत भी दिया। बता दें कि ग्राम पंचायत राज चुरामन चक के वर्तमान मुखिया मोवसिर आलम उर्फ भरदुल मियां के आकस्मिक मौत के बाद पंचायत में मुखिया का पद रिक्त था। जिसको लेकर उपचुनाव शुरू हो गया है। उधर पंचायत उपचुनाव को लेकर पंचायतों में सरगर्मी बढ़ गई है।

लूट की योजना बनाते यूपी के दो अपराधियों सहित तीन गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के कुचायकोट थाने की पुलिस ने लूट की योजना बनाते तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतुस, एक बाइक व तीन मोबाइल बरामद किया गया है। कुचायकोट थाना में हुयी प्रेस वार्ता के दौरान सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि एलटीएफ के पुलिस अवर निरीक्षक विनोद कुमार को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी जलालपुर ईट भट्ठा के समीप लूट की बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष किरण शंकर व वरीय पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी गयी। वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कारवाई करते हुए तीन अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधी कटेया थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव के शिवपुरणा राय, यूपी के कुशीनगर जिले के तरेया सुजान दनियारी गांव के अभिषेक मिश्रा और कोइन्हा गांव के बाला हुसैन बताए गए है। इनके पास से पुलिस ने एक बाइक, एक पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस व तीन मोबाइल बरामद किया है।

बाइक की ठोकर से 10 वर्षीय बच्ची की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गोपालगंज । जिले के भोरे थाना क्षेत्र के खजुरिया में दरवाजे पर खड़ी एक 10 वर्षीय बच्ची को बाइक सवार ने ठोकर मार दी। गंभीर रूप से जख्मी बच्ची को इलाज के लिए गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं मृत लड़की के दादा के बयान पर स्थानीय थाने में बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बताया जाता है खजुरिया पश्चिम टोला गांव निवासी रमेश तिवारी की 10 वर्षीय पुत्री अन्नू तिवारी अपने दरवाजे पर खड़ी थी।

जनता दरबार लगाकर सांसद ने सुनीं लोगो की समस्याएं

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

शहर के थावे रोड स्थित सांसद के आवास पर सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंड से पहुंचे लोगो की सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ। आलोक कुमार सुमन ने एक-एक कर समस्याएं सुनी। इस दौरान संबधित विभाग के पदाधिकारी से बात कर कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निष्पापदन किया गया। जनता दरबार में रोजगार, एम्स में इलाज कराने की व्यवस्था, आधार कार्ड, पैन कार्ड, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता से इलाज कराने की व्यवस्था, पुलिस के द्वारा करवाई नही करने एवं विदेश में फँसे लोगों को बुलाने, सड़क तथा नाला बनवाने, रेलवे से संबंधी समस्याओं को लेकर पंहुचे थे। सांसद डॉ। आलोक कुमार सुमन ने लोगो की समस्याएं सुनने तथा इन समस्याओं के निदान का प्रयास करने को लेकर अपने आवास पर जनता दरबार लगाने की पहल की है। इस पहल के तहत सोमवार को सांसद ने अपने आवास पर जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंड के दर्जनों लोग अपनी समस्याओं को लेकर पंहुचे थे।

भाजपा हटाओ देश बचाओ के लिए भाकपा कार्यकर्ताओं ने की पदयात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा । भाकपा मढ़ौरा अंचल परिषद के कार्यकताओं ने प्रखंड के बहुआरा पट्टी पंचायत में भाजपा हटाओ देश बचाओ के नारे के तहत पदयात्रा का आयोजन किया।पार्टी के पूर्व जिला सचिव एवं राज्य परिषद सदस्य रामबाबू सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस पदयात्रा में मुख्य रूप से रामबाबू सिंह, प्रोफेसर रजाक हुसैन, प्रेम सुंदर ,विजेंद्र सिंह ,राज देव, साबिर हुसैन , शमसुद्दीन ,डॉ ० नुसरत अली , साहिल नुरैन् के द्वारा मुख्य रूप से बहुआरा पट्टी ग्राम में राशन कार्ड, आवास निर्माण ,मजदूरों के निबंधन , अनुदान जैसी ज्वलंत मुद्दों के प्रति स्थानीय प्रशासन से यथाशीघ्र हल करने की मांग किया।

मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता रामबाबू सिंह ने कहा भाजपा कि भाजपा की सरकार में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है ।सांप्रदायिक सद्भावना लगातार बिगाड़ने का कार्य हो रहा है। किसानों, बेरोजगारों द्वारा आत्महत्याओं का सिलसिला तेज है। संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है ।ऐसे समय में भाजपा सरकार को हटाना हमारा परम कर्तव्य एवं दायित्व हो गया है। जिसका निर्वाह करना आवश्यक है।

भारतीय वॉलीवाल टीम के प्रशिक्षण शिविर में चयनित हुए खिलाड़ी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । सारण जिला के रिविलगंज प्रखण्ड के इनई गांव के श्रीकृष्णा सिंह के पुत्र राजीव रंजन सिंह का चयन भारतीय वॉलीवाल टीम अंडर 21 के प्रशिक्षण शिविर के लिये हुआ है। जैसे ही खबर गांव वालों को मिला राजीव के परिवार एवं गाँव सहित पूरे प्रखण्ड में खुशी की लहर दौड़ गया। खासकर खिलाड़ियो में काफी खुशी देखा जा रहा है। भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय प्रभारी धर्मेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में रास्ट्रीय खिलाड़ी एवं खिलाड़ियो के साथ राजीव के घर जाकर उनके माता ,पिता,दादी ,चाचा एवं पूरे परिवार को मिठाई खिलाकर बधाई दिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि हमारे गांव इनई में 1952 से वॉलीवाल खेल की शुरूआत राजपूत स्पोर्टिंग क्लब के तत्वधान में क्लब के प्रथम सचिव स्वर्गीय जीत नारायण सिंह के नेतृत्व में शुरू हुआ। जो आज भी यह क्लब से खेल होता है ,इनई वॉलीबॉल से सारण जिला ही नही बल्कि पूरा बिहार का नाम रौशन किया है। इस वालीबॉल खेल से इनई गांव के बिहार -झारखंड संयुक्त रास्ट्रीय खिलाड़ी रमेश सिंह हुए, इस गांव के 3 दर्जन से ज्यादा लोग सचिवालय उओ,बिहार पुलिस हो या जिला खेल पदाधिकारी के रूप में सभी समाज के लोग सामान्य ,अल्पसंख्यक,यादव, सभी वर्ग के लोग यहाँ इस वॉलीवाल से नौकरी प्राप्त किया है। पता दे कि इसी इनई में 5 ,5 वार के सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ी विवेकानंद, एवं अभिषेख कालू है ।

इस अवसर पर रास्ट्रीय खिलाड़ी कालू, मुखिया प्रतिनिधि राजन सिंह, कोच विवेक सिंह, अमित कुमार, , समाजसेवी अभिषेक शर्मा अशोक कुमार, शिव पुकार जी सहित दर्जनों लोग शामिल थे। राजीव कल ही भुनेश्वर के लिये रवाना हो गय है। सभी लोगो ने उनको उज्ज्वल भविष्य के लिये कामना किया।

सामाजिक संस्था ने निशुल्क कैंप लगाया, दवा कराया गया उपलब्ध

छपरा। सोमवार को जलालपुर प्रखण्ड के ग्राम पंचायत राज माधोपुर के मिश्रवलिया में जोड़ा मन्दिर के समीप का है , अभी भी समाज में अग्रणी भूमिका निभा रहे विहंगम सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में, मुम्बई के संस्था अमिरी केयर इंडिया फाउण्डेशन के माध्यम से पाँच डाक्टरों की टिम द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लागाकर सैकड़ों रोगियों का जाँच कर के दवा का वितरण उपलब्ध कराया गया। इस शिविर में गाँव के सहयोगी मे मुख्य रूप से कृष्ण कुमार मिश्रा, पैक्स अध्यक्ष भीम बहार,अनिल मिश्र,श्रवण संदीप,गरीबन मिश्र,प्रवीण मिश्रा, शैलेन्द्र साधु,मो० नौशाद तथा मन्टू मिश्रा इत्यादि लोग थे।

वेतन निर्गत हो अन्यथा धरना एवं भूख हड़ताल के लिए तैयार : प्रो. महेंद्र सिंह

छपरा । जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के सचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय में अगर मार्च और अप्रैल माह का वेतन अतिशीघ्र निर्गत नहीं किया गया तो शिक्षक संघ 12 मई को काली पट्टी बांधकर प्रतिरोध प्रदर्शन करेंगे। उसके बाद अगला चरण धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल का होगा। इस संबंध में सोमवार को शिक्षक संघ में कुलपति से मुलाकात कर अपना ज्ञापन दिया और साथ में चेतावनी दिया कि अगर धरना प्रदर्शन और हड़ताल की स्थिति बनती है तो इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ही जिम्मेदार होगा। इस संदर्भ का ज्ञापन जय प्रकाश विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की ओर से ज्ञापन देने के लिए शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो० सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी, महासचिव प्रो० महेंद्र सिंह उपाध्यक्ष प्रो० अजीत कुमार तिवारी एवं कार्यकारिणी के सदस्य डॉ अभय कुमार सिंह उपस्थित थे।

शराब बरामदगी मामले में तीन लोगों पर केस दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मढ़ौरा के बाजीत भोरहा चंवर से एलटीएफ की टीम के द्वारा किए गए भारी मात्रा में शराब बरामदगी मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में तीन शराब कारोबारियों को अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस पदाधिकारी सुरेंद्र पासवान के बयान पर दर्ज की गई इस प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर जब एलटीएफ की टीम ने वाजिद भोरहा में बनाए जा रहे अवैध शराब के अड्डे पर छापेमारी किया तो पुलिस को देख कर वहां से बाजीत भोरहा निवासी प्रकाश नट, काली नट और राजेश नट फरार हो गया। इस दौरान वहां से कारोबारियों की एक बाइक को पुलिस ने बरामद किया। इस दौरान प्लास्टिक के गैलन और ट्रक के ट्यूब में भरकर रखे गए करीब 400 लीटर अवैध देशी शराब को जप्त किया। इस दौरान एलटीएफ की टीम ने इस चवर में चलाए जा रहे शराब के 4 भट्ठियों को भी ध्वस्त कर दिया। इस मामले में जिन शराब कारोबारियों को अभियुक्त बनाया गया है। उसमें प्रकाश नट, काली नट और राजेश नट का नाम शामिल है। पुलिस इस मामले में अभियुक्तों के खिलाफ जरूरी करवाई शुरू कर दी है।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना द्वारा सम्मानित हुए डॉ यादव

छपरा । बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना द्वारा रविवार को हिंदी और भोजपुरी के वरिष्ठ साहित्यकार विद्वान डॉ. सुदर्शन प्रसाद राय को हिन्दी भाषा एवं साहित्य की उन्नति में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राम गोपाल शर्मा रूद्र स्मृति सम्मान 2023 से विभूषित किया गया ।यह सम्मान अवध बिहारी चौधरी अध्यक्ष, बिहार विधान सभा के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. सी. पी.ठाकुर पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार,विधान पार्षद डॉ.संजय पासवान पूर्व कुलपति डॉ.अमर नाथ सिन्हा,बिहार राज्य गीत के रचयिता कविवर सत्यनारायण हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ.अनिल सुलभ,सुकविः श्री मृत्युंजय मिश्रा करुणेश, साहित्य के दर्जनों सुधी साहित्यकारों और साहित्य प्रेमी आदि उपस्थित थे। ऐसे तो भोजपुरी साहित्य में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ.सुदर्शन प्रसाद राय को यह सम्मान के लिए चयनित होना सारण के लिए गौरव का विषय है ।रामगोपाल शर्मा "रूद्र स्मृति" सम्मान इनके लिए योग्यता के अनुकूल भी है ।अपने अध्यापन जीवन में डॉ. सुदर्शन प्रसाद राय भी पुरुषन के पुरुषार्थ (2011)और भोजपुरी काव्यधारा में हास्य-व्यंग्य (2021)पुस्तक की रचना द्वारा लोक प्रियता हासिल किया है ।इन्हे स्वर्ण पदक की उपाधि , एम. ए.भोजपुरी विषय में मिल चुका है। आकाशवाणी पटना के भोजपुरी आरती कार्यक्रम के वार्ता प्रसारक भी है। साहित्य की दुनिया में राम गोपाल शर्मा "रूद्र"भी एक अद्भुत नाम है। निराला जी ने रूद्र जी के बारे में अपना मत प्रकट किया था कि रुद्र जी हिन्दी के एक पाएदार शायर है,उनके शब्द जितने सटीक और व्यंजक है बिम्ब उतने ही भास्वर । यह राम गोपाल शर्मा रूद्र स्मृति सम्मान डॉ.सुदर्शन प्रसाद राय को प्रेरणा शक्ति प्रदान करेगा ।यह सम्मान हितकारी और सौभाग्य मूलक भी है ।इस व्यक्तित्व का मूल्यांकन कर बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन ने बेहतर काम किया है।

पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कलश शोभा यात्रा से शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । मशरक के बहरौली गांव घोघारी नदी के समीप नव निर्मित राम जानकी हनुमान मंदिर में 8 मई से 12 मई तक चलने वाले 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पहले दिन सोमवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई । एक हजार से अधिक श्रद्धालु महिला पुरुष पूरे गांव का भ्रमण करते हुए दुमदुमा शिव मंदिर परिसर में पहुंच पूजा-अर्चना कर वापस गांव का भ्रमण करते हुए यज्ञ मंडप में पहुंचे। नव निर्मित मंदिर एवम आसपास के इलाके को पूजा समिति के सदस्यों द्वारा आकर्षक तरीके से सजाया गया है।। पूजा-अर्चना शुरू कराई गई। मुखिया अजीत सिंह की अध्यक्षता में निकाली गई कलशयात्रा में बीडीसी प्रतिनिधि चुनमुन बाबा, प्रखंड वार्ड संघ के उपाध्यक्ष मुकेश ओझा, बीटू बाबा,संतोष प्रसाद,सोनू कुमार, प्रिंस बाबा , रंजित कुमार,मनोज कुमार, निरंजन कुमार , कृष्णा प्रसाद सहित अन्य लोग व्यवस्था में शामिल हुए। मौके पर आचार्य कान्हा जी महाराज ने यजमान इंद्रासन प्रसाद की मौजूदगी में पूजा-अर्चना और कलशयात्रा का आयोजन कराया। कलशयात्रा में हाथी,घोड़ा,डीजे के साथ पीला वस्त्र धारण किए महिला और युवतियों ने भाग लिया। महायज्ञ आयोजन अध्यक्ष मुखिया अजीत सिंह ने बताया गया कि सोमवार को कलशयात्रा से शुरू हुए महायज्ञ कार्यक्रम के साथ 09 मई से अखंड अष्ट्याम, 10 मई को अधिवास, 11 मई को प्राण प्रतिष्ठा तथा 12 मई को पूणार्हुति एवं विशाल भंडारा आयोजित है । वहीं मुख्य यजमान इंद्रासन प्रसाद और योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस महायज्ञ में काशी और विंध्याचल से प्रवचनकताओं के द्वारा तीन दिन संध्या 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रवचन किया जाएगा।

स्नातक प्रतिष्ठा विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, कुल 19 निष्कासन

छपरा। सोमवार को जय प्रकाश विश्वविद्यालय द्वारा संचालित टी डी सी पार्ट वन सत्र 2021-24 की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। कुलपति ने बताया कि प्रथम और द्वितीय दिन की तुलना में आज चतुर्थ दिन बहुत सुधार हुआ है छपरा जनपद में कुल 9 महाविद्यालय से 9 निष्कासन हुआ। सीवान के तीन महाविद्यालय में परीक्षा चल रहीहै,जिसमें कुल 6 निष्कासन हुआ और गोपालगंज के तीन महाविद्यालय से कुल 5 निष्कासन हुआ। कुलपति प्रोफेसर फारूक अली ने कहा कि सभी विद्यार्थी और अभिभावक पूरा सहयोग देने लगे हैं। प्रतिकुलपति ड़ॉ लक्ष्मी नारायण सिंह ने आज दो महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। प्रतिकुलपति के साथ प्रोफेसर हरिश्चंद्र समायोजक महाविद्यालय विकास परिषद भी मौजूद थे।

सम्पादकीय

भारत की बुलंद आवाज से गिरेगी आतंकवाद पर गाज

आतंकवाद मानव सभ्यता के लिये सबसे बड़ा खतरा है जिसका इतिहास काफी पुराना है, जो समाज के स्वयंभू आचरण वाले असमाजिक गिरोहों द्वारा स्वहित में उठाया अमानवीय कुकृत्य कर्म है जिसका शिकार आज विश्व स्तर पर सभी कौम के लोग है। जिसकी शुरूआत आज से 2 हाजार पूर्व बताई जा रही है जब से सिकारी उग्रपंथियों ने रोमनों और उससे सहानुभति रखने वाले लोगों को उनके स्थान से भगाना चाहा। आज यह विश्व स्तर की घटना बन चुकी है, जहां कोई किसी के लिये माने नहीं रखता। इस तरह की अमानवीय विश्व स्तर पर आतंकवाद की कई घटनाएं घटित हुई जिसमें प्रमुख घटनाएं 1920 में वॉल स्ट्रीट पर बमबारी,1925 में संत नेदेल्या चर्च पर हमला, 1979 में मक्का पर कब्जा, 1993 में मुम्बई बम कांड, 1998 में अमेरीकी दूतावास पर बमबारी, 2001 में अमेरीका के न्यूयॉर्क शहर के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला ,2002 में बाली बम कांड, 2006 में मुम्बई के टेनों में बम बिस्फोट, 2007 में कराची पर बम हमला, बगदाद बमबारी, 2008 में मुंबई आतंकी हमला, 2014 में पेशावर आर्मी स्कूल पर हमला, 2015 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आतंकी हमला। इसके साथ कई एयर प्लेन अपहरण, मानव बम, टिफीन बम, अटैची बम आदि आतंकवादी हथियारों के अनेक निर्दोष मानव शिकार हुये है। इन आतंकवादियों का अपना ही समाज है जो मानवता के लिये सदैव अहितकारी रहे है जिन्हें पनपाने में आज भी विश्व स्तर पर फंडिग, हथियार देने का क्रम जारी है। इस आतंकवाद ने हमसे कई महान विभूतियों को छिन लिया है जिसकी भरपाई किसी भी कीमत पर कर पाना कतई संभव नहीं।

आतंकवाद अपने आप में अघोषित युद्ध हो गया है जिसका छद्म रूप युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। आये दिन देश या विदेश का कौन सा प्रभाग इसके चंगुल का शिकार हो जाय, कह पाना मुश्किल है। देश के भीतरी भाग में घटित आतंकवादी घटनाएं, युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। इस तरह के विनाशकारी परिवेश से आज हम कहीं भी अछूते नहीं रह गये हैं। जब से शांति पहल एवं पड़ौसी देश पाक से बेहतर संबंध बनाने की दिशा में सदियों से बंद पड़े रास्ते खोल दिये गये तब से देश के भीतरी भाग में आतंकवादी गतिविधियां सर्वाधिक सक्रिय होती दिखाई देने लगी। देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली जाली नोटों का देश में बड़े पैमाने पर विस्तार होता गया। इस तरह के निर्णय देश के हित में अहितकारी ही साबित हुए। जब-जब यह द्वार खुला है आतंकवादी घुसपैठियों की जमात देश के भीतरी तह तक आसन जमाती गई हैं। दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, मुम्बई जैसे अनेक चर्चित शहर इसके शिकार रहे हैं, देश की सर्वोच्च अस्मिता संसद भी इस तरह के परिवेश से अछूती नहीं रही। आतंकवाद का विरोध सदा से भारत करता आ रहा है और आज भी कर रहा है। जिसकी मिसाल बतौर गोवा में विश्व स्तर पर आयोजित एस सी ओ के तहत हो रही विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत सरकार के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने उद्घाटन भाषण में आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुये कहा कि आज आतंकवाद पूरी दुनियां के लिये खतरा बन चुका है जिसपर हर हालत में रोक लगना जरूरी है। आतंकवाद से लड़ाई हमारी प्राथमिकता है और इसे जड़ से मिटाने के लिये संकल्पित है। आतंकवाद के खिलाफ सभी को मिलकर लड़ना होगा। आतंकवाद को सही ठहराना एवं इसे समर्थन देना हर हालत में गलत है। इसे किसी भी तरह की हो रही फंडिंग पर रोक लगना जरूरी है। आतंकवाद को अभी हराया नहीं जा सका है, इसे जड़ से मिटाने के लिये सभी की सहभागिता जरूरी है। यह सभी का दुश्मन है जिसे हर हालत में मानवता के हित में मिटाना जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की इस बुलंद आवाज की गाज निश्चित तौर पर आतंकवादियों पर गिरेगी, जिससे उनका मनोबल गिरेगा एवं दुनियां को एक दिन इससे राहत मिलेगी।

सियासत के दामन पर गुनाहों के दाग

प्रताप सिंह पटियाल

देश के हजारों इंकलाबी चेहरों की लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानिया हुकूमत से हिंदोस्तान को आजादी नसीब हुई थी। आजादी के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली के लिए देश के राजाओं ने अपनी सैंकड़ों रियासतों का भारत में स्वैच्छिक विलय करके राष्ट्रवाद की नजीर पेश की थी। ज्यादातर रियासतों पर राजपूत वर्चस्व था। राजाओं के त्याग के बाद ही मुल्क का निजाम लोकतांत्रिक हुआ था, मगर देश का तंत्र पूरे तौर पर लोक को आज भी समर्पित नहीं हो रहा है। लोकतंत्र में सियासतदान अपने जीवन की शुरूआत जनसेवक के रूप में करते हैं, मगर सत्ता की दहलीज पर पहुंचने के बाद सियासी हुक्मरान स्वयं को जम्हूरियत का गालिब मान बैठते हैं। देश के कई सियासतदानों के नाम के साथ माफिया, डॉन व बाहुबली जैसे शब्द जुडे से सियासत कुख्यात हो चुकी है। कई सियासतदानों के कैरियर का आगाज गुनाहों की गलियों से हो रहा है। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले में राष्ट्रीय राइफल्स के वाहन पर आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। गत 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पुलिस फोर्स के ग्यारह जवान नक्सली बर्बरता का शिकार हो गए, लेकिन हाल ही में उत्तर प्रदेश में माफियाओं की मौत तमाम न्यूज चैनलों पर बहस का मरकज बनी रही। देश की रक्षा में मुस्तैद जवानों के बलिदान की जगह माफियाओं की मौत को ही तवज्जो दी गई। उन माफियाओं की फुरकत में देश की सियासत से लेकर बैरूनी मुल्कों तक मातम मनाया जा रहा है। यह स्पष्ट है कि सियासी पनाह के बिना किसी माफिया या बाहुबली की पैदाईश नहीं होती। ऐसा कोई संगीन जुर्म नहीं जो सियासतदानों के दामन पर न लगा हो।

विडंबना है कि रंगदारी, अपहरण व कत्ल जैसी संगीन वारदातों में मुल्लविश जिन माफियाओं पर अदालतें फैसला सुनाने से बचती हों, पुलिस व प्रशासन कानूनी कार्रवाई करने से खौफजदा रहते हो, खुद को आईन से ऊपर समझने वाले जिन माफियाओं के अपराध को रोकने में सलाखें भी लाचार हैं, उन माफियाओं के रुखसत होने पर सियासत में भूचाल आ जाता है। सियासी वर्चस्व की जंग को अदावत में तब्दील करने वाले माफियाओं की मौत पर कई सियासतदान घडिली अश्क बहाकर कानून की दुहाई दे रहे हैं। मौजूदा सियासत की यही खुसुसियत लोकतांत्रिक प्रणाली के भविष्य के लिए अशुभ संकेत साबित हो रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुरक्षा एजेंसियों से लेकर देश के हर इदारे पर हुक्मरानी सियासी रहनुमाओं की होती है। लोगों की काफी उम्मीदें चुने हुए प्रतिनिधियों पर टिकी होती हैं। मगर देश के करोड़ों लोगों की नुमाईदगी करने वाली लोकतंत्र की संस्थाओं में दागी व माफियाओं का संगम यदि जम्हूरियत की जीनत बन जाए तो लोगों का लोकतंत्र से भरोसा उठना तय है। हालात इस कदर बेकाबू हो रहे हैं कि समाज में शराफत भरे लोग माफियाओं से ज्यादा कानून व सुरक्षा एजेंसियों से डर रहे हैं। आम लोगों के हकूक की आवाज लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ सहाफत बुलंद कर रहा है। मजलूमों की आवाज समाज का दर्पण कहे जाने वाले सहाफी बन रहे हैं। देश के न्यायालय न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों से लेकर देश के लगभग हर विभाग में अहलकारों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं। उच्च शिक्षित युवावर्ग बेरोजगारी के बोहरान में फंसकर गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे हैं। बेरोजगारी की शिद्दत युवावेग के दिशाहीन होने का कारण बन रही है। मौसम के बेरुखे मिजाज से कृषि अर्थतंत्र की बुनियाद किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ रही हैं। मगर देश में सियासी जमातों की तादाद व सियासतदानों की सुख सुविधाओं में कोई कमी नहीं है। जिन सियासी रहनुमाओं की नीतियों पर देश के भविष्य की तस्वीर तय होगी, वे अपने सियासी साम्राज्य के मुस्तकबिल को बचाने वाली नीतियों में मशगूल हैं। अतीतकाल से अध्यात्म, राष्ट्रभक्ति व वसुधैव कुटुंबकम जैसी महान संस्कृति का वारिस रहा विश्व गुरु भारत यदि वर्तमान में सांप्रदायिक माहौल की दहलीज पर खड़ा है तो इसका श्रेय भी देश की सियासत व मजहब के रहनुमाओं को ही जाता है। कई सियासतदान संविधान का हवाला देकर अपनी तकरीरों में जहर उगल कर देश के आईन को ही आईना दिखाने में गुरेज नहीं करते। सियासी वजूद को बचाने के लिए जाति मजहब व मुतनाजा बयानबाजी का सहारा लिया जाता है। जनप्रतिनिधियों का यह आचरण सियासत में अस्थिरता का तनाजुर पैदा कर रहा है। अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए सियासी कयादत यदि अपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों की मेजबानी इसी तरह करती रही तो लोकतांत्रिक ढांचे में अराजकता का मंजर पैदा होना स्वाभाविक है।

बारूद उगलती सियासी तकरीरों से आहत होकर भाषा की शालीनता, तहजीब, मयार्दा, नैतिकता, गरिमा व अदब जैसे शब्द अपना वजूद बचाने को मजबूर हो चुके हैं। हिकारत भरी भाषणबाजी से लोगों के जज्बात भी महफूज नहीं हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने सख्त रुख अख्तियार करके सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को हेट स्पीच देने वालों पर बिना किसी शिकायत के मामला दर्ज करने का फरमान जारी किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में विश्व की सबसे बड़ी आबादी की सदारत करने वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते अपराधिकरण का जिम्मेवार कौन है। सियासतदानों को अपने वोट की ताकत से जम्हूरियत का हाकिम बनाने वाली सर्वोच्च ताकत मतदाताओं को इस विषय पर तफसील से गौर फरमानी होगी। राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण से सियासी रहनुमाओं में राष्ट्रवाद की भावना का अभाव साफ झलकता है।

द केरल स्टोरी : फिल्म बनी दुष्प्रचार का हथियार

हमें यह भी याद आता है कि राज्य में ईसाई धर्म का आगमन सन् 52 ईस्वी में संत सेबेस्टियन के जरिए हुआ और सातवीं सदी में इस्लाम यहां अरब व्यापारियों के माध्यम से आया। इस सबके विपरीत फिल्म ह्यद केरला स्टोरीह्न (टीकेएस) का टीजर और प्रोमो इसे एक ऐसे राज्य के रूप में दशार्ते हैं जहां लोगों को मुसलमान बनाया जा रहा है, हिन्दू लड़कियों व महिलाओं को जबरदस्ती इस्लामिक स्टेट में विभिन्न भूमिकाएं निभाने के लिए मजबूर किया जा रहा है और उन्हें सीरिया, लेबनान आदि भेजा जा रहा है। केरला स्टोरी, फिल्म द कश्मीर फाईल्स (केएफ) की तर्ज पर बनाई गई हैं, जिसमें अर्धसत्य दिखाए गए हैं और मुख्य मुद्दों को परे रखकर नफरत फैलाने और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। केएफ को गोवा में आयोजित 53वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की जूरी के प्रमुख ने प्रचार फिल्म बताया था।

राम पुनियानी

अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।

केरल का नाम सुनते ही हमारे मन में उभरता है एक ऐसा राज्य जहां शांति और सद्भाव का राज है, जहां निरक्षरता का निर्मूलन हो चुका है, जहां शिक्षा एवं स्वास्थ्य सूचकांक बहुत अच्छे हैं, और जहां कोविड-19 महामारी का मुकाबला सर्वोत्तम तरीके से किया गया। हमें यह भी याद आता है कि राज्य में ईसाई धर्म का आगमन सन् 52 ईस्वी में संत सेबेस्टियन के जरिए हुआ और सातवीं सदी में इस्लाम यहां अरब व्यापारियों के माध्यम से आया। इस सबके विपरीत फिल्म ह्यद केरला स्टोरीह्न (टीकेएस) का टीजर और प्रोमो इसे एक ऐसे राज्य के रूप में दशार्ते हैं जहां लोगों को मुसलमान बनाया जा रहा है, हिन्दू लड़कियों व महिलाओं को जबरदस्ती इस्लामिक स्टेट में विभिन्न भूमिकाएं निभाने के लिए मजबूर किया जा रहा है और उन्हें सीरिया, लेबनान आदि भेजा जा रहा है।

केरला स्टोरी, फिल्म द कश्मीर फाईल्स (केएफ) की तर्ज पर बनाई गई हैं, जिसमें अर्धसत्य दिखाए गए हैं और मुख्य मुद्दों को परे रखकर नफरत फैलाने और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। केएफ को गोवा में आयोजित 53वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की जूरी के प्रमुख ने प्रचार फिल्म बताया था। जूरी के एक अन्य सदस्य ने इस फिल्म को अश्लील कहा था। टीकेएस 5 मई को रिलीज होगी। इसका टीजर पिछले साल 2 नवंबर को जारी हुआ था और इसका ट्रेलर 27 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। इन्हें देखकर इस बात का साफ संकेत मिलता है कि फिल्म में अर्धसत्य दिखाए गए हैं और बिना पर्याप्त शोध के धर्मपरिवर्तन, इस्लामिक स्टेट में लड़ाकों की भर्ती, ईराक पर अमेरिका के हमले के बाद उभरे आतंकी संगठनों और पश्चिम एशिया के तेल उत्पादक इलाकों में रूस को पैर न जमाने देने के लिए अमेरिका द्वारा कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों को प्रोत्साहन दिए जाने आदि मुद्दों को उठाया गया है।

टीकेएस में दावा किया गया है कि आईएस द्वारा 32,000 हिन्दू लड़कियों का धर्मपरिवर्तन करवाया गया है। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि इस आंकड़े का स्त्रोत संदिग्ध है। आदिल रशीद द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेन्स स्टडीज एंड एनालेसिस (आईडीएसए) के लिए तैयार किए गए एक शोधपत्र वाय फ्यूअर इंडियन्स हैव ज्वाइंड आईएसआईएस के अनुसार दुनिया भर से लगभग 40,000 लोग आईएसआईएस में शामिल हुए हैं। भारत से सौ से भी कम लोग आईएसआईएस के प्रभाव वाले सीरिया और अफगानिस्तान के इलाकों में गए और लगभग 155 को आईएसआईएस से उनके संबंधों के कारण गिरफ्तार किया गया। वर्ल्ड पाप्युलेशन रिव्यू के दुनिया भर से आईएसआईएस में हुई भर्ती संबंधी आकड़ों से पता चलता है कि जिन देशों से बड़ी संख्या में लोग आईएसआईएस में शामिल हुए वे हैं ईराक, अफगानिस्तान, रूस, ट्यूनिशिया, जार्डन, सउदी अरब, तुर्की एवं फ्रांस आदि। सबसे अधिक भर्तियां मध्यपूर्व से हुईं और उसके बाद यूरोप से। आईएसआईएस में शामिल हुए भारतीयों की संख्या बहुत कम है। केरल की धर्मांतरित महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने संबंधी दावे कोरी बकवास हैं।

इस फिल्म के निमार्ता अपने आपको सत्यवादी सिद्ध करने पर इस कदर आमादा हैं कि उन्होंने यह दावा किया है कि फिल्म एक सच्ची कहानी पर आधारित है। वे एक लड़की की कहानी सुनाते हैं जिसे अहसास हो गया है कि उसे फंसा लिया गया है वह अब अफगानिस्तान की एक जेल में है। उस लड़की का दावा है कि कई और लड़कियां उसी की जैसी स्थिति में हैं। मात्र इस आधार पर फिल्मकार दावा करते हैं कि उनके पास कई लड़कियों के बयान हैं और इस आधार पर वे 32,000 की संख्या तक पहुंच गए।

केरल में धर्मांतरण की स्थिति पर कई अलग-अलग बातें कही गईं हैं। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओम्मन चांडी ने राज्य विधानसभा में सन् 2006 से लेकर 2012 तक के धर्मांतरण संबंधी विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए थे। उन्होंने बताया था कि सन् 2006 से लेकर 2012 तक कुल 7,713 व्यक्तियों ने धर्मपरिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण किया जबकि 2,803 धर्म परिवर्तित कर हिन्दू बन गए। यह दिलचस्प है कि उन्होंने कहा कि ईसाई धर्म ग्रहण करने वालों के संबंध में कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 2009-12 के बीच इस्लाम अपनाया उनमें से 2,667 युवा महिलाएं थीं जिनमें से 2,195 हिन्दू और 492 ईसाई थीं। उन्होंने कहा कि किसी का भी जबरदस्ती धर्म परिवर्तन नहीं हुआ है।

लव जिहाद (हिन्दू लड़कियों को मुसलमान बनाना) के नाम पर जुनून पैदा करने का काम केरल से शुरू हुआ था। हम सब जानते हैं कि साम्प्रदायिक ताकतों को अपनी जड़ें जमाने के लिए विघटनकारी और भावनात्मक मुद्दों की सख्त जरूरत होती है। अब चूंकि केरल में राम मंदिर और पवित्र गाय जैसे मुद्दों पर लोगों को भड़काना संभव नहीं था इसलिए झूठ और अर्धसत्यों को अनेक तरीकों से समाज में फैलाने में माहिर तंत्र ने लव जिहाद की काल्पनिक कथा गढ़ ली। चांडी ने यह भी कहा था, हम जबरदस्ती धर्म परिवर्तन नहीं होने देंगे और ना ही हम लव जिहाद के नाम पर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के अभियान को चलने देंगे। राज्य के विभिन्न शहरों के पुलिस आयुक्तों द्वारा की गई जांच में यह सामने आया कि हिन्दू और ईसाई लड़कियों को बहला-फुसलाकर मुसलमान बनाने का कोई संगठित और सुनियोजित प्रयास नहीं हो रहा है। परंतु भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया। लव जिहाद भले ही कहीं नहीं हो रहा हो परंतु 11 राज्यों में लव जिहाद के खिलाफ कानून बन चुके हैं! हाल में महाराष्ट्र में सकल हिन्दू समाज नामक संगठन ने इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन किया। लव जिहाद हिन्दू समुदाय के लिए खतरा है, इस झूठ को इतनी बार दुहराया गया है कि वह मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भड़काने का हथियार बन गया है। लव जिहाद हो रहा है या लव जिहाद जैसी कोई चीज है इसका कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। सूचना का अधिकार के तहत पूछे गए एक प्रश्न के 11 नवंबर 2020 को दिए गए उत्तर में राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि वह लव जिहाद के संबंध में कोई आंकड़े नहीं रखता। लव जिहाद से संबंधित शिकायतों की कोई अलग श्रेणी नहीं है और ऐसे कोई आंकड़े आयोग द्वारा संधारित नहीं किए जाते।

केरल की सत्ताधारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग इस फिल्म के प्रदर्शन के खिलाफ हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलेगी। राज्य के मुख्यमंत्री पिनयारी विजयन ने कहा कि रचनात्मक स्वतंत्रता का धार्मिक आधार पर समाज को बांटने के लिए दुरूपयोग नहीं किया जाना चाहिए। इस फिल्म के प्रदर्शन के खतरनाक नतीजों को भांपते हुए केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट कर कहा है कि ऐसे व्यक्ति को एक करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा जो यह साबित कर सके कि 32,000 लड़कियां काल्पनिक लव जिहाद की शिकार हुई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शुद्ध झूठ पर आधारित इस फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अभी कुछ ही समय पहले सर्वोच्च न्यायालय ने अपने सर्वश्रेष्ठ निर्णयों में से एक में कहा है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों का राज्य सरकारों को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और यदि वे ऐसा नहीं करतीं तो इसे न्यायालय की अवमानना समझा जाएगा। न्यायालय को एक कदम और आगे बढ़कर यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि कलात्मक स्वतंत्रता के नाम पर प्रचार फिल्मों पर रोक लगाई जानी चाहिए या कम से कम सेंसर बोर्ड को यह जांच करनी चाहिए कि फिल्म को जिन तथ्यों या आंकड़ों पर आधारित बताया जा रहा है वे कितने प्रामाणिक हैं।

टेक्सटाइल सेक्टर की नई अहमियत

यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में टेक्सटाइल सेक्टर कृषि के बाद रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र भी है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4 .5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 6 करोड़ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है। जिस तरह इस समय टेक्सटाइल सेक्टर को रणनीतिक रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे टेक्सटाइल उद्योग में अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल और महिला श्रम शक्ति के साथ-साथ नए कम्प्यूटर एआई पेशेवरों के लिए भी रोजगार के और अधिक प्रचुर मौके निर्मित होंगे। टेक्सटाइल सेक्टर में सभी प्रकार के लोगों के लिए रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। युवा अपनी कुशलता के आधार पर विभिन्न रूपों में करियर बना सकेंगे।

डा. जयंती लाल भंडारी

लेखिक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

इस समय देश ही नहीं दुनिया के टेक्सटाइल विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार ने टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश के सात राज्यों तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के लिए अगले पांच सालों में पूरा करने का लक्ष्य रखते हुए 4445 करोड़ रुपये आवंटन की जिस पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क योजना को मंजूरी दी है और एक अप्रैल 2023 से जिस अभूतपूर्व नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) को लागू किया गया है, उससे टेक्सटाइल सेक्टर में उत्पादन, निर्यात और रोजगार के मौके छलांगे लगातार बढ़ते हुए दिखाई देंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में टेक्सटाइल सेक्टर कृषि के बाद रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र भी है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4.5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 6 करोड़ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है। जिस तरह इस समय टेक्सटाइल सेक्टर को रणनीतिक रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे टेक्सटाइल उद्योग में अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल और महिला श्रम शक्ति के साथ-साथ नए कम्प्यूटर एआई पेशेवरों के लिए भी रोजगार के और अधिक प्रचुर मौके निर्मित होंगे। टेक्सटाइल सेक्टर में सभी प्रकार के लोगों के लिए रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। युवा अपनी कुशलता के आधार पर विभिन्न रूपों में करियर बना सकेंगे। गौरतलब है कि प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए के पांच एफ (फार्म टू फाइबर, फायबर टू फैक्ट्री, फैक्टरी टू फैशन तथा फैशन टू फॉरेन) विजन और प्लग एंड प्ले एकीकृत बुनियादी ढांचे की आधुनिक अवधारणा पेश की है। वस्तुतः पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क एक ही स्थल पर कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई व छपाई से लेकर टेक्सटाइल निर्माण तक एक एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला का अवसर प्रदान करते हुए दिखाई दे रहा है। प्रत्येक मेगा टेक्सटाइल पार्क से करीब एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में पीएम मित्र पार्क दुनिया के लिए मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड की पहल के बेहतरीन उदाहरण बनेंगे और मेगा टेक्सटाइल पार्क के माध्यम से घरेलू निमार्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में समान मौके मिलेंगे। ऐसे में भारत का टेक्सटाइल निर्यात जो वर्ष 2021-22 में 44.4 अरब डॉलर रहा है, वह वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को पार करते हुए दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि भारत में टेक्सटाइल उद्योग शताब्दियों के समृद्ध इतिहास के साथ देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2 प्रतिशत से अधिक और मूल्य के संदर्भ में देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में करीब 7 प्रतिशत योगदान करता है। वर्तमान में भारत दुनिया में कपड़ों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है तथा वैश्विक रेडीमेड गारमेंट बाजार में अपना एकाधिपत्य जमाने को तैयार है। भारत से होने वाले कुल टेक्सटाइल और परिधान निर्यात सबसे अधिक करीब 27 प्रतिशत अमेरिका को किया जाता है। इसके बाद करीब 18 प्रतिशत यूरोपीय संघ को, करीब 12 फीसदी बांग्लादेश और करीब 6 फीसदी संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है। निःसंदेह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने एक के बाद एक विभिन्न नीतिगत पहलों और योजनाओं को लागू करके प्रभावी कदम उठाए हैं। सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में अहम कदम आगे बढ़ाते हुए कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन को बढ़ावा देने और के लिए 10683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार ने संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना, एकीकृत वस्त्र पार्कों के लिए योजना, कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण की योजना लागू की हैं, जिनके अनुकूल परिणाम आ रहे हैं। सरकार के द्वारा शुल्क वापसी योजना के अंतर्गत 23 मार्च से हो रहे निर्यात पर विभिन्न लाभ दिए जा रहे हैं। साड़ी और लुंगी समेत कपड़ा क्षेत्र की 18 वस्तुओं के व्यापार को बढ़ाने के उद्देश्य से इनको भी निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट के अंतर्गत लाभ दिए जा रहे हैं। इस समय देश में टेक्सटाइल के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, निर्यात बढ़ाने तथा एक कुशल और एकीकृत कपड़ा क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए टेक्सटाइल सेक्टर के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के लिए तरजीही टैरिफ देने के कारण भारत से टेक्सटाइल निर्यात को नुकसान हुआ है। बांग्लादेश चीनी धागों का आयात करता है, उन्हें अपने सस्ते श्रम का इस्तेमाल करके कपड़े बनाता है और बिना किसी आयात शुल्क इस तरह के कपड़े भारत को निर्यात करता है। ऐसे में बांग्लादेश को दी गई शुल्क मुक्त बाजार की पहुंच भारत में चीनी वस्त्रों के अप्रत्यक्ष प्रवेश की सुविधा प्रदान कर रही है। देश में चीन और कुछ अन्य देशों से टेक्सटाइल के सस्ते आयात कुछ क्षेत्रों में घरेलू टेक्सटाइल उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। निःसंदेह इस समय भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर के लिए टेक्सटाइल के वैश्विक बाजार में आगे बढे तथा वैश्विक बाजार में प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनने के शानदार अवसर उभरकर दिखाई दे रहे हैं। ऐसे अवसर को मुठ्ठी में करने के लिए टेक्सटाइल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा। अब टेक्निकल टेक्सटाइल में मशीनरी और उपकरणों के स्वदेशी विकास की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति तथा डिजाइन, इंजीनियरिंग, फैब्रिकेशन तथा प्रोटोटाइपिंग में स्थानीय कौशल का दोहन किया जाना होगा। टेक्सटाइल से संबंधित विषय के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप व अनुदान से लाभान्वित करके टेक्निकल टेक्सटाइल के मैन्युफैक्चरिंग और एप्लिकेशन क्षेत्र दोनों के लिए उद्योग-प्रशिक्षित पेशेवरों तथा अत्यधिक कुशल श्रमिकों को तैयार किया जाना होगा। टेक्निकल टेक्सटाइल में निजी और सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाने के लिए टेक्सटाइल के डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों को नए दौर की टेक्सटाइल से जुड़ी अध्ययन सामग्री से सुसज्जित करना होगा। हम उम्मीद करें कि एक अप्रैल को लागू की गई देश की नई विदेश व्यापार नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता तथा पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क एवं टेक्सटाइल सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए लागू की गई प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना, बुनियादी ढांचे के निर्माण और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन से भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर निर्यात का लक्ष्य प्राप्त करते हुए कुल 250 अरब डॉलर कारोबार की ऊंचाई को पार करते हुए देश के प्रमुख रोजगार प्रदाता उद्योग के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

जांच एजेंसियों का जस का तस पुराना रवैया

विनीत नारायण

बीते शुक्रवार को किसी समय देश की सबसे बड़ी रही निजी एयरलाइन के यहाँ सीबीआई के छापे पड़े। ये छापे जेट एयरवेज पर 538 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले के आरोप के चलते पड़े। पिछले कई महीनों से जेट एयरवेज के नए स्वामी जालान कालाँक समूह को लेकर काफी विवाद है। अब इन छापों से जेट एयरवेज के गड़े मुर्दे फिर से बाहर आने लगे हैं। इसके साथ ही लंबित पड़ी शिकायतों पर बहुत देरी से कार्यवाही करने वाली जाँच करने के लिए एजेंसियाँ भी सवालों के घेरे में आएँगी। ऐसा नहीं है कि निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज ने केवल बैंक घोटाला ही किया है। इस समूह ने देश के नागर विमानन क्षेत्र में अपनी दबंगई के चलते कई नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई। नागर विमानन मंत्रालय व अन्य मंत्रालयों ने आँखें बंद रखीं। 2014 से हमने जेट एयरवेज की तमाम गड़बड़ियों की सप्रमाण लिखित शिकायतें नागर विमानन मंत्रालय, डीजीसीए, गृह मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, सीवीसी और सीबीआई को दी। परंतु जेट एयरवेज के मालिक नरेश गोयल की ताकत के चलते इन शिकायतों पर कछुए की चाल से कार्यवाही हुई। आखिरकार जब ये कंपनी दिवालिया हुई तो शिकायतें भी ठंडे बस्ते में चली गयीं। परंतु आज जब सीबीआई ने बैंक घोटाले की शिकायत पर कार्यवाही शुरू की तो सवाल उठा कि केवल बैंक घोटाले पर ही जाँच क्यों? जेट एयरवेज पर नागर विमानन कानून की धज्जियाँ उड़ाने, सोने व विदेशी मुद्रा की तस्करी, कंपनी के खातों में गड़बड़ी, कंपनी की सुरक्षा जाँच को लेकर गड़बड

संक्षिप्त खबरें

युवक ने गृह कलह के कारण फांसी लगाकर आत्म हत्यो की

उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के हृदयपुर गांव में एक युवक ने कथित तौर पर गृह कलह के कारण फांसी लगाकर आत्म हत्यो कर ली। दोकटी थाने के प्रभारी मदन लाल पटेल ने सोमवार को बताया कि हृदयपुर गांव निवासी पवन माली (25) ने रविवार को अपने कमरे में पंखे से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि कमरा बंद होने पर पत्नी के शोर मचाने पर पड़ोसियों के आने के बाद किसी तरह दरवाजा खोला गया, तो पवन पंखे से लटका हुआ मिला। पटेल के अनुसार लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि यह प्रथम दृष्टया पारिवारिक कलह को लेकर आत्महत्या करने का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उप्र एटीएएस ने सात रोहिंग्या घुसपैठियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने अवैध रूप से भारत में रह रहे सात रोहिंग्या घुसपैठियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सूचना मिलने पर एटीएस की टीम ने गत शनिवार को कानपुर नगर के झकरकटी बस अड्डे के पास सात रोहिंग्या घुसपैठियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से भारत में रह रहे इन रोहिंग्या लोगों में चार महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। इसके अलावा त्रिपुरा के रहने वाले एक व्यक्ति को भी पकड़ा गया है। इस मामले में लखनऊ स्थित केटीएस थाने में मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए लोगों से पूछताछ में त्रिपुरा निवासी दलाल अनवर और विमल मियां, जम्मू-कश्मीर के रहने वाले तय्यूब और यासमीन तथा बांग्लादेश निवासी जाहिद आलम और जुबेर के नाम भी प्रकाश में आए हैं। सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए गिरोह के सदस्य रोहिंग्या लोगों को म्यांमा से लाकर बांग्लादेश स्थित रोहिंग्या शिविरों में ठहराते हैं और इसके बाद उन्हें पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा की अंतरराष्ट्रीय सीमा से चोरी-छिपे भारत में दाखिल करा देते हैं। इसके बाद इन्हें गुवाहाटी लाया जाता है, जहां से इन लोगों को पश्चिम बंगाल, ओडीशा, तेलंगाना, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर ले जाया जाता है। सूत्रों के मताबिक, इसके बाद जाली भारतीय दस्तावेज तैयार कर इन्हें भारतीय नागरिक के रूप में बसा दिया जाता है और इस काम में पहले से ही भारत में रह रहे उनके रिश्तेदार सहयोग करते हैं।

दुष्कर्म के आरोपी के परिजनों पर थाने में महिला सिपाही से मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप

बरेली जिले के ग्रामीण क्षेत्र में दुष्कर्म के एक आरोपी की गिरफ्तारी से नाराज उसके परिजनों को थाने में घुसकर पहरे पर तैनात एक महिला सिपाही से मारपीट करने और उसकी वर्दी फाड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात क्षेत्र) राजकुमार अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि इसी साल 20 मार्च को एक व्यक्ति ने अपनी बेटी के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शीशगढ़ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर उसके परिजन के सुपुर्द कर दिया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने रविवार को इस मामले में आरोपी शब्बू (23) को गिरफ्तार किया था। अग्रवाल के अनुसार शब्बू के पकड़े जाने की सूचना पर उसके परिजन शब्बर, शहनाज, तरन्नुम, फूल जहां और शैदान थाने पहुंचे और शब्बू को झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। अधिकारी के अनुसार परिजनों ने शब्बू को पुलिस से छुड़ाकर ले जाने की कोशिश की। अग्रवाल ने बताया कि पहरे पर तैनात महिला सिपाही निशा ने शब्बू और उसके परिजन को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने उसके साथ न सिर्फ मारपीट की बल्कि उसकी वर्दी भी फाड़ दी। उन्होंने कहा कि महिला सिपाही की चीख-पकार सुनकर पहुंचे साथी पुलिसकर्मियों ने उसे छुड़ाया और शब्बू और उसके परिजन को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए परिजन के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 225 (आरोपी को छुड़ाने), 353 (सरकारी काम में बाधा डालने), 147 (उपद्रव) और 504 (शांतिभंग करने) के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें तथा शब्बू को जेल भेज दिया है।

पिछली सरकारों में परिवार विशेष को दी जाती थी लूट की छूट : योगी

प्रयागराज, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्षी पार्टियों पर हमला करते हुए कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस के लोग तुष्टिकरण की नीति पर चलकर समाज को जाति के आधार पर बांटते थे और परिवार विशेष को लूट करने की छूट देते थे। शहर में नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा में आदित्यनाथ ने कहा कि सबका साथ और सबके विकास की भावना के साथ आज बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण को पनपने नहीं दिया गया, बल्कि समाज के सशक्तिकरण पर ध्यान दिया और आज उसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा,ह्यह्यसमाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस के लोग तुष्टिकरण की नीति पर चलकर समाज को जाति के आधार पर बांटते थे। इतना ही नहीं, परिवार विशेष को लूट करने की छूट देते थे। उन्होंने कहा कि कहा कि वर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ था तब हम लोग आजादी का जश्न नहीं देख पाए थे, क्योंकि उस समय की सरकार ने जनमानस को इससे जोड़ने का कितना प्रयास किया था, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर भारतवासी को आजादी के अमृत महोत्सव के साथ जोड़ने का कार्य किया गया है। आदित्यवनाथ ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में दुनिया के 20 बड़े देशों (जहां दुनिया की 65 फीसदी आबादी रहती है, जिनका दुनिया का 50 फीसदी संसाधनों पर अधिकार है, जिनके पास दुनिया के 90 फीसदी से अधिक पेटेंट अधिकार हैं) के समूहों की अध्यक्षता आज भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के समय भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। आदित्यनाथ ने कहा कि सूडान में आंतरिक संघर्ष के कारण व्यापक पैमाने पर कत्लेआम हो रहे थे तो इस दौरान भारत दुनिया का अकेला देश था, जिसने ऑपरेशन कावेरी चला करके अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाला। उन्होंने कहा कि यह डबल इंजन सरकार का ही करिश्मा है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूर्वी उत्तर प्रदेश को जोड़ता है, तो बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे बुंदेलखंड को जोड़ने का कार्य कर रहा है और गंगा एक्सप्रेस-वे का काम युद्ध स्तर पर जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हवाई अड्डा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाराबंकी के लिए एक ओर लखनऊ का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है तो दूसरी तरफ अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है, जो भी नजदीक हो उस हवाई अड्डे का इस्तेमाल आप कर सकते हैं।

ट्रिपल इंजन की सरकार होगी तो विकास में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी : स्मृ ति ईरानी

प्रयागराज, एजेंसी

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि जब ट्रिपल इंजन की सरकार होगी तो विकास में किसी तरह की बाधा नहीं आयेगी। स्मृति ईरानी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व भोजपुरी अभिनेता व सांसद दिनेश लाल निरहुआ के साथ निकाय चुनाव को लेकर आज भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से देश व प्रदेश का तेजी से विकास हुआ है और जब ट्रिपल इंजन की सरकार होगी तो विकास में और तेजी के साथ ही किसी तरह की बाधा नहीं आयेगी। ईरानी ने कहा कि ह्वआप सब ने देखा है की किस तरीके से मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) और योगी जी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) की सरकार में विकास को गति मिली है, योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है, इसको और मजबूती देने के लिए जरूरी है कि आप सब का समर्थन निकाय के चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को मिले। स्मृति ने कहा कि जिस तरह 2019 में आप सबने हमें समर्थन दिये, उसी तरह निकाय चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों को अपना समर्थन देकर जितायें। जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, हम जो कहते हैं उसे करके दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी कभी दंगों का प्रदेश कहा जाता था, लेकिन जब से योगी जी की सरकार बनी है तब से कोई दंगा नहीं हुआ। गौरतलब है कि अमेठी कांग्रेस का गढ़ कहा जाता था, लेकिन केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पराजित कर दिया था।

अतीक की हत्या का बदला लेने की धमकी, बोला- अभी नस्ल खत्म नहीं हुई..बेटा अली जिंदा है, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज, एजेंसी

माफिया अतीक अहमद की हत्या का बदला लेने की धमकी भरे ट्वीट पर प्रयागराज के साइबर अपराध थाना ने एक ट्विटर यूजर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। साइबर अपराध थाना प्रभारी राजीव कुमार तिवारी ने बताया कि विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) ने 27 अप्रैल, 2023 को लिखे पत्र में 25 अप्रैल, 2023 को शाम करीब साढ़े पांच बजे ट्विटर पर ह्यदि सज्जाद मुगलह्न नामक अकाउंट से प्रसारित संदेश के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, जिसके आधार पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई। दि सज्जाद मुगल नामक ट्विटर यूजर ने लिखा था, ह्यह्यअभी नस्ल खत्म नहीं हुई। अतीक का बेटा अली जिंदा है। इंशा अल्लाह हालत, वक्त, सत्ता बदलेगी। फिर इलाहाबाद भी बोला जाएगा, हिसाब भी पूरा लिया जाएगा। तिवारी ने बताया कि निरीक्षक मोहम्मद आलमगीर की शिकायत पर साइबर अपराध थाना में इस ट्विटर यूजर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 (2) और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2005 की धारा 66 के तहत 29 अप्रैल, 2023 को प्राथमिकी दर्ज की गई। 15 अप्रैल, 2023 को प्रयागराज के काल्विन अस्पताल में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस सुरक्षा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अतीक का एक बेटा अली नैनी केंद्रीय जेल, जबकि दूसरा बेटा उमर लखनऊ की जेल में बंद है। उमेश पाल हत्याकांड में नामजद अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन फरार है, जबकि इसी हत्याकांड में नामजद एक बेटे असद की पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु हो गई थी।

भारत के लिए तैयार पहले सी-295 विमान ने स्पेन में तीन घंटे की उड़ान भरी

- फ्रांसीसी कंपनी ने कामयाबी के साथ पहला उड़ान परीक्षण स्पेन में किया
- इसी साल के अंत तक वायु सेना को पहला विमान मिलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायु सेना के लिए तैयार किए गए पहले सी-295 ट्रांसपोर्ट सैन्य परिवहन विमान ने तीन घंटे की पहली उड़ान कामयाबी के साथ पूरी की है। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस ने यह उड़ान परीक्षण स्पेन के सेविले में किया है। अब इसके बाद इसी साल के अंत तक वायु सेना को पहला विमान मिलने का रास्ता साफ हो गया है। फ्रांसीसी कंपनी के साथ पिछले साल सितंबर में 56 विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। कंपनी 16 विमान स्पेन में तैयार करके भारत को ह्यफ्लाइंग मोडह्न में आपूर्ति करेगी। इसके अलावा 40 विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा। एयरबस डिफेन्स ने ट्वीट किया, भारत के लिए पहले सी-295 ने सफलतापूर्वक अपनी पहली उड़ान पूरी की। यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर साल के अंत से पहले डिलीवरी का रास्ता साफ करता है। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस में मिलिट्री एयर सिस्टम्स के प्रमुख जीन-ब्राइस ड्यूमॉन्ट ने कहा, ह्यह्नयह पहली उड़ान ह्यमेक इन इंडियाह्न एयरोस्पेस कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय वायु सेना के दुनिया में सी-295 का सबसे बड़ा ऑपरेटर बनने के साथ यह कार्यक्रम भारत की परिचालन क्षमताओं में सुधार करने की हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण भी है। एयरबस ने कहा कि भारत के लिए पहले सी-295 ने अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जो 2023 की दूसरी छमाही तक इसकी डिलीवरी की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सामरिक विमान ने 5 मई को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:45 बजे स्पेन के सेविले से उड़ान भरी थी और तीन घंटे की उड़ान के बाद दोपहर 14:45 बजे जमीन पर उतरा। रक्षा मंत्रालय और स्पेन की कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के बीच 56 सी-295 विमानों के लिए पिछले साल 24 सितम्बर को अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने 08 सितम्बर को भारतीय वायु सेना के लिए 56 ट्रांसपोर्ट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इसमें 40 विमान दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही बनाएगा। बाकी 16 विमान सीधे कंपनी से चार साल के भीतर फ्लाइंग मोड में भारत को आपूर्ति किए जाएंगे। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसमें निजी कंपनी टाटा भारत में सैन्य परिवहन विमान का निर्माण करेगी। सभी 56 विमानों को स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट के साथ स्थापित किया जाएगा।

दीवान इंजीनियरिंग कॉलेज में फेयरवेल पार्टी 2023 का आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

दीवान वीएस इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ में आज अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भावभीनी विदाई पार्टी से अपनी भावनओं को प्रदर्शित किया. फेयरवेल पार्टी का शुभारंभ दीवान ग्रुप के कार्यकारी निदेशक कर्नल (डॉ.) नरेश गोयल, इंजीनियरिंग विभाग की निदेशक महोदया डॉ. शिल्पी बंसल, एवं अन्य सहसंस्थान के प्रधानाध्यापकों द्धारा सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. संस्थान की निदेशक महोदया डॉ. शिल्पी बंसल ने अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके भविष्य के संभावनाओं एवं लगातार मेहनत करते रहने की प्रेरणा दी. विदाई समारोह 2023 में तृतीय वर्ष के कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों ने अपने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम नृत्य, गीत एवं नाट्य से सबका मन मोह लिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रैंप पर विभिन्न डिजाईनों के वस्त्रों पर कैटवाक कर जलवे भी बिखेरे. डांस और गीतों के बीच कुछ स्टूडेंट्स ने हास्य कविताएं और व्यंग्य भी सुनाए. यद्यपि छात्रों को एक-दूसरे से बिछुड़ने का गम भी स्पष्ट दिख रहा था. अंतिम वर्ष के छात्रों ने भी अपने जूनियर्स का दिल जीता एवं भविष्य हेतु प्रेरणादायक टिप्स दिए और हमेशा सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए कहा. मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल का चुनाव जजेस के द्धारा प्रश्नोत्तर के आधार पर किया गया. कम्प्यूटर साइन्स ब्रांच के कार्तिक एवं इलेक्ट्रिकल ब्रांच से निकिता विजयी घोषित किये गए,निकिता को मिस फेयरवेल एवं कार्तिक को मिस्टर फेयरवेल से नवाजा गया. इंजीनियरिंग कॉलेज के समस्त स्टाफ सहित छात्रों ने बधाई देकर अपनी खुशी जाहिर की ेयरवेल पार्टी समाप्ति पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष ने संचालन समिति एवं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित सभी लोगों को इसके सफल आयोजन पर धन्यवाद दिया. कार्यक्रम को पूर्ण रूपेण सफल बनाने में विभागाध्यक्ष शेखर पुंडीर, डॉ. के. पी. जयंत, आशीष कौशिक, अभिषेक गुलाटी, अनिरुद्ध,रंजीत, रिजु, नेहा, प्रियंका सहित स्टाफ का योगदान रहा.मीडिया प्रभारी यीआलिश हाशमी का भरपूर योगदान रहा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिक्षा वर्ग तृतीय वर्ष का शुभारम्भं

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय वर्ष संघ शिक्षा वर्ग का सोमवार 8 मई को नागपुर स्थित डॉक्टर हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में स्थित महर्षि व्यास सभागार में प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसरकार्यवाह और वर्ग के पालक अधिकारी रामदत्त ने कहा कि कष्ट में आनंद कि अनुभूति को साधना कहते है और संघ शिक्षा वर्ग एक प्रकार की साधना ही है। इस दौरान अखिल भारतीय सह सर कार्यवाह के सी मुकुंदन तथा अवध प्रांत के संघचालक कृष्ण मोहन जी (वर्ग के सर्वाधिकारी) भी वहां उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए प्राथमिक वर्ग के बाद प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष संघ शिक्षा वर्ग आयोजित किए जाते हैं। तृतीय वर्ष हर वर्ष मई-जून के बीच नागपुर में आयोजित किया जाता है। इसमें देश और दुनिया में संघ कार्य से जुड़े स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जाता है। इस बार तृतीय वर्ष में प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्राँतों से आये 682 प्रशिक्षार्थी स्वयंसेवक सहभागी हो रहे हैं। वर्ग का पथसंचलन 21 मई को होगा तथा वर्ग का समापन 1 जून को होगा। दीप प्रज्वलन तथा भारत माता की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पण करने के पश्चात देशभर से आये स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए रामदत्त ने कहा कि जिस प्रकार किसान अपने खेतों में बीज का रोपण करता है, उसी प्रकार संघ शिक्षा वर्ग में स्वयंसेवकों के भीतर संस्कारों का बीजारोपण करता है। रेशिमबाग की यह पवित्र भूमि डॉ. हेडगेवार तथा श्री गुरूजी की तपोस्थली है। यहां आनेवाले हर स्वयंसेवक को देश प्रथम, स्व के प्रति गौरव, प्रामाणिकता, देश भक्ति, अनुशासन और स्नेह का भाव विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है। रामदत्त ने कहा कि वर्ग में सम्मिलित स्वयंसेवकों को अन्य प्रांतों से आये न्यूनतम दो स्वयंसेवकों से गहन परिचय करना चाहिए। उनके प्रांतों की समस्याओं की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। रामदत्त जी ने आगे कहा कि स्वयंसेवकों को समाज के प्रश्नों की केवल चर्चा ही नहीं अपितु, समाधान ढूंढने वाला बनना चाहिए। इस अवसर पर रामदत्त ने आवाहन किया कि संघ शिक्षा वर्ग में रहते हुए हमें संघ के स्वभाव को भी समझना चाहिए। साथ ही संघ मत में निजी मत को विलीन करना सीखना होगा। यही संगठन का गुण है। साथ ही स्वयंसेवकों को समाज में कार्य करते समय अग्रेसर होकर कार्य करनेवाला बनना होगा। रामदत्त ने बताया कि शीघ्र ही संघ स्थापना को सौ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। संघ शिक्षा वर्ग में सम्मिलित होनेवाले स्वयंसेवकों को इस बात का विचार करना होगा कि आनेवाले दिनों में कार्य विस्तार को लेकर हमारी भूमिका क्या होगी? इस दृष्टी से विचार करना होगा तथा संघ और समाज के विचार को एकरूप होने तक हमें प्रयासरत रहना होगा।

मधुमक्खी के हमले से बचने के लिए युवक अस्पताल की तीसरी मंजिल से कूदा, मौत

खण्डवा, एजेंसी

मध्यप्रदेश के खण्डवा के शासकीय जिला मुख्य चिकित्सालय में आज सुबह एक युवक ने मधुमक्खियों के हमला से बचने के लिए वह अस्पताल की तीसरी मंजिल से नीचे कूद गया। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी ने इस घटना पर जाँच के आदेश दिए है। खंडवा जिले के रामपुरा गांव का रहने वाला सचिन अपनी गर्भवती पत्नी की डिलीवरी के लिए यहाँ आया था। कल ही उसकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया। रात में युवक अस्पताल की तीसरी मंजिल के बरामदे में ही सोया हुआ था तभी सुबह साढ़े तीन-चार बजे के बीच अचानक उसे कुछ काटा तो वह उठ गया। उसने मधुमक्खी के हमले से घबराकर अचानक तीसरी मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। यहाँ सिर के बल गिरने से उसे प्राणघातक चोट आई, बहुत खून बह गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। इस घटना से परिजन व्यथित है। उन्होंने युवक की मौत के लिए अस्पताल प्रबंधन की लापरवाहियों को जिम्मेदार बताया है।

वश्व रेडक्रास दिवस: श्री वेंक्टेश्वरा में 242 लोगों ने रक्तदान कर ली लोगो के जीवन बचाने की शपथ

- रक्तदान के साथ-2 अंगदान जागरुकता अभियान से देश में लाखो लोगो को प्रतिवर्ष मिल रहा है नया जीवन: डॉ0 सुधीर गिरि
- विश्व रेडक्रास दिवस को उत्सव के रुप में मनाते हुए आज वेक्टेश्वरा समूह मेरठ, मुरादाबाद, अमरोहा, बागपत, बिजनौर समेत पश्चिमी यू0पी0 के आधा दर्जन से अधिक जनपदो में लगा रहा है रक्तदान शिविर- डॉ0 राजीव त्यागी

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। विश्व रेडक्रास दिवस पर वेंक्टेश्वरा समूह के वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस एवं वी0जी0आई0 मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में आमजनमानस को रक्तदान के प्रतिजागरूक करने के उद्देश्य से मेरठ, अमरोहा, बिजनौर,बागपत, मुरादाबाद समेत आधा दर्जन से अधिक जनपदो में रक्तदान शिविर आयोजित कर रिकार्ड 242 यूनिट रक्त संचय किया गया। इस अवसर पर नियमित रुप से रक्तदान करने वाले 88 रक्तदाताओ को स्मृति चिन्ह एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित भी किया गया। सोमवार को श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान में विश्व रेडक्रास दिवस पर आयोजित रक्तदान जागरुकता संगौष्ठी एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, पैथोलॉजी विभागाध्यश डॉ0 गरिमा भटनागर, ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ0 नौशाद अंसारी, डॉ0 एना ऐरिक ब्राउन आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।चेयरमैन डॉ0 सुधीर गिरि ने कहा कि रक्तदान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ महादान है, इसी के साथ यदि देश के एक प्रतिशत व्यक्ति अंगदान की भी शपथ ले, तो अकेले भारतवर्ष में लाखो जरूरतमंद लोगो को नया जीवन मिल सकता है। संगौष्ठी को डॉ0 गरिमा भटनागर, डॉ0 सौरभ कंसल, डॉ0 बी0बी0 बोरा ने भी सम्बोधित किया।इस अवसर पर सी0ई0ओ0 अजय श्रीवास्तव, उत्तराखण्ड के पूर्व मंत्री डॉ0 प्रदीप भट्, कुलपति डॉ0 राकेश यादव, कुलसचिव डॉ0 पीयूष पाण्डेय, डॉ0 बी0बी0 बोरा, डॉ0 पंकज देओल, डॉ0 इकराम ईलाही, डॉ0 प्रतीक बाजवा, अभिषेक हुड्डा, पोलीन, फरहीन जहां, दीपक वर्मा, डॉ0 एना ऐरिक ब्राउन, एस0एस0 बघेल, नीतूश्रीपाल, अरूण गोस्वामी, अखिल नायर, डॉ0 प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े साइबर कैफे में हजारों की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा। नगर कोतवाली इलाके में त्रिपोलिया बाजार में एक युवक ने साइबर कैफे की दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया और घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। चोरी की यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।सीसीटीवी कैमरे में साफ-साफ देखा जा सकता है कि चोर पहले दुकान में घुसता है और फिर पेचकस की मदद से काउंटर के लॉक को तोड़कर गल्ले में रखी नकदी लेकर फरार हो जाता है। फिलहाल पीड़ित कैफे संचालक ने मामले में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। साइबर कैफे संचालक निजाम ने बताया कि सोमवार की दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे उनकी दुकान में एक अज्ञात युवक दुकान का मेन दरवाजा खोलकर अंदर घुसा। अंदर जाकर काउंटर का ताला तोड़कर काउंटर के गल्ले में रखी हजारों रुपए की नकदी लेकर फरार हो गया।घटना के वक्त वह साइबर कैफे के पास में ही किसी जरूरी काम से गए थे। उसी दौरान अज्ञात युवक ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। जब वह साइबर कैफे पर आए तो उन्होंने गल्ले का लॉक टूटा देखा तो घटना की जानकारी हुई। उनकी नजर गले पर पड़ी तो नकदी गायब थी। जिसे देखकर उसके होश उड़ गए।जिसके बाद उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया तो देखा कि एक युवक पहले दुकान में घुसता है। उसके बाद पेचकस की मदद से काउंटर के गले का लॉक तोड़ता है और गल्ले में रखी हजारों रुपए की नकदी लेकर फरार हो जाता है।फिलहाल पीड़ित साइबर कैफे संचालक निजाम ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उधर जानकारी देते हुए नगर कोतवाल हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का पदार्फाश किया जाएगा।

भाकियू (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

प्रात : किरण, संवाददाता

नौगावां सादात।भाकियू (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।ज्ञापन के माध्यम से कहा कि देश का नाम रोशन करने वाले पहलवान जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हुए हैं। लेकिन सरकार सुनने को तैयार नहीं है। तत्काल आरोपी मंत्री बृजभूषण शरण को गिरफ्तार कर उसे उसके पद से हटाए जाने और सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई।भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हमारे देश का मान बढ़ाने वाले पहलवान जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं। महिला पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और मंत्री बृज भूषण शरण पर यौन शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।साथ ही पहलवानों को जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हुए दो हफ्तों से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। लेकिन सरकार इस ओर कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है।सरकार ने अभी तक आरोपी मंत्री को ना बर्खास्त किया और ना ही उसकी गिरफ्तारी की गई है। केंद्र सरकार आरोपी मंत्री को बचाने में लगी हुई है। पूरे देश में इस बात को लेकर आक्रोश है।साथ ही कहा कि जब तक देश के पहलवानों के साथ न्याय नहीं होता तब तक भाकियू पहलवानों के साथ खड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आह्वान के चलते पहलवानों के समर्थन में देश के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम नौगांवा सादात को सौंपा गया है। जिसमें आरोपी मंत्री की गिरफ्तारी और बर्खास्त की मांग की गई है।

सपा सरकार का नारा था खाली प्लॉट हमारा, लेकिन अब किसी को ऐसा करने की हिम्मत नहीं: ब्रजेश पाठक

प्रयागराज, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को कहा कि पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) के शासन में एक ही नारा था खाली प्लॉट हमारा है, लेकिन वर्तमान में योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व वाली सरकार में किसी में भी किसी की जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने की हिम्मत नहीं है। पाठक यहां आर टी एस क्लब मैदान में नगर निकाय चुनाव प्रत्याशियों के समर्थन में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी के शासन में पार्टी का एक ही नारा था खाली प्लॉट हमारा है। सपा के कार्यकर्ता आमजन की खाली पड़ी जमीनों पर आंख गड़ाए बैठे रहते थे और जैसे ही मौका मिलता था, उस पर कब्जा कर लेते थे। वर्तमान में योगी के नेतृत्व वाली सरकार में किसी की भी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने की किसी में हिम्मत नहीं है। जब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राज्य में सरकार बनी है और योगी जी मुख्यमंत्री बने हैं तभी से गुंडा माफिया की हिम्मत पस्त हो गई है। उन्होंने कहा, प

संक्षिप्त खबरें

मोटरसाइकिल सवार जख्मी

असरगंज। असरगंज थाना अंतर्गत चांपा गांव के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिससे मोटरसाइकिल सवार छोटी कोरियन निवासी मनोज यादव व उसका पुत्र जख्मी हो गया। घटना की सूचना मिलते ही असरगंज थाना के एस आई अशोक सिंह ने जांच शुरू कर दिया।घायल को इलाज हेतु असरगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

ट्रेक्टर मोटरसाइकिल में भिड़ंत

असरगंज। असरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मासुमगंज तमन्ना पोखर के पास मोटरसाइकिल एवं ट्रेक्टर के बीच भिड़ंत हो गई। इस घटना में ट्रेक्टर चालक फरार हो गया।ग्रामीणों के द्वारा घायल को इलाज के लिए असरगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

सभी बैंकों के सुरक्षा हेतु किया गया निरीक्षण

असरगंज। एसपी के निर्देश पर असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार के द्वारा असरगंज थाना अंतर्गत संचालित सभी बैंक शाखाओं का सुरक्षा के दृष्टीकोण जांच किया गया। जांच के क्रम में सभी शाखा प्रबंधक को सीसीटीवी कैमरे को चालू रखने को कहा गया। बैंक में ग्राहकों से भी पूछताछ किया गया। दो लोगों को पूछताछ के लिए थाना गया। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक को किसी भी प्रकार का दिक्कत की स्थिति पर थाना को सुचित करें। बैंक में कार्यरत सुरक्षा गार्ड की भी जांच की गई।

राज्यपाल मनोज सिन्हा के आगमन पर जिला प्रशासन अलर्ट

भागलपुर।जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा अपने पारिवारिक कार्यक्रम में शम्मलित होने के लिए देवघर से पूजा करने के बाद भागलपुर पहुंचे। उनका काफिला देवघर से भागलपुर सड़क मार्ग होते हुए अतिथि कक्ष पहुंचा, जहां उन्हें जिला पुलिस के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल के दो दिवसीय दौरे को लेकर जिले में हाई अलर्ट किया गया है। महामहिम के आगमन को लेकर शहर के चप्पे-चप्पे पर प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। गौरतलब हो कि महामहिम का भागलपुर में पहुंचे दो दिवसीय दौरे के तहत कई कार्यों में शिरकत करेंगे है।

अग्नि सुरक्षा के तहत चलाया जन जागरूकता अभियान

भागलपुर।जीवन जागृति सोसायटी के द्वारा आम लोगों के बीच पहुंच जागरूकता अभियान चला रही है। अग्नि सुरक्षा जगरुकता रथ को सोसायटी के अध्यक्ष के द्वारा हरि झड़ी दिखा कर रवाना किया गया, जो सूबे के कई हिस्से में घूम घूम कर लोगों को अग्नि सुरक्षा के तहत आग से बचाव के लिए जागरुक करने का काम कर रही है। वही सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही अगलगी की घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। इसी बाबत हमारी संस्था ने एक पहल करते हुए लोगों को आग लगने से बचाव एवं उसके बुझाने के तरीके की जानकारी देंगें हैं, जिससे लोग जल्द आग पर काबू पाकर अपने आसपास के होने वाले नुकसान को बचाव कर सके। गौरतलब हो कि इस अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक, एलईडी बोर्ड और बैनर पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान लोगों को गैस सिलेंडर में आग लगने पर बचाव, फुस के घरों में मिट्टी का लेप लगाने और दोपहर के समय में भोजन ना पकाने जैसे उपाय बताए गए, ताकि अगलगी की घटना से बचाव किया जा सके।

भागवत कथा का श्रवण से होता है जीवन सफल : जगतगुरु श्रीधराचार्य

औरंगाबाद। भागवत कथा का के श्रवण से जीवन सफल होता है। अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। जिस घर में भागवत कथा व पूजा होती है। उस घर में लक्ष्मी नारायण भगवान की कृपा सदैव बनी रहती है। जीवन की बंधन से मुक्ति का एक मार्ग श्रीमद् भागवत कथा श्रवण ही है। इससे भक्तों की परेशानी दूर हो जाती है। उक्त बातें शहर के क्षत्रिय नगर स्थित गीता कुंज में अशर्फी भवन अयोध्या से पधारें जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने कही। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने 9 मई 2023 से 15 मई 2023 तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ की शामिल होने पधारे है। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने कहा कि भगवान हमेशा अपने भक्तों की रक्षा के लिए तैयार रहते हैं। बस जरूरत है उन्हें सच्चे मन से याद करने की। जगतगुरु श्रीधराचार्य जी महाराज ने आगे कहा कि हम सभी जीव प्रभु के अंश हैं और भगवान ही हमारे अंशी हैं। प्रभु सत्ता के बिना हम सभी जीव अधूरे हैं। यज्ञ समिति से जुड़े सूरज पाण्डेय ने बताया कि 9 मई 2023 को सुबह 6 बजे से जल यात्रा निकलेगी जो देव सूर्य कुंड से शुरु होकर क्षत्रिय नगर पहुचेगी।

राजद द्वारा आयोजित किया गया स्वागत सम्मान समारोह

प्रात : किरण संवादाता

सदर,मुंगेर। कांग्रेस के कद्दावर नेता जमालपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी रहे अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट संजय सिंह यादव का हाजिसुजान स्थित संत-महंत सत्संग आश्रम के प्रांगण में राजद मुंगेर द्वारा उनके पार्टी में शामिल होने पर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला राजद मुंगेर के पूर्व अध्यक्ष देवकीनंदन सिंह ने की। इस अवसर पर उन्हें आज राजद कार्यकताओं द्वारा अंग वस्त्र एवं फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया तदोपरांत बिहार प्रदेश राजद के नव मनोनीत सचिव देवकीनंदन सिंह, जमालपुर राजद प्रखंड के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मो. कौसर फैयाज, मुखिया प्रतिनिधि विकास यादव, नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद मो. तनवीर, वार्ड पार्षद धनंजय कुमार उर्फ डीके को भी माला पहना कर स्वागत किया गया। अपने स्वागत भाषण में राजद नेता संजय सिंह यादव ने कहा कि मैं कुछ दिन पूर्व कांग्रेस से राजद में जरूर आया हूं पर मेरी आस्था वर्षों से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एवं वन पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव एवं राजद के प्रति रहा है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने जो मेरे ऊपर विश्वास किया है। उस पर खरा उतरते हुए मैं पूरे बिहार ही नहीं बल्कि देश की राजधानी दिल्ली में भी राजद को मजबूत करूंगा। राजेश पायलट और सचिन पायलट के काफी करीबी रहे पूर्व कांग्रेसी नेता संजय सिंह यादव ने इस मौके पर मीडिया को दिए अपने बयान में कहा कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरे राज्य का दौरा कर समाज के सभी वर्गों को तेजस्वी यादव के साथ जोड़ेंगे। लालू प्रसाद यादव के समाजिक न्याय की धारा को मजबूत करेंगे।बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए और औद्योगिक विकास के लिए देश के बड़े उद्योगपतियों से मिलकर राज्य में पूंजीनिवेश के लिए आग्रह करेंगे ताकि राज्य में रोजगार के अवसर पैदा हो सके। इस अवसर पर राजद नेता नरेश सिंह यादव, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव प्रो. विनय कुमार सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता एवं नेता उपस्थित थे।

खाना मांगने में विवाद पर पत्नी को मारी गोली

प्रात : किरण संवादाता

तारापुर (मुंगेर)। तारापुर थाना क्षेत्र के अफजल नगर खुदिया गांव निवासी वार्ड संख्या 2 के स्वर्गीय फौजदारी यादव के पुत्र मल्लिक यादव ने अपनी पत्नी प्रियंका देवी को अपने घर में ही गोली मारकर बुरी तरह से जख्मी कर देने का मामला सामने आया है ।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार के दोपहर में मल्लिक यादव ने अपनी पत्नी प्रियंका से खाना मांगा ,जहां पत्नी ने गुस्से में अपने पति को कमाने की बात जैसे ही बोला कि पति आवेश में आकर घर में रखे अवैध हथियार से पत्नी के ऊपर जान मारने की नियत से गोली चला दिया। जिसमें पत्नी प्रियंका गोली लगते ही गंभीर रूप से जख्मी होकर घर में ही गिर पड़ी । गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जुट गए । जहां घटना की जानकारी लोगों ने तारापुर पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को सबसे पहले इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल तारापुर लाया जहां महिला के पेट में गोली का छडड़ा फंसे रहने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया। गांव के कई ग्रामीणों ने तारापुर थाना अध्यक्ष राजेश कुमार रंजन को अस्पताल पहुंचकर बताया कि मलिक यादव हमेशा नशा करता रहता है । बेवजह अपनी पत्नी को हर रोज प्रताड़ित करता है। लोगों ने आगे बताया कि घायल महिला 15 दिन पूर्व अपने मायके तारापुर थाना क्षेत्र के मुश्कीपुर गांव से अफजलनगर ससुराल आई थी । इतना ही नहीं मायके के लोगों ने बताया कि साल भर पहले भी मलिक यादव अपने ससुराल मुश्कीपुर में भी बिना किसी बात को लेकर ससुराल पक्ष के लोगों पर अवैध लोडेड हथियार तान दिया था । घायल महिला ने अस्पताल में पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान अपने पति को नामजद अभियुक्त बनाया है । इधर पुलिस मामले की पूरी गहराई से जांच पड़ताल कर रही है । पुलिस एवं गांव वाले के डर से मलिक यादव घर छोड़कर फरार है ।

प्रलोभन देकर वोट पाना चाहते हैं मुंगेर के सांसद : शैलेंद्र चौधरी

मुंगेर, प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर में सांसद के द्वारा दिए जा रहे हैं मांस के भोज पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता शैलेंद्र चौधरी ने कहा मुंगेर सांसद ने कभी अपने क्षेत्र में कार्य नहीं किया ना ही वो जनता के बीच में रहे मुंगेर को एक टापू बनाने का कार्य उन्होंने किया था ।आज जब चुनाव का समय आया तो लोगों को प्रलोभन देकर वोट पाना चाहते हैं। वह मुंगेर का विकास नहीं चाहते। जिस तरह से जंगलराज में जनता को निरीह प्राणी समझ कर मारा जा रहा है उसी को ये बताना चाहते है की मुझसे नही डरे तो निरीह प्राणियों की तरह उनको भी मारकर उसका मांस का भोज करेंगे। मुंगेर सांसद ललन सिंह बता रहे हैं की वह तुष्टीकरण के साथ-साथ वोट के लालच में किसी को भी हानि पहुंचा सकते हैं।

अगर मुंगेर सांसद ने काम किया होता तो इस तरह भोज देने की जरूरत नहीं पड़ती जिससे निरीह प्राणियों की जान भी बच जाती। ऐसे सांसद महोदय उस पार्टी के हैं जिनके नेता गजनी बन गए हैं और इन लोगों को लगता है कि कि मांस के भोज देने से जनता इनको वोट दे देगी ।इन्होंने जनता को जो लाठी मारा है नौकरी के नाम पर जनता उसको कभी नहीं भूलेगी इनके मुख्यमंत्री भूल सकते हैं क्योंकि आजकल वो गजनी बने हैं लेकिन जनता किसी चीज को भूलती नहीं है, जनता इतनी बेवकूफ नहीं है।आज की जनता पढ़ी लिखी है वह नोट के लिए वोट नहीं देती तो मांस खाने के लिए क्यों इनको वोट कैसे दे देगी। ऐसे भी मांस का भोज देने वाले दुष्ट और दानव प्रवृत्ति के लोग होते हैं मुंगेर की जनता जानती है कि मुंगेर के सांसद किस प्रवृत्ति के हैं और किस तरह मुंगेर को बर्बाद करने पर लगे हुए इस बार जनता उन्हें बुरी तरह से चुनाव में हराकर के मुंगेर से विदाई देगी।

तारापुर के डीएसपी ने की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवादाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। तारापुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार ने संग्रामपुर थाना प्रभारियों के साथ थाना क्षेत्र में अपराधों की समीक्षा को लेकर बैठक की गई।डीएसपी श्री कुमार ने अपराध संबंधित कागजातों, लंबित केशों हत्या, संगीन अपराध आदि संबंधित मामलों में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से थाना क्षेत्रों में स्वयं रात्रि-गश्ती करने का निर्देश दिया। साथ ही डीएसपी ने शराब मामले पर कहा कि हर हाल में शराब तस्करों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करें। इस दौरान डीएसपी ने अपराध और अनुसंधान से जुड़े हर मामले की समीक्षा की। उन्होंने क्राइम कंट्रोल पर अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिया। बैठक में थानाध्यक्ष रंजन कुमार, एसआई ब्यूटी कुमारी,स्वीटी कुमारी,बी के यादव ,मुन्सी मनीष कुमार सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

शादी की नियत से बहला फुसलाकर भगाने के आरोपित पर नहीं ले रही पुलिस संज्ञान

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के रायकड गांव की नाबालिग लड़की को पांच दिन पूर्व शादी की नियत से बहला फुसला कर घर से भगाकर ले जाने का मामला उजागर हुआ है। इस संदर्भ में नाबालिग लड़की के पिता सुशील दास ने थाना में आवेदन देकर नाबालिग पुत्री को बरामद करने की गुहार लगाई है।

थाना में दिए आवेदन में सुशील दास ने रायकड गांव के नीतीश कुमार व विकास दास को नाबालिग पुत्री काल्पनिक नाम रिया कुमारी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोपी बनाया है। बावजूद संग्रामपुर थाना पुलिस मामले को संज्ञान में नहीं ले रही है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोई सख्त कदम उठा रही है। जो पुलिस की निष्क्रियता को दशार्ता है। सुशील दास ने बताया कि नीतीश कुमार व विकास दास मित्र है। उसी दोनों ने मिलकर मेरी पुत्री को भगा ले गया है। मुझे आशंका है कि कहीं विकास दास मेरी पुत्री को बिक्री तो नहीं कर दिया। क्योंकि विकास दास आपराधिक प्रवृत्ति का है। दो तीन लडकियों को प्रेमजाल में फंसाकर बिक्री किया गया है। विकास मेरी नाबालिग पुत्री से चोरी छिपे मोबाइल से बातचीत किया करता था। जो मोबाइल काल डिटेल से पता चला है। काल डिटेल से यह प्रतीत होता है कि विकास व नीतीश ही मेरी बेटी को भगा ले गया है। बावजूद पुलिस किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रही है। थाना का चक्कर लगाकर थक सा गया हूं व पुलिस मेरी फरियाद को अनसूना कर देती है। पुलिस का यह रवैया हमारी समझ से परे है। हम अपनी पुत्री की बरामदगी चाहते हैं।वहीं थानाध्यक्ष रजन कुमार ने कहा कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है।

चांदपुरा की टीम ने भागलपुर टीम को छह विकेट से हराकर खिताब पर जमाया कब्जा

प्रात : किरण संवादाता

संग्रामपुर (मुंगेर)।प्रखंड के दुगार्पुर में आयोजित पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में शनिवार को चांदपुरा की टीम ने भागलपुर जिले के गोसाइंदासपुर की टीम को छह विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। टॉस के लिए फाइनल मैच में चांदी का सिक्का उछाला गया। चांदपुर की टीम के कप्तान बंटी झा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। निर्धारित 15 ओवर के मैच में टॉस गवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोसाई दासपुर की टीम शुरूआती लड़खड़ा हट के बावजूद गोविंदा के 20 गेंद में 7 छक्के की मदद से खेली गई 56 रन की तूफानी पारी के बदौलत 141 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। टीम की तरफ से बिट्टू ने भी 32 गेंद पर 39 रन की पारी खेली। 142 रन का लक्ष्य का पीछा करने उतरी चांदपुरा की टीम ने शुरूआती धमाकेदार अंदाज पर की। खासकर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रवि झा ने 22 गेंद में 9 छक्के एवं पांच चौके की मदद से 80 रन की तूफानी पारी खेल मैच को एकतरफा कर दिया। चांदपुरा की टीम 11वें ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। रवि झा कोष के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच तथा टूनार्मेंट का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया। मैच की समाप्ति के बाद जदयू प्रखंड अध्यक्ष कमलनयन सिंह ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। विजेता और उपविजेता टीम को क्रमशः 11000 और 6000 का नगद इनाम भी दिया गया। मैच की अंपायरिंग अंकित और दिवाकर ने की तथा कॉमेंट्री में रवि प्रकाश और विराट ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

कहोलग्राम में हुआ विधिक जागरूकता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। अनुमंडल विधिक सेवा समिति, व्यवहार न्यायालय कहलगांव के तीर्थनगरी कहोलग्राम तत्वाधान में अवर न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा व मुंसिफ शिल्पा प्रशांत मिश्रा के निर्देशन में पैनल अधिवक्ता रेशमा कुमारी व पीएलवी काजल कुमारी ने नगर पंचायत के वार्ड नंबर 17 के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं विषय पर जनउपयोगी बालहित में जानकारी दी। मामले को लेकर अधिवक्ता रेशमा कुमारी ने बताया कि नालसा कार्य योजना किशोर न्याय अधिनियम की धारा 121(सी) के तहत प्रत्येक बालक जिस पर कोई मुकदमा दायर या प्रतिरक्षा करना हो वह निःशुल्क विधिक सेवाओं का हकदार है। यौन शोषण व यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2005 के अंतर्गत, विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत बच्चे के परिवार अथवा अभिभावक को अधिवक्ता प्रदान करेंगे, ऐसी स्थिति में यदि वे विधिक सलाहकार वहन करने में असमर्थ चल रहे हैं। वही उन्होंने बताया कि आगामी 13 मई को न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में आप बैंक, बिजली, पानी से जुडे मामले का निपटारा करवा सकते हैं। वही कार्यक्रम के प्रारंभ में पैनल अधिवक्ता द्वारा बालकों से सम्बन्धित मैत्रीपुण विधिक सेवाएं के संबध में उपस्थित लोगों से जुड़ी शंका का निदान होगा, साथ ही उनके मौलिक अधिकार एवम कर्तव्यों का पाठ भी पढ़ाया जायेगा।

इस मौके पर प्राधिकार के मनीष पांडे ने बताया की अनुमंडल विधिक सेवा समिति, व्यवहार न्यायालय कहोलग्राम कहलगांव की ओर से इस प्रकार के कार्यक्रम संपन्न किया जा रहा है। इस विधिक जागरूकता कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चे माता बहने ग्रामीण एवं कई गणमान्य व्यक्ति भी साथ - साथ अन्य लोग मौजूद थे। उपस्थित लोगों ने उपरोक्त कार्यक्रम की काफी सराहना की और कहा कि ऐसा कानूनी विधिक कार्यक्रम हमेशा आयोजित होते रहने चाहिये।

दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

शाहकुंड (भागलपुर)। सुल्तानगंज नगर परिषद स्थित मुरारका महाविद्यालय के मैदान मे सद्भावना सीजन थ्री के तहत दो दिवसीय क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया गया। इस मैच विधिवत उद्घाटन पूर्व विधायक प्रत्याशी रवि सुमन कुमार उर्फ अरुण मंडल, डॉ. पुरुषोत्तम कुमार, अरुण स्पोर्ट्स क्लब के सदस्य कृष्णा जयसवाल, दरबारी सिंह के शिक्षक डब्ल्यू कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। क्रिकेट मैच में चार क्रिकेट टीम के प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें तक्षशिला कोचिंग सेंटर, इलेवन स्टार, सुपर किंग इलेवन व माही इलेवन के क्रिकेट टीम सामिल थे।

सलाना उर्स मौके पर नेताओं ने की चादर पोशी

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद वार्ड 16 के कुम्हार टोली गली स्थित हजरत लाल पीर बाबा दरगाह के मजार पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सलाना उर्स के मौके पर चादर पोशी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर स्थानीय विधायक प्रो. ललित नारायण मंडल, राजद नगर अध्यक्ष अफरोज आलम सहित महागठबंधन के कई नेताओं के अलावा मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत लाल पीर दरगाह पहुचकर चादर पोशी की। वही सभी नेताओं ने देश में सुख शांति एंव अमन चैन भाईचारा का संदेश देते हुए दुआ मांगी। इस दौरान विधायक प्रो. ललित नारायण मंडल, राजद नगर अध्यक्ष अफरोज आलम एंव दरगाह के खादीम मो. मुस्तफा ने कहा कि सलाना उर्स को लेकर भव्य कार्यक्रम किया जाता रहा है, जो पुरे शहर में मस्जिद के सेकेट्री सोलमान मंसुर, मो नईम, मो. अकलम, के नेतर्त्व में चादर लेकर परिभ्रमण करते हुए आपसी भाईचारा के संदेश देते हुए चादर पोशी हजरत लाल पीर दरगाह के मजार पहुंच कर किया, साथ ही रात्री में हजरत सैयद फिरौज साह, जनाब मौईन उद्दिन, मौलाना मोजफर और कई मस्जिद के ओलमा सरीक होकर तकरिर किया जाएगा, और इसके लिए पुरे शहर के बुद्धि जीवी, एंव गरीबों को भी दावत पर बुलाकर सभी को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय थाना के थानाध्यक्ष प्रिय रंजन के द्वारा हजरत लाल पीर दरगाह पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किये गये थे।

अज्ञात हाईवा के चपेट में आ कर मजदूर की हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर) ।सुलतानगंज थाना क्षेत्र के शिवम चौधरी ईट भट्टा के समिप देर रात अज्ञात हाईवा चालक ने पैदल चल रहे एक मजदूर को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। वही घटना को लेकर कमरगंज पंचायत के वार्ड 9 के सदस्य मो. चांदन व मृतक के चाचा ने बताया कि विगत देर रात शिवम चौधरी ईट भट्टा व अंगद यादव ईट भट्टा के बीच मुख्य सड़क मार्ग पर अज्ञात हाईवा चालक के द्वारा स्थानीय गाँव के एक मजदूर अंकित कुमार को कुचल कर हाइवा चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया है। घटना के तुरंत बाद देर रात ग्रामीणों के सहयोग से गम्भीर हालात में घायल मजदूर को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लेजाया गया। जहां पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही ग्रामीणों द्वारा घटना की सुचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। वही घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर सुल्तानगंज थानाध्यक्ष प्रिय रंजन अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुचकर घटना की छानबीन में जुट गई। वही पुलिस ने मृतक मजदूर के शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानुनी कार्यवाही करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मायागंज अस्पताल भेजा दिया गया है। वही दूसरी तरफ घटना से आहत हुए परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

नीट यूजी की परीक्षा, शांतिपूर्ण से हुई सम्पन्न

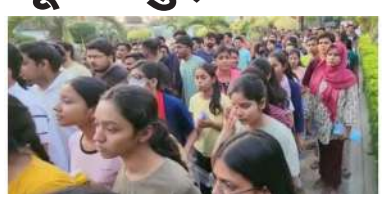

भागलपुर। मेडिकल में प्रवेश हेतु नीट यूजी 2023 की परीक्षा जिले के चिन्हित 8 केंद्रों पर आयोजित की गई। जिले में परीक्षा की समन्वयक डॉ. अरुणिमा चक्रवर्ती ने बताया कि भागलपुर में डीपीएस, डीएवी, आनंदराम ढाँढ़ानिया सरस्वती विद्या मंदिर, राम कृष्ण विद्या मंदिर, नवगछिया में बाल भारती विद्यालय, कहलगांव में डीएवी एनटीपीसी, संत जोसेफ, केंद्रीय विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे, सभी केंद्रों पर नीट के छात्र सुबह से ही परीक्षा केंद्र पहुंच रहे थे, परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने का समय 11 बजे दोपहर से 1:30 बजे तक था। वही दूसरी पाली परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ हुई इस दौरान परीक्षार्थियों को सख्त हिदायत दी गई थी, कि परीक्षा केंद्र पर सिर्फ अपना प्रवेश पत्र व हॉल में खींची हुई फोटो लेकर ही आना है। गौरतलब हो कि इस बार नीट यूजी की परीक्षा 13 भाषा में आयोजित की गई थी, सबसे अधिक मात्रा में स्टूडेंट्स ने अंग्रेजी भाषा में परीक्षा प्रश्नों का जबाब सुनिश्चित किया है। परीक्षा केंद्रों से जैसे ही बच्चे निकल रहे थे,इस दौरान सभी के चेहरे खिले हुए थे। परीक्षार्थियों ने कहा परीक्षा अच्छी गई है, उम्मीद है रिजल्ट भी अच्छा होगा।

फाइनेंस कर्मी हत्या कांड का 24 घंटे के अंदर पुलिस ने किया सफल उद्भेदन

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला स्थित गरैया गांव के समीप 14 नंबर सड़क पर लूट का विरोध करने पर अपराधियों ने पूर्णिया टीकापट्टी के फाइनेंसकर्मी नकुल कुमार पासवान की हत्या दी थी। मामले पर लेकर पुलिस ने गम्भीरता के साथ कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर मामले का उद्भेदन करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराध कर्मियों में रंगरा चापर के अखिलेश कुमार उर्फ अकला मंडल, इस्माइलपुर छोटी परबत्ता के दीपक कुमार, सिन्टु कुमार, अभिषेक कुमार व डुलो कुमार शामिल है। वही पुलिस ने अपराधियों के पास से लूट के 34 हजार 9 सौ रुपये, दो देशी कट्टा, दो खोखा और दो मोटरसाइकिल के अलावे कई सामान बरामद किये हैं।

ट्रैक्टर के इंजन से दबकर 14 वर्षीय किशोर की हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। जिले भर में सड़क दुर्घटना का दौर जारी है, लेकिन स्थानीय जिला पुलिस प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है, जिले की सड़कों पर मौत को दावत दे हवा की तरह वाहनों की गति जारी है। वही एक और बेगुनाह की जान बेलगाम ट्रैक्टर के चपेट में आने से होने का मामला सामने आया है।

वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि नाथनगर थाना क्षेत्र के गोसाइदासपुर गांव के समीप दियारा इलाके में ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से एक किशोर की मौत हो गई। वही मृतक बच्चे की पहचान गोसाइदासपुर गांव के मनोज यादव के 14 वर्षिय पुत्र अरुण कुमार के रूप में बतायी जा रही है। वही घटना के बाद से मृतक किशोर अरुण के परिवार वालों के बीच कोहराम मचा हुआ है। वही घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय थाना पुलिस मृतक किशोर अरुण के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया है। वही घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि गांव के ही ट्रैक्टर से मिट्टी लाने के लिए दियारा जा रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक गाड़ी को किनारे में खड़ी कर पानी पीने के लिए पास में ही नलकूप पर चला गया था। इसी बीच ट्रैक्टर पर सवार किशोर ने गाड़ी की स्टार्टर चाभी घुमा दी, जिसके बाद अचानक ट्रैक्टर पलट गई और 14 वर्षिय किशोर की उक्त ट्रैक्टर की इंजन में दबकर मौके पर ही मौत हो गई।

जमीन बेचने का विरोध करने पर नशेड़ी ने पत्नी को मारी गोली

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में जमीनी विवाद को लेकर आए दिन खून खराबा होने का मामला सामने आती रही है, कभी बेटे अपने पिता के साथ किस मुकदमा में दिखते हैं तो कभी चाचा भतीजे की लड़ाई होने के मामले सामने आते हैं, लेकिन विवाद का एक अलग ही मामला सामने आया है।

जमीन बेचने को लेकर पत्नी के मना करने पर पति ने ही गोली मारकर अपनी पत्नी को घायल कर दिया। ताजा मामला मुंगेर जिला के तारापुर इलाके का सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मुंगेर जिला के तारापुर के लोना खुदिया गांव कि प्रियंका देवी को उसके पति मलिक यादव के द्वारा गोलीमार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया है। जिसके बाद घायल महिला को गंभीर हालत में बेहतर इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल के सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया है।

जहां घायल महिला प्रियंका देवी की बहन का कहना है कि उसके पति के द्वारा जमीन बेचने की बात कही जा रही थी। जिसका पत्नी प्रियंका विरोध कर रही थी और इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और पति मलिक यादव के द्वारा गोली मारी गई है। वही इनका यह भी कहना है कि आरोपी पति अक्सर शराब के नशे में रहता है, और इसी कारण से उसने पत्नी को गोली मारी है। वही मामले को लेकर तारापुर थाना पुलिस घायल महिला का बयान दर्ज कर आरोपी पति मलिक यादव की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने में जुट गई है।

विवादित जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प

प्रात : किरण ब्यूरो

पूर्णिया/ केनगर । थाना क्षेत्र के गणेशपुर पंचायत के धमदाहा एसएच 57 के समीप एक विवादित जमीन को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गयी। प्रथम पक्ष के मनीष कुमार गोस्वामी पिता स्व उमाशंकर गोस्वामी साकिन परोरा ने बताया कि जमीन पर मेरे पिता द्वारा लगभग पचास वर्षों से कब्जा है और मुझे बटाईदारी कानून के तहत डीसीएलआर के द्वारा प्राप्त है। जिसका दाखिल खारिज कराते हुए रजिस्टर टू में जमाबंदी भी संधारित है और मेरे पिता एवं मेरे द्वारा इस जमीन का सरकार को लगान भी जमा किया जा रहा है। जबकि तीन महीना पूर्व मृत्युंजय कुमार उर्फ मोलू चौधरी द्वारा लगभग एक सौ अज्ञात लोगों के साथ रात्रि मेरे जमीन पर आ धमके और मेरे जमीन को ट्रैक्टर से जोत कर जमीन को चारो तरफ से पीलर और तार से घेर कर एक छोटा सा टीना का घर बना दिया।

जब हमलोग को मालूम हुआ तो रोकने गये तो मोलू चौधरी लगभग एक सौ लोगों को लेकर हमलोगों पर हमला बोल दिया और मुझे और मेरी मां को जमकर मारा और हथियार सटाकर बोला भाग जा नहीं तो तुम दोनों को गोली मार देंगे। किसी तरह से जान बचाकर हम लोग वहां से भाग थाना गये। और एक लिखित आवेदन भी थाना को दिया परन्तु थाना द्वारा मोलू चौधरी से मोटी रकम ले लिया है और हमलोगों को उल्टे थाने पर से भगा दिया। तब जाकर हमलोग इस मामले की लिखित सूचना एसपी, कमिश्नर, आईजी एंव जिलाधिकारी को दिये। इस मामले को हमारे परिवार द्वारा एक पंचायत गांव वालो के साथ रखा गया। गांव वाले ने हमलोगों की बात सुनकर फैसला दिया कि मोलू चौधरी द्वारा ग

चौथी तिमाही में नरम पड़ी कंपनियों की कमाई, शुद्ध मुनाफा महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनियों के शुरुआती नतीजे शानदार दिख रहे थे लेकिन बाद में और कंपनियों के नतीजे आने के बाद थोड़ी नरमी दिख रही है। चौथी तिमाही के लिए अभी तक 390 कंपनियों ने नतीजे जारी किए हैं, जिनका एकीकृत शुद्ध मुनाफा पिछले साल जनवरी-मार्च से महज 2.3 फीसदी बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2021 की पहली तिमाही के बाद सबसे कम मुनाफा वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 47.6 फीसदी और वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 3.4 फीसदी बढ़ा था। आय वृद्धि की रफ्तार कम होने और ऊंची ब्याज दरों के कारण ब्याज लागत बढ़ने से इन कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ा है।

कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में साल भर पहले के मुकाबले 13.8 फीसदी बढ़ी, जो पिछली 9 तिमाही में सबसे कम वृद्धि है। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2022 की चौथी तिमाही में इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री 22.4 फीसदी और वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 18.7 फीसदी बढ़ी थी।

कंपनियों की कमाई पर सबसे ज्यादा चोट ऊंची ब्याज लागत से पड़ी है। कंपनियों का ब्याज पर कुल खर्च वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में जनवरी-मार्च 2022 के मुकाबले 37.7 फीसदी बढ़ गया, जो पिछली 17 तिमाही में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है।

जिंसों की कम लागत से कंपनियों को जितना फायदा मिला था, वह ब्याज की ऊंची लागत के कारण साफ हो गया। कंपनियों की

कच्चे माल की लागत पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में महज 0.8 फीसदी बढ़ी, जिससे अधिकतर विनिर्माण कंपनियों के सकल मार्जिन में सुधार हुआ है। बैंकों और वाहन कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन के बावजूद कुल मिलाकर कंपनियों की कमाई कमजोर रही।

मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के गौतम दुग्गड़ और देवेन मिस्त्री ने कहा, 'बीएफएसआई और वाहन कंपनियों की अगुआई में समेकित आधार पर मजबूत प्रदर्शन दिख रहा था लेकिन धातु और खनन कंपनियों का प्रदर्शन उम्मीद से कमजोर रहने के कारण व्यापक स्तर पर इसका लाभ नहीं मिल पाया।'

कंपनियों की कमाई में बैंक, वित्तीय और बीमा क्षेत्र वृद्धि का इंजन बना रहा, लेकिन इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी। नमूने में शामिल 'बीएफएसआई कंपनियों का समेकित शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 13.6 फीसदी बढ़ा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 71.6 फीसदी और वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में 37.3 फीसदी बढ़ा था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनियों की कुल कमाई में बीएफएसआई कंपनियों की हिस्सेदारी 39.2 फीसदी रही, जो किसी अन्य क्षेत्र की तुलना में अधिक है।

'बीएफएसआई कंपनियों को ऊंची उधारी दर और ऋण की मांग बढ़ने से फायदा मिला है लेकिन बैंक जमा और थोक उधारी में ब्याज दरें बढ़ने से उनके मुनाफे पर थोड़ा असर पड़ा है। 'बीएफएसआई कंपनियों की कुल सकल ब्याज आय वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 28.2 फीसदी बढ़ी, जो पिछले चार साल में सर्वाधिक है लेकिन ब्याज खर्च इस दौरान 36.8 फीसदी बढ़ा है। 'बीएफएसआई कंपनियों को निकाल दें तो नमूने में शामिल कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 3.8 फीसदी घटा है। इन कंपनियों की शुद्ध आय 8.5 फीसदी बढ़ी है।

सोना ऑल टाइम हाई से फिसला, चांदी के भी गिरे भाव

शादियों के सीजन के बीच सोने-चांदी के भाव में आज राहत है। आज सर्राफा बाजारों में सोना 388 रुपये सस्ता होकर 61108 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला, जबकि चांदी में 1049 रुपये की बड़ी गिरावट देखी जा रही है। 6 मई को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव ऑल टाइम हाई 61739 रुपये पर पहुंच गया था। शुक्रवार के बंद भाव 77280 रुपये प्रति किलो के मुकाबले चांदी आज 76231 रुपये पर खुली। आईबीजेए पर आज 22 कैरेट सोना शुक्रवार के बंद भाव 556330 रुपये प्रति 10 ग्राम से 356 रुपये सस्ता होकर 55974 रुपये के रेट से खुला। इसके अलावा आज 18 कैरेट सोना 291 रुपये गिरकर 45831 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। सोने-चांदी के इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है।

एमएक्स प्लेयर पर देखें बेजोड़ इंटरनेशनल ड्रामा

मुंबई, एजेंसी। द लाइट इन योर आइज़ 10 मई -द लाइट इन योर आइज़ एक मनोरम कोरियाई नाटक है जो लोगों के जीवन पर समय के शक्तिशाली प्रभाव की पड़ताल करता है। भयानक तिकड़ी हान जी-मिन, किम हाय-जा, नाम जू-ह्युक और सोन हो-जून अभिनीत, 12- एपिसोड की श्रृंखला किम हे जा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक जादुई घड़ी की खोज करती है जो उसे समय में हेरफेर करने की अनुमति देती है। अपने पिता को एक घातक कार दुर्घटना से बचाने के लिए बेताब, वह घड़ी को पीछे घुमाती है, लेकिन समय बदलने की कीमत बहुत अधिक है। दूसरी ओर, ली जून हा, एक युवक ने अपने सपनों को छोड़ दिया है और खुद को एक सांसारिक अस्तित्व से इस्तीफा दे दिया है। वह एक बुजुर्ग देखभाल केंद्र में एक स्कैमर के रूप में काम करता है, जहां उसकी मुलाकात हाय जा से होती है, जो अब एक बूढ़ी महिला है। दोनों एक दोस्ती की शुरुआत करते हैं जो नई चुनौतियों का सामना करती है क्योंकि वे दोनों महत्वपूर्ण जीवन परिवर्तनों को नेविगेट करते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, दर्शक एक ऐसी दुनिया में खींचे चले आते हैं जहाँ समय एक शक्तिशाली शक्ति है जो आशीर्वाद और अभिशाप दोनों दे सकता है।

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 90 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3,175 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सोमवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ लगभग दोगुना होकर 3,174.74 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने बताया कि मुख्य रूप से उच्च ब्याज आय के कारण उसका मुनाफा बढ़ा। बैंक ने 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 1,666.22 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में उसका कर पश्चात एकल शुद्ध लाभ 90.63 प्रतिशत बढ़कर 3,174.74 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,666.22 करोड़ रुपये था। मार्च 2023 तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 23.01 प्रतिशत बढ़ी। बैंक ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत आधार पर उसकी शुद्ध आय बढ़कर 3,232.84 करोड रुपये हो गई। यह आंकड़ा जनवरी-मार्च 2022 में 1,969.04 करोड़ रुपये था।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का 2023-24 में 14,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों की बिक्री का लक्ष्य

नयी दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज प्रॉपर्टीज घरों की भारी मांग को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग में 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गोदरेज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि बिक्री बुकिंग, ग्राहकों से नकदी संग्रह, परियोजनाओं को पूरा करना और भविष्य की परियोजनाओं के लिए नए भूखंड जोड़ने जैसे विभिन्न मानकों पर कंपनी का 2022-23 में प्रदर्शन बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि बिक्री बुकिंग 2022-23 में 56 प्रतिशत वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 12,232 करोड़ रुपये रही। इनमें लगभग सभी आवासीय संपत्तियां थीं। उन्होंने बताया कि इस दौरान नकदी संग्रह 41 प्रतिशत वृद्धि के साथ 8,991 करोड़ रुपये रहा, जबकि परियोजनाओं की आपूर्ति रिकॉर्ड एक करोड़ वर्गफुट के आंकड़े पर पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष (2023-24) के लक्ष्यों के बारे में पिरोजशा ने कहा, ÷हमने फिलहाल 14,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य तय किया है। उम्मीद है कि हम अपने वार्षिक लक्ष्य से बेहतर करेंगे। चालू वर्ष के लिए नकदी संग्रह का लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपये रखा है, जबकि घर सौंपने का लक्ष्य 1.25 करोड़ वर्गफुट रखा है।÷ पिरोजशा ने कहा कि कंपनी की आवासीय परियोजनाओं की कीमत पिछले वित्त वर्ष औसतन 10 प्रतिशत बढ़ गई और इस चालू वर्ष में इसमें और बढ़ोतरी की संभावना है।

एफएमसीजी कंपनियां शेयर बाजार में आज काट रही हैं गदर, 52 वीक हाई पर ये 3 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में एफएमसीजी कंपनियां शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन को कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया और आईटीसी के शेयर नए 52वीक हाई पर पहुंच गए हैं। बता दें, शुक्रवार को ब्रिटानिया ने तिमाही नतीजे घोषित किए थे। जिसमें कंपनी ने बताया था कि नेट प्रॉफिट में साल दर साल के हिसाब से 47 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है।

1- ब्रिटानिया के शेयर : ब्रिटानिया के शेयर आज बीएसई में 4654.95 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। देखते ही देखते कंपनी के शेयर 4700.35 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। यही कंपनी का नया 52 वीक हाई भी है। बीते एक महीने के दौरान ब्रिटानिया के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक लो 3156.10 रुपये है।

ज्यादा आकर्षक है खुदरा रीट आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में रीट अभी एक विकासशील चरण में है। यह एक ऐसा उद्योग है जो बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। किसी भी साधन में निवेश उस समय अच्छा होता है, जब वह विकासशील चरण में हो, क्योंकि तब निवेश करने पर आपको लंबा समय मिलता है और साथ ही कम भाव पर आप निवेश कर सकते हैं। भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को भी एक आईपीओ के तौर पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जा सकता है। हालांकि, 2019 में आए पहले रीट आईपीओ की तुलना में अब इसमें काफी बदलाव हुआ है। खासकर खुदरा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सेबी ने समय-समय पर बदलाव किए हैं।

औसत रिटर्न के लिए करें निवेश

इस समय खुदरा रीट में टैक्स फ्री एफडी और 10 साल की सरकारी प्रतिभूतियों के मुकाबले 2-3 फीसदी अधिक रिटर्न मिल सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि खुदरा रीट से सालाना 7.5 फीसदी का लाभांश ब्याज मिल सकता है। इसका 70 फीसदी लाभांश टैक्स फ्री होता है।

आपके आयकर स्लैब के आधार पर 6.6 फीसदी से 7.3 फीसदी तक का करमुक्त लाभ आपको मिल सकता है। शेयर बाजार में जहां लंबे समय से उतार-चढ़ाव है और डेट म्यूचुअल फंड में

लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक आकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

खुदरा निवेशकों के लिए रीट की शुरुआत

ब्लैकस्टोन की समर्थित कंपनी नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट की यूनिट्स को आप 11 मई तक खरीद सकते हैं। इसका मूल्य 95 से लेकर 100 रुपये प्रति यूनिट है। यानी आपको कम से कम 150 यूनिट खरीदना होगा। यह यूनिट्स स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगी। यह भारत का पहला खुदरा रीट आईपीओ है। इससे पहले तीन रीट आईपीओ आए थे। इसमें एंबेसी, माइंडस्पेस और ब्रुकफील्ड थे। यह तीनों ऑफिस मैनेजमेंट वाले रीट थे। यानी इसमें खुदरा निवेशक को भी कम से कम 50,000 रुपये से निवेश की शुरुआत करनी होती थी।

पहले के रीट काफी महंगे भाव पर

अब तक जो तीन रीट सूचीबद्ध हुए हैं, वे काफी महंगे भाव पर आए थे। इनका भाव 275 से 300 रुपये के बीच था। हालांकि, बावजूद इनके इन सभी ने निवेशकों को फायदा ही दिया है। रीट में आपको यह भी फायदा होता है कि यह विभिन्न तरीके से आपको आय देता है। जैसे लाभांश, ब्याज और निवेश पर रिटर्न। आने वाले समय में और ज्यादा खुदरा रीट बाजार में आ सकते हैं। जिस तरह म्यूचुअल फंड की कोई स्कीम कई निवेशकों से पैसा जुटाकर शेयरों या बॉन्ड में निवेश करती है, उसी तरह रीट निवेशकों से पैसा जुटाकर रिटल एस्टेट में निवेश करता है। इससे रीट को नियमित आय होती है। जिस प्रॉपर्टी में उसने निवेश किया है, उसकी कीमत बढ़ती है। इससे भी उसे फायदा होता है। रीट कमर्शियल प्रॉपर्टी में निवेश करता है। इसमें मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, बिजनेस पार्क आदि हो सकते हैं। इस निवेश से किराये के रूप में नियमित आय होती है। सेबी ने रीट के लिए 2015 में नियम बनाए थे। रीट को अपने फंड का 80 फीसदी पूरी तरह से तैयार और किराया देने वाली प्रॉपर्टी में निवेश करना पड़ता है।

टाटा स्टील के सीईओ ने कहा, अगले दो साल में ब्रिटेन में परिचालन पर फैसला करना होगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील को अगले एक या दो साल में ब्रिटेन में अपने परिचालन के भविष्य पर फैसला करना होगा, क्योंकि वहां उसकी परिसंपत्तियों का 'जीवनकाल' समाप्त हो रहा है और यथास्थिति जारी नहीं रह सकती है। कंपनी के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने यह बात कही है। टाटा स्टील ने ब्रिटेन सरकार से दो ब्लास्ट फर्नेस को बदलने के लिए वित्तीय पैकेज मांगा है। इन ब्लास्ट फर्नेस की मियाद 12 से 24 माह में समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा कंपनी साउथ वेल्स के अपने पोर्ट टालबोट कारखाने में कॉर्बन उत्सर्जन में कमी के लिए भी वित्तीय पैकेज चाहती है। नरेंद्रन ने कहा कि कंपनी को या तो वहां अपना परिचालन बंद करना होगा या ब्रिटेन सरकार के वित्तीय पैकेज की मदद से कॉर्बन उत्सर्जन को समाप्त करने की योजनाओं का क्रियान्वयन करना होगा। नरेंद्रन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी ब्रिटेन सरकार से पैकेज के लिए बात कर रही है क्योंकि वहां उसकी संपत्तियों की मियाद समाप्त होने को है। ''यथास्थिति जारी नहीं रह सकती। उन संपत्तियों को या तो बंद करना होगा या हमें एक नए प्रक्रिया मार्ग की ओर बदलाव करना होगा। ऐसे में अगले साल या दो साल में हमें ब्रिटेन के बारे में फैसला करना होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या ब्रिटेन सरकार से मौद्रिक सहायता के अभाव में कंपनी वहां से बाहर निकल जाएगी, उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन में यह सरकार के साथ चर्चा का अधिक मामला है। सरकार हमारे साथ बातचीत कर रही है। यह देखना होगा कि वे हमें क्या समर्थन दे सकते हैं या क्या नहीं दे सकते। सरकार के साथ बातचीत के आधार पर हमें यह आकलन करना होगा।'' टाटा स्टील ने खुद को कॉर्बन मुक्त कंपनी बनाने के लिए ब्रिटेन सरकार से 1.5 अरब पाउंड की मांग की थी।

डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत, आठ पैसे बढ़कर 81.70 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे बढ़कर 81.70 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की आवक बढ़ने और कच्चे तेल के 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भी स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.76 पर मजबूती के साथ खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए अपने पिछले बंद भाव से आठ पैसे की तेजी के साथ 81.70 पर पहुंच गया। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 81.78 पर बंद हुआ था। शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के कारण विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत गिरकर 101.14 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.07 प्रतिशत बढ़कर 75.35 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 777.68 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

भारत, कनाडा के व्यापार मंत्री मुक्त व्यापार समझौते पर जारी बातचीत की समीक्षा करेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और कनाडा के व्यापार मंत्री दोनों देशों के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी बातचीत की प्रगति की समीक्षा करेंगे। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को कहा गया कि इस दौरान दोनों नेता आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा करेंगे। बयान के मुताबिक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा की उनकी समकक्ष मैरी एनजी सोमवार को ओटावा में छठी भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्ता (एमडीटीआई) के लिए चर्चा की सह-अध्यक्षता करेंगी। एमडीटीआई एक द्विपक्षीय तंत्र है, जो व्यापार और निवेश संबंधी मुद्दों और सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा के लिए संस्थागत व्यवस्था मुहैया कराता है। बयान के मुताबिक चर्चा द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने, हरित रूपांतरण सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रित होगी। इस दौरान दोनों नेता भारत-कनाडा सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) पर जारी वार्ता की समीक्षा भी करेंगे।

1150 तक जाएगा का पेटीएम के शेयरों का भाव! 720 रुपये के पार पहुंचा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज फिनटेक कंपनी पेटीएम के शेयरों में सोमवार सुबह 5.5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। जिसके बाद कंपनी के शेयर 726 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। पेटीएम के शेयरों में आई इस तेजी की बड़ी वजह मार्च तिमाही के रिजल्ट को माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2023 की अंतिम तिमाही में पेटीएम का घाटा घटकर 168 करोड़ रुपये रहा था। जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी को 763 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। आइए जानते हैं एक्सपर्ट ओपिनियन

पेटीएम तिमाही परिणाम : पेटीएम के शेयर दोपहर 11.35 मिनट के आस-पास बीएसई में 4.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 720.85 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। नवंबर 2022 को पेटीएम के शेयर की कीमत 480 रुपये थी। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स में 3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान पेटीएम के रेवन्यू में 51 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली। कंपनी की कंसॉलिडेटड रेवन्यू मार्च तिमाही के दौरान 2334 करोड़ रुपये का था। जबकि ऑपरेशनल रेवन्यू 1540 करोड़ रुपये का रहा। बता दें, पेटीएम को दिसंबर तिमाही के दौरान 393 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। उस हिसाब से भी देखें तो कंपनी के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है।

ट्रैक्टर उद्योग की वृद्धि दर में नरमी के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रैक्टर उद्योग का वॉल्यूम अच्छा रहने के आसार हैं, हालांकि अल नीनो की घटना से मॉनसून की बारिश पर असर पड़ सकता है और कृषि की धारणा कमजोर हो सकती है। अलबत्ता वर्ष 2022-23 (वित्त वर्ष 23) में 9,45,000 इकाइयों के सर्वकालिक शीर्ष स्तर तक पहुंचने के बाद उद्योग की वृद्धि दर में नरमी आने की आशंका है। वित्त वर्ष 23 में उद्योग के वॉल्यूम में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने अप्रैल की अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उद्योग का थोक बिक्री वॉल्यूम अच्छे स्तर पर बना हुआ है। इक्रा ने कहा कि सितंबर-नवंबर के दौरान थोक बिक्री वॉल्यूम ने अच्छी वृद्धि का प्रदर्शन किया है।

मूल उपकरण विनिर्माताओं ने त्योहारी सीजन के दौरान मजबूत मांग की पूर्ति के लिए डीलरों का स्टॉक तैयार किया है। त्योहारों की अवधि के दौरान खुदरा बिक्री लगातार अच्छी बनी रहने और कृषि नकदी प्रवाह स्थिर रहने से वित्त वर्ष 2023 की

चौथी तिमाही में थोक वॉल्यूम अच्छा बना रहा। मार्च 2023 में वॉल्यूम पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वृद्धि (सालाना आधार पर14 प्रतिशत) का प्रतिनिधित्व करता है।

अलबत्ता अप्रैल में मंदी के कुछ संकेत मिले हैं। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (रूरू) के अध्यक्ष (कृषि उपकरण क्षेत्र) और ट्रैक्टर ऐंड मेकनाइजेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमंत सिक्का कहते हैं कि वित्त वर्ष 23 ट्रैक्टर उद्योग के लिए सबसे अच्छा वर्ष था। इसमें सालाना आधार पर दो अंकों की वृद्धि दिखाई दी। पिछले महीने रूरूमें हमने अप्रैल 2022 के अधिक आधार पर अप्रैल में दूसरी सबसे बड़ी घरेलू बिक्री दर्ज की।

पिछले साल अप्रैल के मुकाबले इस साल मार्च में होने वाले नवरात्रि और गुड़ी पड़वा के त्योहारों के कारण महीने के दौरान गिरावट आई है। उद्योग प्रतीक्षा और समीक्षा वाली स्थिति में तो है लेकिन वर्ष 2023-24 (वित्त वर्ष 24) में बिक्री में भारी गिरावट नहीं दिख रही है। फिक्की की राष्ट्रीय कृषि समिति के चेयरमैन और टैफे के समूह अध्यक्ष टीआर केशवन कहते हैं कि हालांकि अप्रैल के दौरान बिक्री में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन इस बात पर उत्सुकता से नजर रखी जाएगी कि पहली तिमाही का प्रदर्शन कैसा रहता है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर बिक्री का सीजन जुलाई तक जारी रहेगा। अगर हमें अच्छी बारिश मिलती है, तो वित्त वर्ष 23 में मुझे वॉल्यूम में बड़ी गिरावट की कोई वजह नहीं दिख रही है। केशवन कहते हैं कि आम तौर पर बहुत अच्छे साल के बाद मांग में कुछ नरमी रहती है। सिक्का कहते हैं 'वर्तमान में, कटाई और फसल खरीद होने से धारणा सकारात्मक है। गेहूं खरीद काफी मजबूत है और पहले ही पिछले साल का स्तर पार कर चुकी है। जलाशय का अधिक स्तर खरीफ की बुआई में मदद करेगा और रबी की फसल से अच्छा नकदी प्रवाह किसानों को और तरलता प्रदान करेगा। हमें उम्मीद है कि ट्रैक्टर उद्योग एक अंक में निचले स्तर पर वृद्धि करेगा।' कोटक इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज के अनुसार घरेलू ट्रैक्टर उद्योग ने अप्रैल 2023 में त्योहारी सीजन के बाद इन्वेंट्री में कमी की वजह से वॉल्यूम में सालाना आधार पर आठ से 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की।

अमेरिका-यूरोप बढ़ती महंगाई से परेशान, भारत बना नजीर, दुनियाभर में हो रही तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। आज बढ़ती खाद्य महंगाई दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। खासकर विकसित देश भी बढ़ती महंगाई से त्रस्त दिख रहे हैं। हालांकि भारत ऐसे समय में पूरी दुनिया के लिए नजीर बना हुआ है, जहां महंगाई काबू में है। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार, भारत में इस साल मार्च में महंगाई दर 4.79 प्रतिशत रही, जबकि बीती फरवरी में यह 5.95 प्रतिशत और बीते साल मार्च में 7.68 प्रतिशत थी। भारत ने जहां महंगाई को काबू कर दुनिया के सामने एक नजीर पेश की है, वहीं दुनिया के विकसित देशों समेत कई देश बढ़ती महंगाई से परेशान हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में महंगाई दर क्रमशः 8.5 प्रतिशत, 19.1 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत है। वहीं लेबनान, वेनेजुएला, अर्जेंटीना और जिम्बाब्वे में यह क्रमशः 352 प्रतिशत, 158 प्रतिशत और 102 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में महंगाई बढ़ी है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य प्रोफेसर शामिका रवि ने वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स के आंकड़े शेयर करते हुए भारत की तारीफ की। बता दें कि जिन देशों में सबसे कम महंगाई है, भारत उनमें शामिल है।

छत्रपति के बी श्रीनिवास बोले– मैं मुंबई में घर खरीद रहा हूं, बॉलीवुड ऑफर का इंतजार है

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के स्टार बी श्रीनिवास (बेल्लमकोंडा साई श्रीनिवास) ने अपने करियर में अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। अब वह फिल्म छत्रपति के जरिए हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस इंटरव्यू में उन्होंने हमसे अपनी फिल्म, साउथ और नॉर्थ फिल्म इंडस्ट्री, बॉलीवुड को लेकर अपने प्यार के बारे में खुलकर बात की।

आजकल तेलुगु फिल्में हिंदी बेल्ट में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। चाहे फिर बाहुबली हो, आरआरआर हो या फिर पुष्पा हो। आप इस ट्रेंड के बारे में क्या कहना चाहेंगे?

ये बहुत अच्छी बात है, ये काफी अच्छा कोलाब्रेशन है। हम चाहे नॉर्थ से हों या दक्षिण भारत से, हम हिंदुस्तानी ही हैं। इंडियन सिनेमा में हम सब एक हैं। आखिर में हमें दर्शकों को अच्छा अनुभव देना होता है, क्योंकि वो ही हमारा टारगेट और उद्देश्य होता है। हम हिंदी सिनेमा और तेलुगु सिनेमा को कुछ खास और अलग तरीके से देखते हैं, अगर ये दोनों सिनेमा जुड़ जाते हैं तो हम एक बेहतर सिनेमा बना सकते हैं।

लेकिन हर फिल्म अच्छा नहीं कर रही है, कुछ ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टिक पा रही हैं, इसके पीछे आप क्या वजह देखते हैं?

कोई भी फिल्म हो, कोई भी दिन हो, कंटेंट ही किंग होता है। मेरा मानना है कि जब दर्शकों को फिल्म अच्छी लगती है, उन्हें कंटेंट पसंद आता है, तो वो ही लोग 100 और लोगों को बोलते हैं कि वो फिल्म अच्छी है, इसे देखना। तो मेरा ये ही मानना है।

दूसरी तरफ अगर हम देखें तो हिंदी फिल्मों को साउथ में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। पठान को भी तेलुगु में बेहद कम दर्शक मिले। इसके पीछे क्या वजह है?

मैं ऐसा नहीं मानता हूं। बहुत से लोग अलग तरह से सोचते हैं। जब फिल्म आती है तो हम सब उसे हिंदी में ही देखते हैं। अगर आप कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु का एक साथ दिखेंगे तो नंबर्स में हिंदी का कैलकुलेशन ज्यादा होता है। हिंदी हमारा नेशनल लैंग्वेज है तो ज्यादा लोग हिंदी में ही देखना पसंद करते हैं।

आपकी फिल्म छत्रपति की ओरिजिनल फिल्म 2005 में आई थी, आज ये फिल्म 2023 में आ रही है करीब 18 साल का फर्क हो गया है। तो आपको क्या लगता है कि आज के हिसाब से आपने फिल्म की कहानी में इतना बदलाव किया है कि वो काम करेगी?

हमने अच्छा काम किया है, रिस्पॉन्स तो दर्शक ही देंगे। आज का दर्शक बहुत स्मार्ट हो गया है। वह पैसे से ज्यादा समय को महत्व देते हैं। हमने मेहनत की है और पूरी कोशिश है कि हम दर्शकों को फिल्म के जरिए अच्छा अनुभव दे पाएं।

इस फिल्म के बाद अगर बॉलीवुड फिल्म में काम करने का आपको मौका मिले तो आपको कैसा लगेगा?

ये तो सपने के सच होने जैसा होगा। मैं उम्मीद करता हूं और इंतजार कर रहा हूं। अभी मैं मुम्बई में घर खरीदने जा रहा हूं। मुझे अगले बॉलीवुड ऑफर का इंतजार है।

इस फिल्म में आपके साथ नुसरत भरूचा हैं, उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा। मैं हिंदी भाषा में नया हूं तो वह मेरी मदद करती हैं, मुझे हिंदी में डायलॉग बताती हैं। दूसरा, वो काफी अनुभवी हैं। उनकी भाषा पर अच्छी पकड़ है। वो मुझे बताती हैं कि मुझे हिंदी में डायलॉग को कैसे डिलीवर करना है। इसके अलावा भाग्यश्री मैडम और शरद केलकर सर के साथ भी काम करना अच्छा एक्सपीरियंस था। भाग्यश्री मैम की मैंने प्यार किया फिल्म कई बार देखी है। मैंने इस दौरान उस फिल्म के बारे में भी पूछा कि उस वक्त कैसे होता था, काम करने का स्टाइल क्या था। मैं जानना चाहता था कि 90 के दशक में कैसे कुछ होता था।

आप हिंदी फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। जब आपको इतने बड़े मेगा स्टार की फिल्म के रीमेक में काम करने का मौका मिला तो आपको कैसा महसूस हुआ?

मुझे जब इस फिल्म में काम करने का मौका मिला तो में बहुत ज्यादा खुश हुआ। बॉलीवुड में काम करना हर किसी का सपना होता है। जब मेरी तेलुगु फिल्म हिंदी में डब हुई, और मुझे अच्छे रिस्पॉन्स के साथ कई मिलियन व्यूज मिले, तो वो मेरे लिए भगवान का आशीर्वाद था। इससे पहले मैंने खुद के लिए इस कदर प्यार नहीं देखा था। मैं ये देखकर बेहद खुश हूं कि ये हुआ और इससे मुझे ये अवसर मिला।

जब ये फिल्म पहले रिलीज हुई थी तो क्या आपने फिल्म को देखा था?

हां, मैंने पूरी फिल्म देखी थी। मैंने जब पहली कॉपी देखी, तब पूरी री रिकॉर्डिंग के साथ नहीं देखी थी, लेकिन जब पहला एडिट देखा, तो मैं बहुत ज्यादा खुश था। तब मैंने और प्रयास किया कि मैं और ज्यादा बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर ऑन बोर्ड लेकर आऊं। म्यूजिक डायरेक्टर रवि बसरूर सर जिन्होंने केजीएफ में भी संगीत दिया था, वो इस फिल्म की री रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। वीएफएक्स को भी थोड़ा और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए जयंती भाई (जयंती गाड़ा) की मदद ली। इस फिल्म को बेस्ट बनाने के लिए जो भी चाहिए था, वो किया गया है।

ब्रह्मास्त्र 2 से पहले आ सकती है ये जवानी है दीवानी 2

साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म ये जवानी है दीवानी जबरदस्त हिट रही थी। 320 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली इस फिल्म को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। अब फिल्म के लीड एक्टर रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान इसके सीक्वल का हिंट दिया है। रणबीर ने बताया है कि डायरेक्टर और राइटर अयान मुखर्जी के पास इसके सीक्वल के लिए बेहतरीन स्टोरी है, हालांकि वो इस बीच फिल्म ब्रह्मास्त्र में व्यस्त हो गए थे। रणबीर कपूर ने हाल ही में एक वर्जुअल चैट सेशन के दौरान अपने फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। ये जवानी है दीवानी की एंडिंग नैना और बनी के पैचअप से हुई थी, जहां वो अपनी जॉब छोड़कर भारत में नैना के साथ ही रहने का फैसला करता है। रणबीर ने कहा, मुझे लगता है कि ये जवानी है दीवानी का अच्छा सीक्वल बनेगा। मुझे याद है कि अयान के पास एक अच्छी स्टोरी है, लेकिन फिर वो ब्रह्मास्त्र में व्यस्त हो गया था। लेकिन ऐसा नहीं है कि ये फिल्म कभी आएगी ही नहीं। हो सकता है कि वो ये जवानी है दीवानी के सीक्वल को 2 साल बाद बनाए। मेरे ख्याल से स्टोरी 10 साल आगे की होगी कि नैना, बनी, अवी और अदिति अब क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इन किरदारों को एक्सप्लोर करना काफी इंट्रेस्टिंग और अच्छा होगा।

ब्रह्मास्त्र 2 से पहले आ सकती है ये जवानी है दीवानी 2

कुछ सालों पहले बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर ने पहले भी ये जवानी है दीवानी के सीक्वल की बात की है। रणबीर ने कहा था कि डायरेक्टर अयान मुखर्जी ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 और ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 के बीच ये जवानी है दीवानी 2 ला सकते हैं। उन्होंने कहा था कि अयान अभी ब्रह्मास्त्र में व्यस्त चल रहे हैं, लेकिन वो हमेशा ही मुझसे ये जवानी है दीवानी 2 की बातें करता है। हो सकता है हम ब्रह्मास्त्र पार्ट 1–2 के बीच इसे ले आएंगे।

क्या 2026 से पहले आएगी ये जवानी है दीवानी 2

रणबीर के पुराने इंटरव्यू के मुताबिक सीक्वल फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 से पहले रिलीज हो सकती है। कुछ समय पहले ही अयान मुखर्जी ने अनाउंस किया है कि ब्रह्मास्त्र पार्ट– 2– देव, 2026 में और इसका तीसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा। ऐसे में ये जवानी है दीवानी 2026 से पहले आ सकती है। ब्रह्मास्त्र के दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण रणबीर यानी शिवा की मां का रोल प्ले करती नजर आने वाली हैं। अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो रणबीर कपूर जल्द 2023 में फिल्म एनिमल में नजर आएंगे। वहीं दीपिका पादुकोण जवान, प्रोजेक्ट– के और फाइटर जैसी फिल्मों में दिखेंगी। डायरेक्टर अयान मुखर्जी के खाते में फिलहाल सिर्फ ब्रह्मास्त्र के अपकमिंग पार्ट्स हैं।

आकांक्षा पुरी संग रिश्ते पर शिव ठाकरे ने तोड़ी चुप्पी

बिग बॉस सीजन 16 के फर्स्ट रनर अप शिव ठाकरे अब खतरों के खिलाड़ी 13 में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने अपनी कमर कस ली है। एक के बाद एक रियलिटी शोज कर शिव ठाकरे लोगों के बीच अपनी एक अलग पहचान बना चुके हैं। हालांकि इतना नेम–फेम हासिल करने वाले एक्टर हालांकि बहुत तंगी से गुजरे हैं। उन्होंने अपनी लाइफ में काफी कुछ झेला है। एक इंटरव्यू मे शिव ठाकरे ने बताया है उनका फोबिया क्या है और जब उन्होंने रोहित शेट्टी के शो के लिए हां कहा तो आई का रिएक्शन क्या था। इतना ही नहीं, उन्होंने आकांक्षा पुरी के साथ अपने लिंकअप की अफवाहों पर भी चुप्पी तोड़ी है।

आकांक्षा पुरी पर बोले शिव ठाकरे

शिव ठाकरे ने आकांक्षा पुरी के साथ नाम जुड़ने पर कहा, मैं अफवाहों वाली लड़कियां नहीं चाहता, मैं अफवाहों वाला शिव ठाकरे नहीं बनना चाहता। मैं अपने जीवन में एक सामान्य व्यक्ति चाहता हूं जिसे अपने प्यार को साबित करने के लिए सोशल मीडिया की जरूरत नहीं है। रिश्ते या डेटिंग एक दिन में नहीं होते। जब आप किसी को पसंद करते हैं तो आप उसके साथ समय बिताते हैं, आप एक–दूसरे से बात करते हैं और एक–दूसरे को समझते हैं। जब रोमांस की बात आती है तो मैं ओल्ड स्कूल पर्सन हूं। फिलहाल मैं KKK के लिए पूरी तरह से डेडिकेटेड हूं। मुझे अभी काम मिल गया है और इस जगह तक पहुंचने में मुझे कई साल लग गए हैं। एक समय आएगा जब मुझे सही व्यक्ति मिल जाएगा और किसी पब्लिसिटी की जरूरत नहीं होगी।

सामंथा रुथ प्रभु की रोमांटिक कॉमेडी खुशी का सिंगल टीजर आउट

दक्षिण की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक, शाकुंतलम बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, लेकिन सामंथा रुथ प्रभु फिर से अपने दर्शकों को अपना बनाने आ रही हैं। वह वरुण धवन के साथ सिटाडेल के हिन्दी वर्जन को शूट कर रही हैं। इसमें वे प्रियंका चोपड़ा की भूमिका को दोहराती नजर आएंगी। वहीं वे दूसरी ओर अपनी तमिल फिल्म खुशी की शूटिंग फिर से शुरू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वे विजय देवरकोंडा के साथ रोमांस करती दिखाई देंगी। 7 मई को फिल्म के पहले रोमांटिक सिंगल का एक टीजर जारी किया गया और यह किसी सपने से कम नहीं लग रहा है। यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। हालांकि इसमें अभी समय है लेकिन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं ने फिल्म के पहले सिंगल का एक टीजर जारी किया है। छोटी सी झलक में ऐसा लग रहा था कि विजय पहाड़ी की चोटी से चिल्लाकर कह रहा है कि वह कितना प्यार करता है। जबकि सामंथा ने प्रार्थना करने के लिए बैठने के दौरान हिजाब और बुर्का पहन रखा था। विजय ने इसकी झलक शेयर करते हुए लिखा, खुशी पहला गाना। पूरा गाना 9 मई को रिलीज होगा। 23 मार्च को, विजय देवरकोंडा और सामंथा ने अपने संबंधित सोशल मीडिया पेजों पर खुशी नामक अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी की रिलीज की तारीख की घोषणा की। खुशी शिव निर्वाण द्वारा लिखित और निर्देशित एक रोमांटिक कॉमेडी है। मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है। कुछ हफ्ते पहले, सामंथा ने खुलासा किया कि वह जल्द ही फिल्म के सेट पर शामिल होंगी। फिल्म के सहायक कलाकारों में जयराम, सचिन खेडेकर, मुरली शर्मा, वेन्नेला किशोर, लक्ष्मी, रोहिणी, अली, राहुल रामकृष्ण, श्रीकांत अयंगर और शरण्या प्रदीप शामिल हैं। छायाकार मुरली, संपादक प्रवीण पुदी और संगीतकार हेशम अब्दुल वहाब तकनीकी दल का हिस्सा हैं।

मिमोह चक्रवर्ती अभिनीत फिल्म रोश और जोगीरा सारा रा रा एक ही दिन होंगी रिलीज

बॉलीवुड एक्टर मिमोह चक्रवर्ती के प्रशंसक के लिए एक ट्रीट हैं क्योंकि उनकी दो फिल्में एक ही निर्धारित दिन पर रिलीज होने वाली हैं। ऐसा कम ही देखा गया है कि एक ही अभिनेता की दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हों। लेकिन ये इत्तेफाक हुआ है अभिनेता मिमोह चक्रवर्ती के साथ जो एक साथ एक नहीं बल्कि दो फिल्मों में काम कर रहे हैं। मिमोह की आगामी रिलीज होने वाली फिल्मे जिसमे रोश और जोगीरा सारा रा शामिल हैं और इसके बारे में खबर यह है कि यह दोनों फिल्में एक ही दिन यानी 12 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। मिमोह सबसे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आने वाले हैं। इसमें अभिनेता का एक अनूठा अवतार और एक परिवर्तन देखने को मिलेगा जो उनके प्रशंसकों को हैरान कर देगा। यह पारिवारिक कॉमेडी हॉन्टेड फ़ेम अभिनेता की एक नई अनदेखी छवि दिखाएगी। इस फिल्म का टीज़र, जो कुछ हफ़्ते पहले रिलीज हुआ था, उसको दर्शकों द्वारा बहुत सराहा गया था और उसने रिलीज़ के लिए उत्साह और उत्सुकता बढ़ा दी थी।

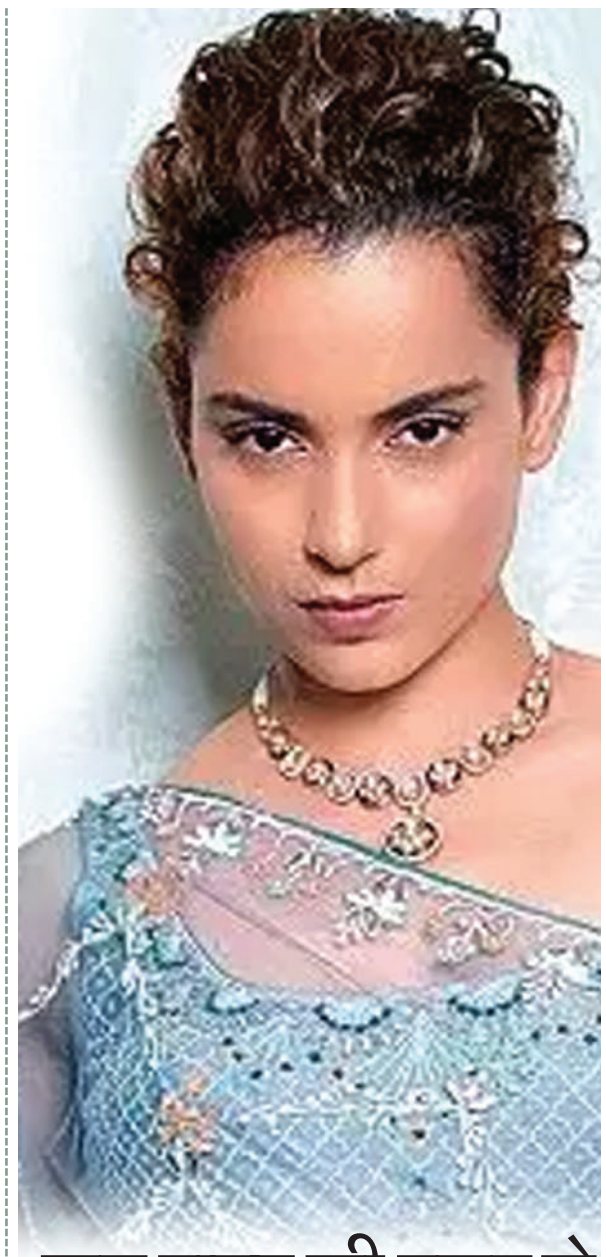

कम हाइट की वजह से लोग मजाक बनाते थे

कंगना रनोट अपने बोल्ड बयानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया है कि मॉडलिंग के दिनों में उन्हें कम हाइट की वजह से अपमानित किया जाता है। उन्होंने बताया कि हाइट की वजह से दिल्ली में लोग उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे। साथ ही कंगना ने मुंबई में भी अपने संघर्ष के दिनों को याद किया।

कम हाइट की वजह से लोग कहते थे तुम्हारा कुछ नहीं होगा कंगना शुरुआत में दिल्ली के एक मॉडलिंग एजेंसी के लिए काम करती थीं। इन दिनों को याद करते हुए उन्होंने हाल में इंटरव्यू में कहा– दिल्ली में लगभग सभी लड़कियों की हाइट लगभग 5 '11 थी, वहीं मेरी हाइट 5 7 थीं। इस वजह से काम नहीं मिलना था, जिस कारण मैं सारा दिन बैठी ही रहती थीं। बाकी लोग मुझे कहते थे कि आज भी काम नहीं मिला तुम्हें, तुम्हारा कुछ नहीं होना वाला मॉडलिंग में। फिर कुछ समय बाद मुझे कैटलॉग और ऐड मिलने लगे, जहां मैं बाकी लोगों के पीछे खड़ी रहती थी। इसी दौरान मैं साड़ी के एक कैटलॉग शूट के लिए मुंबई आई थी।

मुंबई आने के बाद वापस दिल्ली नहीं जाना चाहती थीं कंगना

कंगना ने आगे कहा कि मुंबई आने के बाद वो वापस दिल्ली कर उस एजेंसी में काम नहीं आना चाहती थीं। उन्होंने वापसी के अपने टिकट भी फाड़ दिए थे। वजह ये थी कि दिल्ली में उनके प्रति लोगों का व्यवहार सही नहीं था। लोग उन्हें मॉडलिंग में नीचा दिखाते थे। उन्हें एजेंसी की तरफ से उन्हें फोन भी मिला था, जिसे उन्होंने मुंबई जाकर फेंक दिया था।

लंबे संघर्ष के बाद फिल्म गैंगस्टर से बॉलीवुड डेब्यू किया

मुंबई आने के बाद कंगना अपने फैसले पर डटी रही और दिल्ली वापस नहीं गईं। फिर मुंबई में रहकर उन्होंने रोल के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। काफी संघर्ष के बाद उन्होंने 2006 में रिलीज हुई फिल्म गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ इमरान हाशमी नजर आए थे।

अंग्रेजी ना आने पर लोगों ने उड़ाया मजाक

फिल्मों में आने के बाद कंगना को अंग्रेजी नहीं आती थी। इस वजह से उनको काफी कुछ सहना पड़ा। इस वजह से कई लोगों ने उनका मजाक भी उड़ाया, लेकिन उन्होंने इसे एक टास्क के तौर पर लिया और अंग्रेजी सीख कर खुद को साबित किया।

कंगना के खिलाफ दर्ज है 700 केस

बेबाक जवाबों की वजह से कंगना अकेली एक्ट्रेस हैं, जिनके खिलाफ देश के अलग–अलग शहरों और कोर्ट में 700 केस दर्ज हैं। कंगना ने कभी खान हीरोज (सलमान, शाहरुख और आमिर) के साथ काम नहीं किया। शाहरुख के साथ जीरो और सलमान के साथ सुल्तान दोनों फिल्में ठुकराईं, कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा है कि शाहरुख कंगना के साथ फिल्म नहीं करना चाहते थे।

खुद के प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की

अकेली कंगना ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो बॉलीवुड के किसी भी बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम नहीं कर रही हैं, उन्होंने अपना ही प्रोडक्शन हाउस बना लिया है। उन्होंने 2019 में आई फिल्म मणिकर्णिका– द क्वीन ऑफ झांसी से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। इसमें उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई का रोल प्ले किया था। इस फिल्म के रिलीज के एक साल बाद ही कंगना ने मुंबई के पाली हिल में अपने नए प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स का उद्घाटन किया था।

पाकिस्तान ने सिर्फ 48 घंटे में गंवाया नंबर वन का ताज

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे में 47 रन से हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 299 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम 46.1 ओवर में 252 रन ही बना सकी। इस हार से पाकिस्तान को वनडे रैंकिंग में भी नुकसान हुआ और टीम पहले स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर लुढ़क गई। पाकिस्तान के सिर पर वनडे में नंबर वन का ताज सिर्फ 48 घंटे रहा। टीम पांच मई को नंबर वन बनी और सात मई को उनसे यह ताज छीन लिया गया।

न्यूजीलैंड की पारी

पांचवें वनडे की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 49.3 ओवर में 299 रन पर सिमट गई थी। विल यंग ने 91 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के की मदद से 87 रन की पारी खेली। टॉम ब्लंडेल 15 रन, हेनरी निकोल्स 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान टॉम लाथम ने 58 गेंदों में 59 रन और मार्क चैपमैन ने 33 गेंदों में 43 रन की पारी खेली।

कोल मैकॉनची 26 रन, रचिन रवींद्र 28 रन, एडम मिल्ने चार रन और हेनरी शिप्ले तीन रन बनाकर आउट हुए। ईश सोढ़ी दो रन बनाकर रन आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं, उसामा मीर और शादाब खान को दो-दो विकेट मिले। हारिस रऊफ और मोहम्मद वसीम जूनियर को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान की पारी

300 रन चेज करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही और 66 रन तक टीम ने चार विकेट गंवा दिए थे। शान मसूद सात रन, कप्तान बाबर आजम एक रन, मोहम्मद रिजवान नौ रन और फखर जमान 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अघा सलमान और इफ्तिखार अहमद ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी निभाई। सलमान 57 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए। इस साझेदारी को शिपले ने तोड़ा।

शादाब खान 14 रन, उसामा मीर 20 रन, वसीम जूनियर छह रन और हारिस रऊफ एक रन बनाकर चलते बने। इफ्तिखार अहमद ने 72 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के की मदद से 94 रन की बेहतरीन नाबाद पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। न्यूजीलैंड की ओर से शिपले और रचिन रवींद्र ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, एडम मिल्ने, मैट हेनरी और ईश सोढ़ी को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान ने वनडे सीरीज में 4-1 से जीती

इस हार के बावजूद पाकिस्तान ने वनडे सीरीज 4-1 से अपने नाम की और जीत के साथ न्यूजीलैंड ने खुद को क्लीन स्वीप होने से बचा लिया। पाकिस्तान ने पहला वनडे पांच विकेट, दूसरा वनडे सात विकेट और तीसरा वनडे 26 रन से जीता था। इससे पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। पहले टी20 में पाकिस्तान ने कीवियों को 88 रन और दूसरे टी20 में 38 रन से हराया था। तीसरा टी20 न्यूजीलैंड ने चार रन से अपने नाम किया था। चौथा टी20 बारिश की वजह से धुल गया था। पांचवां और आखिरी टी20 न्यूजीलैंड ने छह विकेट से अपने नाम किया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 20 सदस्यीय टीम का ऐलान, सविता पूनिया को मिली कमान

नई दिल्ली, एजेंसी

हॉकी इंडिया नेऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 18 मई सेहोनेवाली तीन मैचों की सीरीज के लिए 20 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला टीम की घोषणा सोमवार को की। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी। यह दौरा हांग्झोउ मेंहोनेवालेएशियाई खेलों सेपहलेटीम की तैयारियों का हिस्सा होगा।भारतीय टीम का नेतृत्व अग्रणीझ गोलकीपर सविता पूनिया करेंगी, जिन्हेंहाल ही मेंसाल की बेस्ट हॉकी खिलाड़ी के पुरस्कार सेसम्मानित किया गया था। दीप ग्रेस एक्का बतौर उप-कप्तान उनका साथ निभाएंगी एं । बिछु देवी खारीबम टीम की दूसरी गोलकीपर हैं, जबकि दीप ग्रेस एक्का के अलावा निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, उदिता और गुरगुजीत कौर को बतौर डिफेंडर टीम मेंशामिल किया गया है। निशा, नवजोत कौर, मोनिका, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, ज्योति और बलजीत कौर भारतीय टीम की मिडफील्डर होंगी। वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, संगीता कुमारी और शर्मीला देवी टीम की फॉरवर्ड लाइन संभालेंगी।

भारतीय टीम की हेड कोच जैनेक शॉपमैन नेटीम चयन पर कहा, हम दो कड़े प्रशक्षिण ब्लॉकों के बाद फिर सेइंटरनेशनल प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया एक कड़ी प्रतद्विंद्वी हैजो तेज गति सेआक्रामक हॉकी खेलना पसंद करती है। उन्होंने कहा, यह हमारेलिए एक बड़ी परीक्षा होगी, और हम अपनी रक्षात्मक जमीन को बनाए रखतेहुए फॉरवर्ड लाइन पर उनकी गति की बराबरी करनेकी कोशिश करेंगे। भारत 18, 20 और 21 मई को ऑस्ट्रेलिया सेऔर 25 और 27 मई को ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा। एडिलेड का मेट स्टेडियम सभी पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

आरसीबी के सपोर्ट में मेट्रो स्टेशन के अंदर जमकर लगे नारे

नई दिल्ली। आईपीएल में भले ही आरसीबी एक बार भी चैंपियन न बनी हो, लेकिन इस टीम ने करोड़ों लोगों को दिल जरुर जीता है। क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैर-मौजूदगी में भी इस टीम की फैन फोलोंइंग में बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह केजीएफ है।

जी! हां आरसीबी में भी केजीएफ मौजूद है। यह तीन शानदार क्रिकेटर्स की तिगड़ी है, जिसे आरीसीबी के फैंस प्यार से केजीएफ बुलाते हैं। के का मतलब कोहली, जी का मतलब ग्लैन मैक्सवेल और एफ का मतलब फाफ डुप्लेसी है। इस सीजन इन तीनों बल्ल्बाजों का परफॉर्मेंस शानदार रहा है।इस सीजन आरसीबी को सिर्फ बैंगलोर में ही नहीं, बल्कि कई दूसरे शहरों में खूब समर्थन मिल रहा है।

उम्मीद: आरसीबी प्लेऑफ में अब भी पक्की कर सकती है अपनी जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2023 अपने पूरे शबाब पर है। सभी 10 टीमों की निगाहें प्लेऑफ में जगह बनाने पर टिकी है। आईपीएल प्वाइंट्स टेबल पर नजर डालें तो गुजरात टाइट्स का प्लेऑफ में खेलना लगभग तय माना जा रहा है, क्योंकि हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली गुजरात टीम ने अबतक खेले 11 मैचों में 8 मैचों में जीत दर्ज की है। इस समय गुजरात 16 अंक के साथ टेबल टॉपर है। हालांकि, बाकि सभी टीमों को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी मेहनत करने की जरुरत है।

बीच मझदार में फंसी आरसीबी– इस सीजन रॉयल चैलेंजर बैंगलोर का परफॉर्मेंस काफी अच्छी रही है। हालांकि, बॉलिंग डिपार्टमेंट इस टीम की सबसे बड़ी परेशानी रही है। कई मैचों में बल्लेबाजों ने शानदार परफॉर्मेंस किया, लेकिन उनके गेंदबाजों ने जमकर रन लुटाए और नतीजा आरसीबी के खिलाफ गया।

ईई साला कप नामदे की आस लगाए बैठे आरीसीबी के फैंस के लिए यह जानना बेहद जरुरी है कि फिलहाल आरसीबी टीम किस तरह प्लेऑफ में जगह बना सकती है। बता दें कि फाफ डुप्लेसी की सेना इस समय टेबल के बीच में फंसी हुई है। आरसीबी ने अबतक 10 मुकाबले खेले हैं, जिनमें टीम को 5 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है।

आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना आसाना नहीं– प्लेऑफ से पहले आरसीबी को चार मैच और खेलने हैं। यह चारों मैच मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हैं। दिलचस्प बात है कि चार में तीन मैच उन्हें होम ग्राउंड यानि एम चिन्नास्वामी के बाहर खेलना है। आरसीबी को इन चार में तीन मैचों में जीत हर हाल में हासिल करनी होगी, तभी यह टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर सकती है। वहीं, अगर आरसीबी चारों मैचों में जीत दर्ज कर लेती है, तो वो टेबल में टॉप-2 में अपनी जगह भी कायम कर सकती है।

पाकिस्तानी दिग्गज ने विराट की कप्तानी पर उठाए सवाल

● कहा- अगर धोनी आरसीबी के कप्तान होते तो तीन बार खिताब जीत चुकी होती

मुंबई, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (ऋष्ट्क्र) उन टीमें में से एक है, जो पहले सीजन से लगातार यह टी20 लीग खेलती आ रही है, लेकिन अभी तक एक बार भी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। आरसीबी ने 2009, 2011 और 2016 में तीन आईपीएल फाइनल खेले हैं। 2009 में बैंगलोर को डेक्कन चार्जर्स ने, 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स ने और 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद ने फाइनल में हराया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम को लगता है कि अगर महेंद्र सिंह धोनी आरसीबी के कप्तान होते तो टीम अब तक तीन आईपीएल खिताब जीत चुकी होती।

वसीम अकरम ने क्या कहा?

वसीम अकरम ने एक स्पोर्ट्स वेबसाइट से बातचीत में कहा- रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर अब तक तीन आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी होती अगर एमएस धोनी उनके कप्तान होते। उन्होंने अब तक एक भी ट्रॉफी नहीं जीती है। उनके पास फैंस का इतना समर्थन है। साथ ही उनके पास दुनिया के आधुनिक युग के शीर्ष खिलाड़ी विराट कोहली हैं, लेकिन दुर्भाग्य से वे जीत नहीं पाए हैं। अगर धोनी आरसीबी में होते तो उन्हें खिताब जिताने में मदद करते।

वसीम अकरम ने की धोनी की तारीफ

अकरम ने धोनी की कप्तानी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि 41 वर्षीय धोनी अपने खिलाड़ियों में आत्मविश्वास पैदा करना जानते हैं। उन्होंने कहा- धोनी को टीम की कप्तानी करने की आदत है। विराट को भी अब तक इसकी आदत हो गई होगी, लेकिन धोनी में यह खूबी नैचुरल है। धोनी अंदर से शांत नहीं है, लेकिन वह दिखाते हैं कि वह शांत हैं। जब खिलाड़ी देखते हैं कि उनका कप्तान कूल है और जब वह उन खिलाड़ियों के कंधों पर हाथ रखते हैं, तो खिलाड़ी में और आत्मविश्वास भर जाता है। धोनी वह हैं जो अपने खिलाड़ियों में आत्मविश्वास पैदा करना जानते हैं।

धोनी ने चार आईपीएल खिताब जीते हैं

धोनी ने कप्तान के रूप में चार आईपीएल खिताब जीते हैं और इस मामले में सिर्फ मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा (5 खिताब) उनसे आगे हैं। वह तीन अलग-अलग आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं। दूसरी ओर कोहली अभी भी अपने करियर में पहली बार प्रतिष्ठित खिताब उठाने के लिए जोर लगा रहे हैं। 2008 में टी20 लीग की शुरुआत के बाद से वह लगातार 16 सीजन से इसी टीम का हिस्सा हैं। 2013 से लेकर 2021 तक उन्होंने आरसीबी की कप्तानी की थी, लेकिन कभी खिताब नहीं जीत पाए। मौजूदा सीजन में आरसीबी की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

अजिंक्य रहाणे के बाद लंबे समय से बाहर चल रहे हनुमा विहारी की हो सकती है वापसी, शेयर की ट्रेनिंग की तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले महीन होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए खिलाड़ियों नेतैयारियां शुरू कर दी है। दोनों ही टीमों के कुछ खिलाड़ी रेड बॉल से क्रिकेट खेलते हुए नजर आ रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने पिछले महीने आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए स्क्वॉड का भी ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को घर पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 सेहराकर फाइनल मेंजगह बनाई थी। हालांकि फाइनल मैच का टीम के तीन प्रमुख खिलाड़ी ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह चोट के कारण हिस्सा नहीं होंगे। इन खिलाड़ियों के ना होनेसेभारत के पूर्वउपकप्तान अजिंक्य रहाणेको उनके हाल के दमदार प्रदर्शन और विदेशी पिचों पर अनुभव के कारण टीम में जगह मिली हैऔर अब केएल राहुल के चोटिल होने के बाद टीम सेबाहर चल रहे हनुमा विहारी के लिए भी टेस्ट टीम मेंवापसी के रास्ते खुल गए हैं।

अजिंक्य रहाणे ने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी मेंशानदार प्रदर्शन किया है और अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खूब रन बना रहे हैं। हालांकि उन्हेंभी श्रेयस अय्यर के चोटिल होनेके बाद टीम नेअपनेप्लान में शामिल किया है और अब इसी तरह केएल राहुल के रिप्लेसेमेंट के तौर पर हनुमा विहारी की भी टीम में एंट्री एं हो सकती है।

हालांकि वह लंबे समय से चोटिल हैं लेकिन विदेशी सरजमीं पर उनके प्रदर्शन को देखते हुए टीम उनको बैकअप विकल्प के रूप मेंशामिल कर सकती है। हनुमा विहारी नेपिछलेसाल जुलाई मेंआखिरी बार भारत के लिए खेला था। वह एजबेस्टन मे इंग्लैंड के खिलाफ रिशेड्यूल पांचवां टेस्ट मैच खेलनेउतरेथे। लेकिन फरवरी में कलाई में फ्रैक्चर होनेके बाद सेवह बाहर चल रहेहैं। उन्होंनेअपनेफिटनेस को लेकर अपडेट शेयर किया है। विहारी को रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मेंआंध्र के लिए खेलनेके दौरान चोट लगी थी और उन्होंने इस मैच मेंगजब का जज्बा दिखातेहुए बाएं हाथ सेबल्लेबाजी की थी।इंस्टाग्राम पर हनुमा विहारी ने ट्रेनिंग सेशन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, लंबे ब्रेक के बाद और डाक्टर्स, फिजियो से कई बार मिलनेके बाद, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैदान पर लौटनेका इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने जो तस्वीर शेयर की, उसमेंवह भारतीय टीम की जर्सी पहननेजर आ रहेहैं, जिससेअंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्हेंभी टीम सेजल्द बुलावा आ सकता है।

रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान रोहित शर्मा को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्माका वर्कलोड पिछलेकुछ सालों मेंदोगुना गु हुआ हैऔर कहा कि बल्ले से रन नहीं बननेके कारण उनकी कप्तानी पर भी इसका असर पड़ा है। इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास मेंरोहित शर्मासबसेसफल कप्तान रहेहैं। उनके नेतृत्व मेंमुंबई इंडियंस ने पांच खिताब (2013, 2015, 2017, 2019, 2020) जीते हैं। लेकिन फ्रेंचाइजी का पिछला सीजन बेहद खराब रहा और टीम 14 मैचों मेंसेसिर्फ 4 ही जीत सकी और प्वाइंट्स टेबल मेंअंतिम पायदान पर रही। आईपीएल 2023 मेंभी टीम अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी हैऔर टेबल मेंछठे स्थान पर है।

रवि शास्त्री का मानना है कि बल्ले से फॉर्म में नहीं होने का असर रोहित की कप्तानी पर भी पड़ा है। रवि शास्त्री ने कहा, जब आप अच्छे फॉर्म में होते हैं, जहांआप रन बना रहे होते हैं, तो बतौर कप्तान काम आसान हो जाता है। मैदान पर बॉडी लैंग्वेज बदल

जाती हैफील्ड पर एनर्जी अलग दिखती हैऔर जब रन नहीं बनाते तो इसका उलटा होता है। आईपीएल 2023 मेंरोहित शर्माके बल्लेसेरन नहीं निकलेहैं, जिसकी वजह सेटीम भी मुश्किल मेंरही है। बतौर ओपनर रोहित ने 10 मैचों में 126.89 के औसत से 184 रन बनाए हैंऔर दो बार बिना खाता खोलेआउट हुए हैं।उन्होंने कहा, ऐसे समय में बतौर कप्तान ये जरूरी होता हैकि आपका प्रदर्शन खेल में दिखे। इस समय ये कठिन है, क्योंकि वह अपनेकरियर के जिस स्टेज मे हैं और जिस तरह की टीम उसके पास है। यही टीम आनेवालेकुछ साल मेंबेहतरीन हो सकती है, एक बार जब वेआपस मेंमिलना शुरू कर देतेहैं। लेकिन उस सही संयोजन को हासिल करना कप्तान का काम है।

धोनी के आईपीएल करियर के 5 सबसे बड़े विवाद

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे पसंदीदा लीग में से एक हैं, जहां हर साल कई रिकॉर्ड्स बनते और टूटते हुए देखे जाते हैं। टी-20 मैचों को देखने का फैंस काफी बेसब्री से इंतजार करते है । इतना ही नहीं, इन मैचों में खिलाड़ियों के बीच मैदान पर कई हाई वोल्टेड ड्रॉमा देखा जाता है। ये ड्रॉमा कई बार इतना बढ़ जाता है कि इसे सालों-साल याद किया जाता है।इन विवादों में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी जुड़ा हुआ है। बता दें कि ये कयास लगाया जा रहा है कि आईपीएल 2023 धोनी के करियर का आखिरी सीजन हो सकता है। जानते हैं शांत स्वभाव और कैप्टन कूल के नाम से जाने और पहचाने वाले धोनी के आईपीएल करियर की टॉप 5 कॉन्ट्रोवर्सी-

1. मैच फिक्सिंग का आरोप

बता दें कि साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी एक विवाद में फंस गए थे। उन पर उस दौरान मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोप लगे थे। उस समय यह भारत का सबसे बड़ा स्कैंडल था। धोनी तब भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान थे। मैच फिक्सिंग मामले के जांचकर्ता एसपी कुमार ने अपनी जांच में पाया कि किटी नाम के बुकी ने स्वीकार किया कि गुरुनाथ मयप्पन ने उन्हें जानकारी दी थी कि धोनी मैच हारने को तैयार हैं।इसके लिए उनकी टीम 140 या थोड़ा ज्यादा या कम स्कोर बनाएगी। इस मामले ने तब खूब सुर्खियां बटोरी थी, लेकिन इसका फॉलोअप नहीं हुआ। उस समय गुरुनाथ मयप्पन सीएसके के टीम प्रिंसिपल थे और बीसीसीआई ने सट्टेबाजी में शामिल होने के कारण उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया था।

2. साल 2019 का नो बॉल विवाद

साल 2019 में कैप्टन कूल यानी धोनी राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान अपना आपा खो बैठे थे। ये मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया। मैच में धोनी काफी गुस्से में नजर आए। ये सारा मामला नो बॉल से शुरू हुआ। बता दें कि सीएसके को मैच जीतने के लिए 3 गेंदों पर 8 रन की जरूरत थी। उस दौरान अंपायर उलहास गांन्धे ने नो बॉल करार दिया था, लेकिन ऑन फील्ड अंपायर ने इस दौरान नो बॉल का फैसला बदलने को कहा। इस बीच महेंद्र सिंह धोनी मैदान पर काफी गुस्से में नजर आए और अंपायर के साथ धोनी की बहस देख हर कोई हैरान रह गया।

3. स्लो ओवर रेट विवाद (2019)

इस लिस्ट में अगला विवाद स्लो ओवर विवाद रहा, जिसमें सीएसके के कप्तान एमएस धोनी पर मैच के बाद जुर्माना लगाया गया। बता दें कि आईपीएल 2019 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सीएसके टीम को स्लो ओवर डालने हुए देखा गया था, जिसको लेकर एमएस धोनी पर जुर्माना लगाया गया।

4. वाइड बॉल विवाद

बता दें कि साल 2020 में चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के दौरान धोनी और अंपायर को लेकर एक विवाद देखने को मिला। दरअसल, 19वें ओवर के दौरान बॉलर शार्दुल ठाकुर की एक बॉल ऑफ स्टम्प के काफी बाहर पिच हुई। अंपायर पॉल रफेल ने इसे वाइड करार देने के लिए हाथ उठाया, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी का रिएक्शन देखकर उन्होंने तुरंत अपने हाथ नीचे कर लिया। इस रिएक्शन के बाद ये तेजी से ट्रोल होने लगा कि अंपायर में धोनी का खौफ है।

5. युवाओं को सुनाई थी खरी-खोटी

साल 2020 में सीएसके टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टीम की 7वीं हार के बाद काफी नाखुश नजर आए थे। उन्होंने उस दौरान युवा खिलाड़ियों को जमकर खरी-खोटी सुनाते हुए एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वह आने वाले मैचों में युवाओं को मौका देंगे, जहां प्लेऑफ में जाने का टीम पर कोई प्रेशर नहीं रहेगा। उन्होंने बताया था कि शुरुआती 10 मैचों में युवा खिलाड़ी को उन्होंने ज्यादा मौके नहीं दिए, क्योंकि उन्हें उन खिलाड़ियों में ज्यादा जज्बा देखने को नहीं मिला। धोनी का ये बयान उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर देगा ये शायद उन्हें भी नहीं पता था।

संक्षिप्त समाचार

इंसानों के लिए वरदान हो सकता है गोमूत्र : आईवीआरआई

लखनऊ, एजेंसी। बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया है कि गोमूत्र में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं और यह इंसानों के लिए वरदान है। वैज्ञानिकों की नौ सदस्यीय टीम द्वारा किए गए चार साल के लंबे अध्ययन ने पिछले दावे का खंडन किया कि गोमूत्र मनुष्यों के लिए खतरनाक है और इसमें दावा किया गया है कि गोमूत्र का अर्क चिकित्सा और औषधीय गुणों से भरपूर है। इस शोध में गाय की दो देशी नस्लों साहीवाल और थारपारकर के 14 मूत्र के नमूनों की तुलना संकर प्रजाति के नमूनों से की गई। नमूने साल भर में विभिन्न मौसमों के दौरान लिए गए थे। गायों के ताजा मूत्र में बैक्टीरिया के संदूषण की संभावना से बचने के लिए, अर्क का केंद्रित रूप में अध्ययन किया गया था। आईवीआरआई के वैज्ञानिक रविकांत अग्रवाल ने कहा, जिन्होंने आठ अन्य वैज्ञानिकों के साथ 2018 में शुरू किए गए अध्ययन का नेतृत्व किया था। संस्थान के शोध के अनुसार, संकर नस्ल की गायों की तुलना में साहीवाल और थारपारकर नस्लों का मूत्र अत्यधिक जीवाणुरोधी पाया गया। ई. कोलाई, साल्मोनेला प्रजाति, स्यूडोमोनास, एरुगिनोसा और ग्राम पॉजिटिव बैक्टीरिया लिस्टेरिया मोनोसाइटोजेन्स, बैसिलस सेरेस, स्टैफिलोकोकस ऑरियस जैसे बैक्टीरिया के खिलाफ गोमूत्र का अर्क जीवाणुनाशक पाया गया। अग्रवाल ने कहा, शोध में यह भी पाया गया कि गोमूत्र के अर्क में यीस्ट के खिलाफ एंटिफंगल प्रभाव होता है।

सीएम गहलोत ने कहा बीजेपी ने सरकार बचाई तो पूर्व सीएम वसुंधरा बोली गहलोत ने मेरा अपमान किया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक वार पलटवार का दौर जोरों पर है। एक तरफ कांग्रेस में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच खींचतान चल रही है, तो वहीं सीएम गहलोत और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया एक दूसरे पर वार पलटवार कर रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के धौलपुर में दिए बयान पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने पलटवार किया है। सीएम गहलोत ने धौलपुर में कहा कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, शोभा रानी और कैलाश मेघवाल को पता था कि उनकी पार्टी के लोग सरकार गिरा रहे हैं। वसुंधरा राजे सिंधिया और कैलाश मेघवाल ने कहा था हमारी कभी परंपरा नहीं रही है कि चुनी हुई सरकार को हम पैसे के बल पर गिराए। इन्होंने सरकार गिराने वालों का साथ नहीं दिया जिस कारण हमारी सरकार बची रही। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पलटवार करते हुए कहा कि मेरे खिलाफ अशोक गहलोत का बयान एक साजिश है। अशोक गहलोत ने जितना अपमान किया है, उतना कोई मेरा अपमान नहीं कर सकता। वह 2023 के विधानसभा चुनाव हारने के डर से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने इस तरह के झूठे आरोप लगाए क्योंकि वह अपनी ही पार्टी में बगावत से बौखलाए हुए हैं।

मणिपुर से राज्य के विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी का खर्च वहन करेगी गहलोत सरकार

जयपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मणिपुर में हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर राजस्थान के विद्यार्थियों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आने वाले विद्यार्थियों की वापसी का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। गहलोत ने बताया कि दिल्ली के प्रमुख आवासीय आयुक्त एवं राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त समन्वय कर विद्यार्थियों की वापसी सुनिश्चित कर रहे हैं। साथ ही मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा अधिकारियों से सम्पर्क कर लगातार निगरानी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में भी यूक्रेन से आए विद्यार्थियों एवं सूडान से आए राजस्थानियों की वापसी का खर्च वहन किया गया था।

राजधानी से गाजियाबाद तक जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-गाजियाबाद को जोड़ने वाले अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार के बीच इसी साल से वाहन सरपट दौड़ पाएंगे। इस रूट से दो लाल बत्ती को खत्म करने के लिए बन रहे फ्लाईओवर पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि इसका निर्माण अंतिम चरण में है। दिसंबर 2023 तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। निर्माण के चलते अभी इस रोड के कुछ हिस्से में एक ही लेन में दोनों तरफ का ट्रैफिक चलाया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्यूडी) के अधिकारियों के मुताबिक, यह फ्लाईओवर 1.4 किलोमीटर का है।

उदयपुर में बेजुबानों को भोजन के लिए एनिमल फीडिंग व्हीकल शुरू

उदयपुर, एजेंसी। शहर के बेजुबानों के लिए कार्यरत संस्था उदयपुर एनिमल फीड ने बेजुबानों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए एक अनूठी पहल की है। इसके तहत शहर में 2 गोपाल वाहिनी (ई-रिक्शा) का शुभारंभ निवृत्ति कुमारी मेवाड़ द्वारा सुखाड़िया विश्विधालय के स्वामी विवेकानद सभागार में किया गया।

संस्था की फाउंडर डिंपल भावसार व रवि भावसार ने बताया कि 150 से ज्यादा युवाओं की टीम पिछले 4 वर्षो से बेजुबानों के लिए मिशन जीरो हंगर पर कार्य कर रही है। इसी मुहिम को आगे ले जाते हुए इस गोपाल वाहिनी को शुरू किया गया है। डिम्पल भावसार ने बताया कि यह देश में अपने तरीके की पहली फीडिंग व्हीकल होगी। जो पूरे उदयपुर शहर में रोजाना सुबह शाम दोनों समय शहर के सभी पशुओं तक खाना पहुंचाएगी। इस गोपाल वाहिनी को गीतांजलि इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियो द्वारा पूरा रिडिजाइन किया जाएगा। ताकि पशुओं से संबंधित सभी सुविधाएं जैसे कि मेडिकल किट, पक्षियों, गाय, कुत्तों सभी पशुओं के लिए सुविधाएं होगी। इसमें साउंड सेंसर भी लगाया जाएगा जिससे कि पशुओं को पता चल सके कि उनके खाने की गाड़ी आ चुकी है।

बेजुबानों की परवाह जरूरी-मेवाड़: गोपाल वाहिनी का

लोकार्पण करते हुए निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने कहाकि बेजुबानों तक खाना पहुंचाने के लिए जिस तरह से यह युवा टीम कार्य कर रही है वह पूरे देश के लिए उदाहरण है। बेजुबानों की परवाह करना भी पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर मेवाड़ ने उदयपुर एनिमल फीड की वेबसाइट और सभी पशु प्रेमियों के लिए मर्चेंडाइस को भी लांच किया।

एनिमल फीड बनेगा देशव्यापी अभियान: सेलिब्रेटी गेस्ट में उदयपुर के प्रसिद्ध सिंगर एकर्थ पुरोहित, गौरव मेडतवाल ने अपने विचार रखे। विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा जगत से डॉ प्रदीप कुमावत, अलका शर्मा, प्रीति सोगानी, मीनाक्षी भेरवानी सामाजिक क्षेत्र से जिनेन्द्र शास्त्री, डॉ दिव्यानी कटारा, लीना शर्मा, मुकेश वाधवानी, गोविंद दीक्षित, व्यापारिक क्षेत्र से मधुकर दुबे, अंजलि आज़ाद दुबे, शहर के विभिन्न पशु प्रेमी डॉ मयंका सेठ आदि ने एक स्वर में अपने अपने क्षेत्रो में उदयपुर एनिमल फीड के साथ मिलकर इस मुहिम को देशव्यापी अभियान के रूप में बदलने के लिए अपने अपने विचार रखे।

दिल्ली में कब थमेगा बारिश का दौर; इस हफ्ते शुष्क रहेगा मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शाम के समय तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली। दिल्ली के पालम मौसम केन्द्र में हवा की अधिकतम रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रिकॉर्ड की गई है। तेज रफ्तार हवाओं के साथ दिल्ली के पालम, नजफगढ़, नरेला जैसे कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी रिकॉर्ड की गई हैं। इसके चलते दिन भर मौसम में बनी गर्मी समाप्त हो गई और शाम को मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को भी हल्की बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 08 मई को गरज चमक के साथ आंधी, पानी और बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। इसका असर मैदानी इलाकों पर भी देखा जाएगा। अगले 24 घंटे के दौरान हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आंधी के साथ हल्की बारिश देखी जा सकती है। राजधानी में रविवार को दिनभर धूप निकली रही। इसके चलते तापमान में भी इजाफा हुआ। हालांकि, शाम को धूल भरी हवाओं के साथ कई इलाकों में बौछारें पड़ीं। इससे मौसम आमतौर पर सुहाना हो गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन-चार दिन अब बादल और बारिश की गतिविधि कम होगी। दिन भर धूप निकलेगी। इसके चलते तापमान में इजाफा होगा। आने वाले दिनों में गर्मी फिर बढ़ेगी। हालांकि, अभी इसके 40 डिग्री से नीचे ही रहने का अनुमान है।

मंगलवार से बारिश के आसार कमत्न सोमवार को हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने की संभावना है। जबकि, अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। जबकि, अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। मंगलवार और बुधवार को हवा की दिशा उत्तर पश्चिमी होने के चलते तापमान 37 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं। लेकिन, उसके बाद अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

तेज आंधी पानी के संकेत: मौसम विभाग की मानें तो मौजूदा वक्त में पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तरी पाकिस्तान पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन स्थित है। दूसरा साइक्लोनिक सर्कुलेशन पूर्वोत्तर राजस्थान पर मौजूद है। उत्तर तमिलनाडु तट से दूर दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। उक्त मौसमी परिस्थितियां प्रभावित इलाकों में तेज आंधी पानी के संकेत दे रही हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी ऑल इंडिया वेदर बुलेटिन में कहा गया है कि 08 मई को लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश या हिमपात दर्ज किया जा सकता है। पंजाब-हरियाणा और दिल्ली एनसीआर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी देखी जा सकती है। इन इलाकों में आंधी के चलने की संभावना भी जताई गई है।

मौसम विभाग ने कहा कि 8 मई को जम्मू-कश्मीर में एक या दो स्थानों पर ओलावृष्टि या बारिश के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मौसम खराब रहेगा। इस दौरान तेज गति से हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने किसानों को बगीचों में छिड़काव और फसलों की कटाई स्थगित करने की सलाह दी है। पर्यटकों को गर्म कपड़े और खाने-पीने की चीजों का इंतजाम कर लेने को कहा गया है। हालांकि इसके बाद 09 से 12 मई तक मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि दिल्ली एनसीआर में मौसम ठंडा बना रहेगा। मौसम विभाग की मानें तो 12 मई तक दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम ही दर्ज किया जाएगा। दिल्ली के कुछ इलाकों में सोमवार को बादलों की आवाजाही नजर आएगी। दिल्ली में हल्की बारिश के भी आसार बन रहे हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक में लगाया फॉर्मूला हिमाचल, महिला वोटरों पर बड़ा दांव

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का महिलाओं पर खास फोकस है। पार्टी ने गृहलक्ष्मी योजना के तहत परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को हर माह दो हजार रुपये और मुफ्त बस यात्रा का वादा किया है। जबकि हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी ने हर परिवार की प्रमुख महिला को 1500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया था।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और चुनाव घोषणा पत्र समिति के सदस्य ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में यह वादा काफी असरदार साबित हुआ। प्रदेश की महिलाओं ने कांग्रेस के वादे पर भरोसा करते हुए पार्टी को जीत की दहलीज तक पहुचाया। हिमाचल छोटा राज्य है, संसाधन सीमित हैं। पर, कर्नाटक के पास ऐसी समस्या नहीं है, इसलिए दो हजार रुपये का वादा किया है। साथ ही कर्नाटक में सरकार बनने पर कांग्रेस ने महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा का भी वादा किया है। महिला सशक्तिकरण को लेकर भी कई घोषणाएं की गई हैं। पार्टी ने यह तय रणनीति के तहत किया है। क्योंकि, कर्नाटक में लगभग आधी सीट पर पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाता अधिक हैं। महिला मतदाताओं का वोट प्रतिशत भी पुरुषों के मुकाबले बढ़ा है। हिमाचल प्रदेश में 49 फीसदी महिला मतदाता है, पर वोट देने के मामले में वह पुरुषों से चार फीसदी आगे रही हैं। हिमाचल प्रदेश में पुरुषों को वोट प्रतिशत 72.4 प्रतिशत था। जबकि 76.8 महिला मतदाताओं ने अपने अधिकार का उपयोग किया था। पार्टी नेता मानते हैं कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भी महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहेगा। वर्ष 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 67 सीट पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले अधिक थी। पिछले पांच वर्षों में इस आंकड़े में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वर्ष 112 सीट पर पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाता अधिक हैं।

जब उम्र को लेकर मजाक के मूड में दिखे बाइडन, बोले- मेरा करियर 280 साल का है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लेंगे। वह इस समय 80 साल के हैं। अमेरिकी इतिहास में वे अब तक के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी उम्र को लेकर हो रही चिंताओं का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उनका करियर 280 साल का है।

मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि प्रेस क्या कहता है

पिछले महीन वायु सेना के एक कार्यक्रम में, बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर ने छह दशक से अधिक समय पहले वायु सेना अकादमी की पहली कक्षा को संबोधित किया था, लेकिन मैं वहां नहीं था। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि प्रेस क्या कहता है।

मै भविष्य के बारे में अधिक आशावादी कभी नहीं रहात्न बाइडन ने पिछले महीने आयरिश संसद में कहा कि वे भविष्य के बारे में अधिक आशावादी कभी नहीं रहे। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं अपने करियर के अंत में हूं, शुरुआत में नहीं। उन्होंने कहा, मैं अमेरिकी इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति की तुलना में अधिक अनुभव के साथ काम पर आया हूं। यह मुझे बेहतर या बुरा नहीं बनाता है, लेकिन यह मुझे कुछ बहाने देता है।

बाइडन से पहले, 1984 के राष्ट्रपति चुनाव

के दौरान रोनाल्ड रीगन, जो उस समय 73 साल के थे, ने भी अपनी उम्र को लेकर उठ रहे सवालों को टाल दिया था। 56 वर्षीय डेमोक्रेट वाल्टर मोंडेल के खिलाफ एक बहस में रीगन ने प्रतिज्ञा की थी कि वह उम्र को मुद्दा नहीं बनायेंगे। पहली महिला जिल बाइडन के पूर्व प्रेस सचिव माइकल लॉरोसा, जिन्होंने बाइडन के 2020 चुनाव अभियान पर भी काम किया था, ने कहा कि बाइडन बिल्कुल वही कर रहे हैं, जो उन्हें करना चाहिए। वे इसे गले से लगा रहे हैं और इसके साथ मजे कर रहे हैं। वह ठीक वही कर रहा है, जो रोनाल्ड रीगन ने किया था। बाइडन के निजी चिकित्सक ने फरवरी में कहा कि बाइडन राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए फिट हैं, लेकिन जनता फिर भी बाइडन की अपना काम करने की क्षमता को लेकर सतर्क है। पिछले साल के मध्यावधि चुनावों में 57 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि बाइडन के पास राष्ट्रपति के रूप में प्रभावी ढंग से सेवा करने की मानसिक क्षमता है, जबकि 41 प्रतिशत मतदाताओं ने कहा कि बाइडन फिट हैं। लगभग 10 में से नौ रिपब्लिकन और 10 में से दो डेमोक्रेट्स ने कहा कि उन्हें लगता है कि बाइडन में राष्ट्रपति के रूप में काम करने की मानसिक क्षमता नहीं है। हालांकि, बाइडन के सहयोगी लंबे समय से इस तरह की चिंताओं को खारिज करते रहे हैं। पिछले हफ्ते एमएसएनबीसी के एक नए साक्षात्कार में, बाइडन ने फिर से अपनी उम्र के बारे में चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, मैंने बहुत सारा ज्ञान प्राप्त कर लिया है और अधिकांश लोगों से अधिक जानता हूं।

बाइडन के सलाहकारों ने यह भी ध्यान दिया कि उनकी उम्र 2020 के अभियान में एक मुद्दे के रूप में सामने आई थी, लेकिन इससे उनके राष्ट्रपति बनने की राह में कोई रुकावट नहीं हुई। हालांकि, बाइडन ने अतीत में स्वीकार किया है कि उनकी उम्र मतदाताओं के लिए एक वैध मुद्दा है। उन्होंने फिर से चुनाव लड़ने की घोषणा के तुरंत बाद कहा कि उन्होंने दूसरे कार्यकाल के लिए अपने निर्णय को औपचारिक रूप देने से पहले उस पर सख्त नजर रखी थी।

अफगानिस्तान में गरीबी से तंग लोग तेजाब पीकर दे रहे जान, पिछले साल 347 ने की आत्महत्या की कोशिश

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद से लोग मौत को अपनी मुसीबतों से ज्यादा आसान समझते हैं। पिछले साल अफगानिस्तान के 9 अलग-अलग प्रांतों में गरीबी से तंग कम से कम 347 लोगों ने आत्महत्या का प्रयास किया। इसके पीछे अन्य पारिवारिक हिंसा, बेरोजगारी और स्वतंत्रता की कमी भी प्रमुख कारण थे। हालांकि अफगानिस्तान में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की खुदकुशी के मामले ज्यादा हैं। आत्महत्या का प्रयास करने वाले कम से कम 60 लोगों की जान चली गई।मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अफगानिस्तान में आत्महत्या के कई कारण होते हैं, जैसे- आर्थिक तंगी और पारिवारिक हिंसा। मनोवैज्ञानिक कदीर बरन ने टोलो न्यूज के हवाले से कहा, आत्महत्या का प्रयास मुख्य रूप से पारिवारिक हिंसा, गरीबी, अशिक्षा, बेघर, बेरोजगारी और अनिश्चित भविष्य के कारण किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग 8,00,000 लोग दुनियाभर में खुदकुशी की कोशिश करते हैं।टोलो न्यूज की खबर के अनुसार आत्महत्या के 251 प्रयासों के रिकॉर्ड के साथ बदख्शां प्रांत लिस्ट में सबसे ऊपर है।टोलो न्यूज ने बदख्शां में एक 20 साल की महिला से संपर्क किया जिसने खुदकुशी की कोशिश की थी लेकिन समय पर अस्पताल ले जाने के बाद उसकी जान बच गई। महिला के परिजनों ने कहा कि गरीबी से तंग आने के बाद उसने आत्महत्या का प्रयास किया। महिला के भाई ने बताया, उसने आत्महत्या करने के लिए तेजाब पी लिया था। प्रांतीय अस्पताल के प्रमुख होम्यायुन फरूटन ने कहा, हमने आत्महत्या के 250 प्रयास दर्ज किए हैं। इनमें 188 महिलाएं और 62 पुरुष हैं। इसके अलावा घोर में 14, खोस्त में 11, सर-ए-पुल में 7, नांगरहार में 5, मैदान वारदक में 5, बामियान में 3, उरोजगान में 2 और कपिसा में 1 व्यक्ति ने आत्महत्या का प्रयास किया है।

चीन में गरीबी दिखाने वाले वीडियो को किए जा रहे डिलीट

बीजिंग, एजेंसी। क्या चीन में हर एक व्यक्ति मालामाल हो चुका है क्या शी जिनपिंग के शासनकाल में कोई भी गरीब नहीं रहा ऐसा नहीं है। इस तरह का दावा गलत है। तो फिर सवाल उठता है कि आखिर चीनी प्रशासन की ओर से ऐसे वीडियो डिलीट क्यों किए जा रहे हैं, जिनमें गरीबी दिखाई गई है द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में इस सवाल का जवाब दिया गया है। इसके मुताबिक, प्रोपेगेंडा और सेंसरशिप के चलते चीन में बहुत से लोगों को यह पता ही नहीं है कि देश में गरीबी किस हद तक जड़ जमा चुकी है। हाल ही में एक रिटायर्ड महिला का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह कह रही थी कि 100 युआन (14.50 अमेरिकी डॉलर) से किराने का क्या-क्या सामान खरीद सकती है मासिक पेंशन ही मोटे तौर पर उसकी आय का एकमात्र स्रोत है। इस वीडियो को बाद में चीनी अधिकारियों ने डिलीट कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में एक युवा चीनी गायक ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। उसने अपने गानों के जरिए चीनी लोगों के बीच गंभीर वित्तीय और निराशाजनक नौकरी की संभावनाओं का जिक्र किया। गाने के बोल कुछ ऐसे थे... मैं हर दिन अपना चेहरा धोता हूं, लेकिन मेरी जेब मेरे चेहरे से ज्यादा साफ है। इसमें आगे कहा गया, मैं चीन को फिर से जीवंत करने में मदद करने के लिए कॉलेज गया था, ना कि भोजन डिलीवर करने के लिए। रिपोर्ट में बताया गया कि चीनी प्रशासन की ओर से उनके गानों पर बैन लगा दिया गया और सोशल मीडिया अकाउंट्स भी डिलीट कर दिए गए।

अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले एक प्रवासी मजदूर ने पिछले साल काफी चर्चा बटोरी थी। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उसने बड़े पैमाने पर लोगों की सहानुभूति बटोरी। उन्हें चीन में सबसे मेहनती व्यक्ति के रूप में पहचान मिली। हालांकि, चीनी अधिकारियों ने उनके बारे में हो रही चर्चा को रोकने का काम किया। स्थानीय अधिकारियों को उनके घर के बाहर तैनात कर दिया गया, ताकि पत्रकारों को उनकी पत्नी से मिलने से रोका जा सके। उस वक्त इस मामले की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में काफी चर्चा हुई और जिनपिंग सरकार के पाबंदी वाले फैसले पर सवाल खड़े किए गए।

पाकिस्तान में लाखों लोगों की नौकरियां गईं

कराची, एजेंसी। इस वित्तीय वर्ष में औद्योगिक उत्पादन में भारी गिरावट के कारण पूरे पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था के औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। कच्चे माल के आयात पर लगाया गया प्रतिबंध, विदेशी मुद्रा संकट और बढ़ती बिजली और गैस के बिलों के कारण बढ़ती लागत ने उत्पादन गतिविधियों को गंभीर रूप से बाधित किया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, कराची के चार औद्योगिक क्षेत्रों और देशव्यापी ऑटो वेंडिंग यूनिटों में, हितधारकों ने दावा किया कि 5 लाख से ज्यादा लोगों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है। हालांकि, सिंध सरकार के जनशक्ति श्रम मानव संसाधन निदेशालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि व्यवसायी आंकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बता रहे हैं। डॉन रिपोर्ट के अनुसार, साइट (सिंध इंडस्ट्रियल ट्रेडिंग एसोसिएट्स) एसोसिएशन

ऑफ इंडस्ट्री के अध्यक्ष रियाजुद्दीन ने कहा, खाद्य क्षेत्र को छोड़कर, सिंध क्षेत्र में 5 लाख में से लगभग 100,000 लोगों ने उद्योगों की विभिन्न श्रेणियों में अपनी आजीविका खो दी है, मुख्य रूप से अक्टूबर 2022 से अब तक। रियाजुद्दीन ने आगे कहा कि इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों में 30-40 प्रतिशत की गिरावट आई है, कुछ उद्योग या तो बंद हो गए हैं या चालू वित्त वर्ष के दौरान अपनी एक शिफ्ट को निलंबित कर दिया है। अध्यक्ष ने आशंका जताई है कि मुझे लगता है कि 19.99 रुपये के बिजली शुल्क और 9 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू गैस शुल्क को वापस लेने के बाद 50 फीसदी और उद्योग बंद हो जाएंगे। संघीय सरकार के विभाग, जैसे सिंध ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (एसबीएस) और सिंध सरकार के विभिन्न विभाग उद्योगों से बेरोजगारी के आंकड़े मांगने के लिए जुलाई 2022 से एक्टिव हो गए हैं। व्यवसायी इन विभागों से किसी भी उत्पीड़न के डर से नौकरी के नुकसान का कोई भी डेटा देने से हिचक रहे हैं, जबकि सूचीबद्ध कंपनियां हर महीने अपने कर्मचारियों का डेटा पेश कर सकती हैं।

नॉर्थ कराची एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (एनकेएटीआई) के अध्यक्ष फैसल मोइज खान ने कहा कि इस क्षेत्र में लगभग 5,000-6,000 छोटी और मध्यम आकार की यूनिटें हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत निर्यात-उन्मुख हैं, जो 5 से 6 मिलियन मजदूरों को काम के अवसर प्रदान करती हैं।

डॉन रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिकूल आर्थिक स्थिति के बीच, लगभग 25 प्रतिशत उद्योगों ने अपनी यूनिटों को बंद कर दिया है, जिससे 100,000 से अधिक अनुबंधित कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं, जबकि 75 प्रतिशत उद्योगों ने अपना उत्पादन कम कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129